

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 1]

नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी 1, 1977 (पौष 11, 1898)

No. 1

NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 1, 1977 (PAUSA 11, 1898)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलने के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate-compilation)

### भाग ।।।--ख्रण्ड 1

### PART III-SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा श्रायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 4 दिसम्बर 1976

संव पी०/271-प्रशा०-I—संघ लोक सेवा श्रायोग की सम-संख्यक ग्रिधस्चना दिनांक 18-10-76 के ग्रिधकमंद्री में संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में स्थायी श्रवर सचिव श्री एस० पी० चक्रवर्ती को 4 धक्टूबर, 1976 के पूर्वाह्न से 3 मास की श्रविध के लिए, श्रथवा श्रागामी ग्रादेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा ग्रायोग के कार्यालय में सामान्य प्रतिनियुक्ति शतौं पर विशेष कार्य ग्रिधकारी (गोपनीय) के पद संर नियुक्त किया गया है।

> प्र॰ ना॰ मुखर्जी, धवर सचिव इसे अध्यक्ष

संघ लोक सेवा आयोग

मंत्रिमंडल सचिवालय (कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग) केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 9 दिसम्बर 1976

सं० पी० एस०/एस-१/७०-प्रशा०-5—राष्ट्रपति श्रपने प्रसाद से श्री एस० के० दत्ता, भारतीय पुलिस सेवा (उत्तर प्रदेण-1—396 जी०आई०/७6 1959) की विनांक 8 नवस्वर, 1976 के पूर्वाह्न से भगले भादेश तक के लिए पुलिस उप-महानिरीक्षक, केन्द्रीय भ्रन्वेषण ब्यूरो नियुक्त करते हैं।

> पी० एस० निगम, प्रशासन प्रधिकारी (स्था०) केन्द्रीय प्रत्वेषण स्युरो

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई विल्ली, दिनांक 13 दिसम्बर 1976

सं० 2/39/76 प्रशासन—केन्द्रीय सतर्कता भ्रायुक्त एतस् द्वारा श्री बी० के० गुप्ता, श्राई० श्रार० एस, को 4 दिसम्बर, 1976 (पूर्वाह्म) से भ्रगले श्रावेश तक केन्द्रीय सतर्कता भ्रायोग में स्थानापन्न रूप से विभागीय जांच श्रायुक्त नियुक्त करते हैं।

> सी० नारायणस्वामी, उप-सचिव इते केन्द्रीय सतर्कता स्रायुक्त

### गृह मंद्रालय

महानिदेणालय, केन्दीय रिजर्व पुलिस दल

नई दिल्ली-11000J, दिनांक 10 दिसम्बर 1576

सं श्रो० 91/69-स्थापना—ले० क० वी० डी० भोंसले का पुर्नियुक्ति का समय समाप्त होने पर उन्होंने कमाण्डेंट, ग्रुप सेन्टर केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल नागपुर के पद का कार्यभार दिनांक 2 जुलाई, 1976 श्रपराह्म को त्याग दिया।

सं० औ०-II-280/69-स्थापना—श्री कथामीरा सिंह राना, महायक कमाण्डेन्ट ग्रुप मेन्टर नं० 2, केन्द्रीय रिजर्ब पुलिस दल, श्रजमेर दिनांक 6 नवस्बर, 1976 के श्रपराह्न से मरकारी सेवा मे निष्त हो गये।

### दिनांक 13 दिसम्बर 1976

मं० श्रो-1I-246/76-स्थापना—श्री के० कम्नाकरन नायर ने उनके वार्द्धक्य श्रायु के पण्चात् दिए जाने वाले श्रतिरिक्त सेवा समय की समाप्ति पर उप-पुलिस श्रधीक्षक (कम्पनी कमांडर/क्वार्टर मास्टर) 18 वीं वाहिनी, के० रि० पु०-दल के पद का कार्यभार 14-11-76 श्रपराह्म को त्याग दिया ।

### दिनांक 15 दिसम्बर 1976

संबद्घीव 1I-25/75-स्थापना—-राष्ट्पति, कर्नल वाईव एसव अवस्थी कमाण्डेन्ट सिगनल ग्रुप सेन्टर, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस फोर्म का त्याग पत्र दिनांक  $11-1^{-7}-76$  (अपराह्म) से मंजूर करते हैं।

सं० श्रो०-2/1024-72-स्थापना--श्री दीपक चौपड़ा, उप-पुलिस श्रधीक्षक, ई० डी० पी० सेल, महानिदेशालय, के० रि० पु० दल की सेवाएं 1-12-1976 से महानिदेशालय समन्वय पुलिस कमपूटंस, गृह मंत्रालय को भौषी जाती हैं।

> ए० के० बन्द्योपाध्याय, सहायक निवेशक (प्रशासन)

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग कार्यालयः महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व नई विल्ली, दिनाँक 10 दिसम्बर 1976

सं ० प्रशासन-I/5-5/पदोन्नति/76-77/कार्या०-श्रादेश- 1001/2476--श्री शान्ति प्रसाद, स्थायी लेखा श्रधिकारी श्रधिवार्षिकी (सुपरनुएशन) की ग्रायु प्राप्त करने के फलस्वरूप 30 नवम्बर, 1976 (ग्रपराह्न) से सरकारी सेवा से निवृत्त हुए।

श्री प्रसाद की जन्म-तिथि 14 नवम्बर 1918 है।

एम० एल० सोब्ती वरिष्ठ उप-महालेखाकार, (प्रणासन)

### कार्यालय, महालेखाकार, उत्तर प्रवेश-प्रथम

इलाहाबाद, दिनांक 27 नवम्बर 1976

का० धादेश सं० प्रशासन-I/II-144(XII)/310-महालेखा-कार, उत्तर प्रदेश (प्रथम), इलाहाबाद ने निम्नांकित ध्रनुभाग धिकारियों को उनके नामों के धार्ग ग्रंकित तिथि से ध्रागामी धादेश पर्यन्त इस कार्यालय में स्थानापन्न लेखाधिकारी नियुक्त किया है:—

1. श्री बट्यनलाल	26-11-76
2. श्री भ्रार० विश्वनाथन	23-11-76
3. श्री राजेन्द्र प्रसाद श्रीवास्तव	23-11-76
4. श्री हर्स लाल मिश्रा	23-11-76

यू॰ रामचन्द्र राव, वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय, महालेखाकार, भ्रान्ध्र प्रदेश हैदराबाद, दिनांक 8 दिसम्बर 1976

सं० ई० बी० म्राई०/8-312/76-77/356—सहालेखाकार म्रान्ध्र प्रदेश, हैदराबाद कार्यालय के म्रधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्यश्री पी० एस० नर्रासहन को महालेखाकार म्रान्ध्र प्रदेश, हैदराबाद द्वारा वेतन मान ६० 840-40-1000-ई० बी०-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा म्रधिकारी के पव पर 1-12-76 के पूर्वाह्म से जब तक ग्रागे भादेश न विये जाएं, नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकृत प्रभाव डालने वाली नहीं है।

एस० धार० मुखार्जी, प्रवर उप-महालेखाकार (प्रशासन)

# 🗪 कार्यालय, महालेखाकार, राजस्थान

जयपुर, दिनांक 14 दिसम्बर 1976

सं प्रशासन-I<sup>1</sup>/जी वाव नो विश्व महालेखाकार कार्यालय राजस्थान के निम्नलिखित श्रनुभाग श्रधिकारियों की 30-11-76 (पूर्वाह्म) से श्रप्रेतर श्रादेशों के जारी होने तक इसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखाधिकारी के पद पर नियुक्त किया जाता है:—

- 1. श्री राम स्वरूप शर्मा
- 2. श्री गिरधारी लाल सारस्वत
- श्री गोविन्द बिहारी लाल माथुर

र० आ० **वीरक**र वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन) रक्षा मंत्रालय

महानिदेशालय, आ**र्डनै**न्स फैक्टरियाँ भारतीय श्रार्डनेन्स फैक्टरियां सेवा

कलकत्ता-700016, दिनांक 3 दिसम्बर 1976

सं० 91/76/जी०—58 वर्ष की श्रायु प्राप्त करने पर श्री डी० श्रार० खाड्के, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (स्थायी फोरमैन) को दिनांक पहली जून, 1976 से एक वर्ष की सेवा वृद्धि की स्वीकृति दी गई।

### दिनांक 8 दिसम्बर 76

सं० 94/76/जी—सेवा निवृत्ति पूर्व श्रवकाश की समाप्ति पर, श्री एस० कें० मूर्ति, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी फोरमैन), दिनांक 30-11-76 (श्रपराह्न) से सेवा निवृक्त हुए।

> एम ० पी० भ्रार० पिल्लाय, सहायक महानिदेणक, भ्रार्डनेंस फैक्टरियां

वाणिज्य मंत्रालय मुख्य-नियंत्रक, श्रायात-निर्मात का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 14 दिसम्बर 1976 ग्रायान तथा निर्यात व्यापार नियंत्रण (स्थापना)

सं० 6/1161/76-प्रणासन (राज०) — राष्ट्रपति. श्री महेन्द्र प्रताप सिंह (उत्तर प्रदेश राज्य न्यायिक सेवा श्रेणी-1) को मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात के कार्यालय, नई दिल्ली में 25-11-1976 (दोपहर पूर्व) से एक वर्ष की श्रवधि के लिए या जब तक इस पद के लिए भर्ती नियमावली नहीं बन जाती इनमें जो भी पहले हो उस अवधि के लिए उप-विधि सलाहकार के रूप में नियुक्त करते हैं।

> र्ग्ए एम० गिल, मुख्य नियंत्रक, ग्रायात-निर्यात

पूर्ति विभाग पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय (प्रशासन-6 अनुभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 24 नवम्बर, 1976

स० ए०-17011/113/76-ए-6--महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान उत्तरी निरीक्षण मंडल नई दिल्ली के श्री एच० बो० णर्मा, स्थायी भंडार परीक्षक (इन्जी०) को दिनांक 30-10-76 के पूर्वाह्म से ग्रागामी ग्रादेणों के जारी होने तक, इस महानिदेशालय के श्रधीन, कलकत्ता निरीक्षणालय में सहायक निरीक्षण ग्रधिकारी (इन्जी०) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

विन : 14 विसम्बर 1976

सं० ए०-1701 105)/76-प्र०-6—राष्ट्रपति, 1975 की इन्जीनियरी सेवा परीक्षा के परिणाम के प्राधार पर मनोनीत प्रत्याणी श्री राजेन्द्र प्रसाद हो दिनांक 20-11-76 से श्रागामी आदेशों के जारी होने तक भारतीय निरीक्षण सेवा (श्रेणी ।) के ग्रेड III की इन्जीनियरी शाखा में स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री प्रसाद ने दिनांक 20-11-76 के पूर्वाह्म से निरीक्षण निर्देशक, बम्बई के कार्यालय में निरीक्षण श्रधिकारी का पदभार सम्भाल लिया।

मं० ए०-17011(106)/76-प्र०-6—राष्ट्रपति, 1975 की इन्जीनियरी सेवा परीक्षा के परिणाम के ग्राधार पर मनोनीत प्रत्याशी श्री राजेन्द्र प्रकाश सिंह को दिनांक 15-11-76 से श्रागामी श्रादेशों के जारी होने तक भारतीय निरीक्षण सेवा (श्रेणी-I) के ग्रेड-III की इन्जीनियरी शाखा में स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री सिंह ने दिनांक 15-11-76 के पूर्वाह्म से निरीक्षण निदेशक, मदास के कार्यालय में निरीक्षण ग्रधिकारी (इन्जी०) का पदभार सम्भाल लिया है।

मं० ए०-1701I/(107)/76-प्र०-6—राष्ट्रंपति, इन्जी-नियरी सेवा परीक्षा, 1975 के परिणाम के श्राधार पर नामित जम्मीदवार श्री सुरेन्द्र मोहन मुजाल को दिनांक 22-11-76 मे श्रागामी श्रादेणों के जारी होने तक भारतीय निरीक्षण सेवा (श्रेणी-I) के ग्रेड-III की इन्जीनियरी शाखा में स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री मुंजाल ने दिनांक 22-11-76 के पूर्वाह्न से निरीक्षण निदेणक, बम्बर्ड के कार्यालय में निरीक्षण ग्रधिकारी (इन्जी०) का पदभार सम्भाल लिया।

> सूर्य प्रकास, उपनिदेशक, (प्रशासन) कुते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

### श्राकाणवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 9 दिसम्बर 1976

मं० 4(12)/76-एस० एक—महानिदेशक, आकाशवाणी एततद्वारा श्री किलग बीरंग को आकाशवाणी डिब्रूगढ़ में 8 नवम्बर, 1976 में श्रग्रेतर श्रादेशों तक अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 4(10)/76-एस० एक-सहानिदेशक, आकाणवाणी एनतद्वारा श्री पुरा टाडो को आकाणवाणी, डिब्रूगढ़ में 9 नवस्थर, 1976 से श्रग्नेतर आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर श्रस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

> प्रेमकुमार सिन्हा, प्रशासन उप निदेशक क्रुते महानिदेशक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय नई दिल्ली, दिनांक 14 दिसम्बर 1976

सं० ए-19012/3/74-स्था-2-श्री एस० पी० गुप्ता, प्रदर्शनी सहायक को क्षेत्रीय प्रदर्शनी ग्रिधिकारी के पद पर इस निदेशालय, वाराणसी में अस्थाई रूप से तदर्थ आधार पर तारीख 1-12-1976 (पूर्वाह्म) से श्रिप्रम श्रादेश तक नियुक्त किया जाता है।

सं० ए-19012/1/76-स्थापना-2—श्री एस० एफ० एघ० नकवी, प्रदर्शनी सहायक को क्षेत्रीय प्रदर्शनी श्रधिकारी के पद पर इस निवेशालय, नई दिल्ली में श्रस्थाई रूप से तदर्थ श्राधार पर तारीख 1-12-76 (पूर्वाह्म) से श्रिम श्रादेश तक नियुक्त किया जाता है।

ग्रार० देवासर, उप निदेशक (प्रशासन) **फ्रुते विज्ञा**पन श्रौर दृश्य प्रचार निदेशालय

### स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 10 दिसम्बर 1976

सं० ए० 22012/19/76-सी० एच० एस०-1—-ग्रपनी बदली हो जाने के फलस्वरूप केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के जी० डी० ग्रो० ग्रेड-1 ग्रिधकारी डा० सुभाष चक्रवर्ती ने हवाईपतन स्वास्थ्य संगठन, कलकत्ता हवाई ग्रड्डा डम डम के कार्यालय से उप हवाईपतन स्वास्थ्य प्रधिकारी के पद का कार्यभार 17 जुलाई, 1976 भ्रपराह्म से छोड़ दिया तथा पतन-स्वास्थ्य संगठन, कांडला के कार्यालय में उप पतन स्वास्थ्य अधिकारी के पद का कार्यभार 28 जुलाई, 1976 पूर्वाह्म से सम्भाल लिया है।

### दिनांक 14 दिसम्बर 1976

सं० ए० 12026/135/76-सी० एच० एस०-1—श्रपनी बदली हो जाने के फलस्वरूप केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के जी० डी० ग्रो० प्रेड-II ग्रधिकारी डा० एस० एल० शन्भाग ने केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, बम्बई के श्रधीन केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना ग्रोषधालय, बादला में कनिष्ठ चिकित्सा ग्रधिकारी के पद का कार्यभार 4 अक्तूबर, 1976 ग्रपराह्म से छोड़ दिया तथा हवाई-पतन स्वास्थ्य संगठन, बम्बई में सहायक हवाईपतन स्वास्थ्य ग्रधिकारी के पद का कार्यभार 5 श्रक्तूबर, 1976 पूर्वाह्म से संभाल लिया है।

के० वेणु गोपाल, उप निदेशक प्रशासन (सी० एच० एस०)

नई दिल्ली, दिनांक 15 दिसम्बर 1976

सं० 20/1(26)/75-के० स० स्वा० यो०-I—स्वास्थ्य सेवा महानिवेशक 8 नवम्बर, 1976 पूर्वाह्न से डा० एल० के० प्रधान को केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, पटना में होम्योपैथी चिकित्सक के पद पर श्रस्थाई श्राधार पर नियुक्त करते हैं।

सं० 20/1(26)/75-के० स० स्वा० यो०-1—स्वास्थ्य सेवा महानिवेशक 13 प्रगस्त, 1976 पूर्वाह्न से डा० के० एल० जना को केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, इलाहाबाद में होम्योपैथी चिकित्सक के पद पर श्रस्थायी श्राधार पर नियुक्त करते ह

सं० ए० 12026/62/76-सी० जी० एच०एस-I-स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री पी० श्रार० दराने को 4 श्रगस्त, 1976 के पूर्वाह्म से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना बम्बई में तदर्थ श्राधार पर प्रशासन श्रधिकारी के पद पर नियुक्त कर दिया है।

श्रार**ः के० जिन्दल,** उप निदेशक प्रशासन (सी० जी० एज**० एस०)** 

नई दिल्ली, दिनांक 15 दिसम्बर 1976

सं० ए० 12025/9/76-(सी० जी० एज० एस०) प्र० 1 (भाग 2)—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने 12 अक्तूबर 1976 के पूर्वीह्न से अगले आदेशों तक डा० वाई० सी० शर्मा को केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, कानपुर में अस्थायी आधार पर दन्त शत्य चिकित्सक के पद पर निमुक्त कर दिया है;।

सं० ए० 12025/9/76-(सी०जी० एच० एस०)-प्रशासन-1— स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने 21 अक्टूबर, 1976 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक डा० एम० एल० कारवाल को केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, बस्बई में दन्त शल्य चिकित्सक के पद पर श्रस्थायी रूप से नियुक्त कर दिया है।

> शाम लाल कुठियाला, उप निदेशक प्रशासन

वन साधनों का निवंश पूर्व सर्वेक्षण देहरादून, दिनांक 13 दिसम्बर 1976

सं० 3-2/76-प्रणासन—श्री राम रतन यादव, जो कि मध्य प्रदेश प्रणासन सेवा (वन विभाग) के ग्रातिरिक्त सहायक वन संरक्षक हैं, को 14-10-76 की पूर्वाह्न से वन साधनों के निवेश पूर्व सर्वेक्षण, देहरादून में सहायक वनपाल नियुक्त किया जाता है।

रमेश चन्द्रा, मुख्य समन्वयक

परमाणु ऊर्जा विभाग विद्युत् परियोजना इंजीनियरी प्रभाग (नरोरा परमाणु विद्युत् परियोजना)

मुम्बई-5, दिनांक 25 सितम्बर 1976

नरोरा परमाणु विद्युत परियोजना, नरोरा में 10 श्रगस्त, 1976 के पूर्वाह्न से श्रगले आदेश तक वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर-ग्रेड एस० बी० के पद पर ही नियुक्त किया जाता है।

### दिनांक 7 दिसम्बर 1976

सं० एन० ए० पी०पी०/18/106/76-प्रणा०---श्री बी० जे० पारिख, वैज्ञानिक श्रिधकारी/इंजीनियर-प्रेड एस० बी० को, उनका तबादला भारी पानी परियोजना, बड़ौदा से होंने पर, 18 नवम्बर, 1976 के श्रपराह्म से अगले श्रादेश तक नरोरा परमाणु विद्युत परियोजना, नरोरा में उसी ग्रेड में नियुक्त किया जाता है।

श्रार० जे० भाटिया, सामान्य प्रशासन-ग्रधिकारी कृते निदेशक, विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग

तारापुर परमाणु बिजलीघर थाना-401504, दिनांक 30 नवम्बर, 1976

सं० टीएपीएस/प्रमासन/ 673-ए (XIV)—-परमाणु ऊर्जा विभाग के तारापुर परमाणु बिजलीघर के मुख्य अधीक्षक, तारापुर परमाणु बिजलीघर के अस्थायी फोरमेन श्री डी० नारायण तथा श्रस्थायी वैज्ञानिक सहायक 'सी' श्री मोहनलाल को 1 श्रगस्त, 1976 के पूर्वाह्न से उसी बिजलीघर में श्रस्थायी रूप से वैज्ञानिक श्रधिकारी/ इंजीनियर (एसबी) नियुक्त करते हैं।

के० वी० सेतुमाधवन, मुख्य प्रशासन श्र<mark>धिकारी</mark>

# नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र हैदराबाद-500762, दिनांक 10 दिसम्बर 1976 **आदेश**

संदर्भः ना ई स/प्रणा-5/20/बी-81/2540---जबिक श्रारोपिन है कि

श्री मुहम्मद बदीउज्जमा, कारीगर बी०, एम० ई० एस०, के रूप में कार्य करते समय बिना किसी सूचना के सेवा से बारबार श्रनुपस्थित रहते हैं। वे बिना पूर्व श्रनुमित के 1974 में 7 श्रवसरों तथा 1975 में 8 श्रवसरों पर श्रनुपस्थित रहें। उक्त श्री बदीउज्जमा 5-11-1975 से श्राज तक, बिना किसी श्रनुमित के सेवा से श्रनुपस्थित हैं तथा काम को श्रव्यवस्थित कर रहे हैं। इस प्रकार से उन्होंने ना० ई० स० के स्थायी श्रादेणों के पैरा 39(5) का उल्लंघन किया है।

श्रार जबिक श्री बदीउज्जमा को उनके विरुद्ध ग्रारोप तथा जाच श्रायोजित करने के प्रस्ताव की सूचना एक भ्रापन जिसकी संख्या ना ई स/प्रशा-5/बी-81/20/206 दिनांक 16-2-1976 थी, उक्त श्री बदीउज्जमा के हैदराबाद के श्रांतम ज्ञान पने पर रजिस्टढं डाक द्वारा पावती सहित भेजा गया था, वह डाक कार्यालय द्वारा, टिप्पणी "विना सूचना के चले गए" के साथ वापिस लौटा दिया गया है,

श्रीर जबिक उक्त ज्ञापन को जिसे पुनः उक्त श्री बदीउज्जमा के श्रंतिम ज्ञात पते पर, एक प्रावरण पत्न जिसकी संख्या ना ई स/प्रणा-5/20/बी-81/346, विनांक 30 मार्च, 1976 थी के साथ रजिस्टर्ड डाक द्वारा पावती सहित भेजा गया था, वह डाक कार्यीलय द्वारा टिप्पणी "श्रस्वीकृत" के साथ पुनः वापिस लौटा विया गया है,

भीर जबिक एक जांच श्रिधिकारी को जांच भ्रायोजित करने के लिए नियुक्त किया गया जैसा कि ना० ई० स० के स्थायी श्रादेशों (इसके बाद जिन्हें उक्त भ्रादेश कहा जाएगा) के पैरा 41.2 के अन्तर्गत भ्रायश्यक है,

श्रीर जबिक जांच श्रिधकारी जांच कार्यवाही श्रायोजित नहीं कर सके क्योंकि जो पत्न उक्त श्री बदीउज्जमा के श्रंतिम ज्ञात पते पर भेजा गया था वह डाक कार्यालय द्वारा टिप्पणी "इस मकान संख्या पर ऐसे कोई पते वाला नहीं हैं, भेजने वाले को लौटाया जाता है" के साथ लौटा दिया गया,

श्रौर जर्बाक ऐसी परिस्थितियों में, निम्नहस्ताक्षरकर्ता इस तथ्य से संतुष्ट हुए कि उक्त ग्रादेशों में निहित तरीके से जांच श्रायोजित करना व्यावहारिक रूप से युक्तिपूर्ण नहीं हैं,

श्रीर जबिक निम्नहस्ताक्षरकर्ता इस तथ्य से संतुष्ट है कि उक्त श्री बदीउज्जमा ने, बिना किसी पूर्व श्रनुमति या सूचना के इतनी लम्बी श्रवधि तक श्रनुपस्थित रह कर बुरी हरकत की है श्रीर, इसीलिये वे सेवा में रहने लायक नहीं हैं,

श्रव, इसीलिये निम्नहस्ताक्षरकर्ता उक्त श्रादेशों के पैरा 41.2 तथा पैरा 42 के साथ परमाणु ऊर्जा विभाग के श्रादेश संख्या 28(1)/68-प्रशा० दिनांक 3-12-1970 के श्रन्तर्गत दिये हुए श्रधिकारों का प्रयोग करते हुए इसके द्वारा उक्त श्री बदीउज्जमा को तत्काल प्रभाव से, सेवा से श्रलग करते हैं।

हरिश्चन्द्र कटियार, उप-मुख्य कार्यपालक

### भारी पानी परियोजना

बम्बई-400008, दिनांक 15 दिसम्बर 1976

संदर्भ भाषापएं/स्था०/1/प-92/8409—भारी पानी परि-योजनाम्नों के, विशेष-कार्य-मधिकारी ने, श्री ज्योति प्रकाश दुर्लभभाई पटेल, ग्रस्थायी श्रम-तथा-कल्याण ग्रधिकारी, भारी पानी परियोजना (बड़ौदा) का 26 श्रक्तूबर, 1976 (ग्रपराह्म) से त्यागपत्र स्वीकार कर लिया है।

> टी० सी० सत्यकीर्ति, वरिष्ठ प्रशासन म्रधिकारी

पर्यटन श्रोर नागर विमानन मंत्रालय (भारत मौसम विज्ञान विभाग)

नई दिल्ली-3, दिनांक 10 दिसम्बर 1976

सं० ई(I) 04227—वेधशालाओं के महानिदेशक, निवेशक, प्रावेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता के कार्यालय में क्यावसायिक सहायक श्री ए० के० दत्ता को 19-11-76 के पूर्वाह्म से 17-1-77 तक 60 दिनों की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री दत्ता, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी निदेशक, प्रादेशिक भौसम केन्द्र, कलकत्ता के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (1) 04269—विधशालाश्रों के महानिदेशक, निदेशक प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता के कार्यालय में व्यावसायिक सहायक श्री एस० के० बसु को 16-11-76 के पूर्वाह्न से 14-1-77 तक 60 दिन की श्रविध के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री बसु, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (1) 04255—विध्यालाग्रों के महानिदेशक, निदेशक प्रादेशिक मौमम केन्द्र, कलकत्ता के कार्यालय में व्यावसायिक महायक श्री एन० बी० घोष को 19-11-76 के पूर्वाह्न से 17-1-76 तक 60 दिन की श्रवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री घोष, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे ।

सं०  $\xi(I)$ -04193—विधशालाओं के महानिदेशक, निदेशक प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता के कार्यालय में व्यावसायिक सहायक श्री के० के० भौमिक को 19-11-76 के पूर्वाह्म से 17-1-77 तक 60 दिन की श्रविध के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री भौमिक, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

> जी० ग्रार० गुप्ता, मौसम विज्ञानी, कृते वेधशालाग्रों के महानिदेशक

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तथा सीमा शुल्क समाहर्तालय कानपुर, दिनांक 18 श्रक्तुबर 1976

सं० 107/76--श्री जे० एत० विवेवी, स्थानापन्न स्रधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ग्रुप 'ख' कानपुर मंडल द्वितीय ने प्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ग्रुप 'ख' कानपुर मंडल द्वितीय के पद का कार्य-. भार दिनांक 26-6-72 (पूर्वाह्न) श्रौर दिनांक 3-2-75 (भपराक्ष) को त्याग विया भौर निम्नलिखित ग्रवधियों के ग्रवकाश पर चले गए:---

- (क) 6 विनों का ग्रांजित श्रवकाण दिनांक 26-6-72 से दिनांक 1-7-72 तक इसके साथ मिला हुआ है 279 दिनों का श्रधंवेतन श्रवकाण दिनांक 2-7-72 से दिनांक 6-4-73 तक भौर 393 दिनों का वेतन रहित श्रवकाण दिनांक 7-4-73 से दिनांक 4-5-74 तक तथा 5 और 6 मई, 1974 को पड़ने वाली छुट्टी को बाद में जोड़ लेने की श्रनुमृति से प्राप्त श्रवकाण।
- (ख) 25 दिनो का फ्रांजित प्रवकाश दिनांक 4-2-75 से दिनांक 28-2-75 इसके साथ मिला हुआ है 60 दिनों का अर्धवेतन प्रवकाश दिनांक 1-3-75 से 29-4-75 तक और 318 दिन का वेतन रहित प्रवकाश दिनांक 30-4-75 से 12-3-76 तक।
- 2. ग्रवकाश समाप्त होने के बाद श्री जे० एन० त्रिवेदी, ग्रधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ग्रुप 'ख' में ग्रधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ग्रुप 'ख' में ग्रधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद ग्रुल्क, कानपुर मंडल द्वितीय के पद का कार्यभार, उपर्युक्त 'क' के सामने उल्लिखित श्रविध के लिए दिनांक 7-5-74 (पूर्वाह्न) को ग्रहण किया ग्रौर उपर्युक्त 'ख' के सामने उल्लिखित ग्रवकाश के समाप्त हो जाने के बाद सरकारी सेवा से दिनांक 12-3-76 (ग्रपराह्न) को एफ० ग्रार० 56(के०) के ग्रन्तगंत सेवा निवृत्त हो गए।

कु० श्री दिलिपसिंहजी, समाहर्ता

### नारकोटिक्स विभाग

ग्वालियर, दिनांक 13 दिसम्बर 1976

तं० 52—बारां से स्थानान्तरण पर, श्री भ्रार० सी० श्रीवास्तव जिला अफीम श्रधिकारी ने 15 जुलाई, 1976 के दोपहरपूर्व की जिला श्रफीम श्रधिकारी फैजाबाद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० 53—स्थानान्तरण पर, केन्द्रीय उत्पादनशुल्क समाहर्तालय नागपुर के श्री जे० एस० ग्रेबाल, श्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादनशुल्क समूह 'ख' ने 21 जुलाई, 1976 के दोपहरपूर्व को जिला श्रफीम श्रधिकारी, नीमच I प्रभाग का कार्यभार संभाल लिया।

सं ० 54—स्थानान्तरण पर, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालय, इलाहाबाद के श्री एस० जफर ग्रली, श्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, समूह 'ख'ने, 4 ग्रक्टूबर, 1976 के दोपहरपूर्व को जिला अफीम ग्रधिकारी, शाहजहांपुर का कार्यभार संभाल लिया ।

> श्रभिलाष शंकर भारत का नारकोटिक्स श्रायुक्त

### नई दिल्ली-110024, दिनांक 13 दिसम्बर 1976

सं० 1—श्री एम० छी० तिवारी, फैक्ट्री इन्जीनियर, शासकीय ग्रफीम व अल्कासाईड वर्क्स ग्रन्डरटेकिंग, गाजीपुर को 1-8-1975 में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में रु० 1000-/ के चरण पर दक्षनारोक पार करने की श्रनमति दी जाती है।

कृष्ण भ्रानन्द, मुख्य नियंत्रक

### केन्द्रीय जल भ्रायोग

नई दिल्ली, दिनांक 9 दिसम्बर 1976

सं० ए-12017/4/76-प्रणा-5—इस स्रायोग की अधिसूचना सं० 12017/4/76-प्रणा-5, दिनांक 29-9-1976 के कम में स्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल श्रायोग, एतब्द्वारा श्री टी० पी० येगनान को महायक अनुसंधान स्रधिकारी (वैज्ञानिक गणित समूह) के ग्रेड में कार्य करने के लिए ए० 650-30-740-35-810-द० रो०-880-40-1000 द० रो०-40-1200 के वेतनमान में केन्द्रीय जल तथा विद्युत अनुसंधानणाला, पूणे में पूर्णतः अस्थायी तथा तदर्थ श्राधार पर 10-12-1976 तक नियुक्त करते हैं।

जसवंत सिंह, भवर सचिव कृते भ्रष्ट्यक्ष, केन्द्रीय जल श्रायोग

# केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग प्रमुख इंजीनियर का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 24 नवम्बर, 1976

सं० 27-ई/ग्रार (24)/69-ई० सी०-II——निर्माण ग्रीर ग्रावास मंत्रालय (निर्माण प्रभाग) के दिनांक 2-8-1976 के पत्र संख्या 34/5/75 ई० सी० II/ई० डब्ल्यु०-2 के ग्रधीन जारी किए गए ग्रादेशों का ग्रनुसरण करते हुए कलकत्ता केन्द्रीय परिमण्डल-3, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, कलकत्ता के कार्यपालक इंजीनियर श्री एम० एम० राय चौधरी, मूल नियम 56(जे) के ग्रधीन सरकारी सेवा से 8-11-1976 (ग्रपराह्म) से सेवा निवत्त हुए।

पी॰ एस॰ पारवानी, प्रशासन उपनिदेशक कृते प्रमुख इंजीनियर

#### मध्य रेलवे

बम्बई वी० टी०, दिनांक 10 दिसम्बर 1976

एचपीबी-220-जी-थो-एल—निम्नलिखित स्थानापन्न सहायक विद्युत इंजीनियर (श्रेणी-II) को उसी पद पर उनके नाम के सामने लिखी तारीख से स्थायी किया गया है :--

क्रमांक नाम	श्रेणी-II में स्थायीकरण की तिथि
<ol> <li>श्री सी० राजगोपाल</li> </ol>	5-5-1976
2. श्री एस० डी० गुप्ता	18-8-1976

श्रमृतलाल गुप्ता, महाप्रबन्धक

#### उसर रेलवे

नई दिल्ली, दिनांक 10 दिसम्बर 1976

सं० 18—-श्री प्राणनाथ, कर्मभाला विद्युत ग्रिभयन्ता अमृतसर 31-8-76 श्रपराह्म को ग्रन्तिम रूप से रेल मेबा से निवृत्त हो गए हैं।

मतीश चन्द्र मिश्रा महाप्रबन्धक

### पूर्वोत्तर सीमा रेलवे

पांड, दिनांक 10 दिसम्बर 1976

सं० ई/55/III/94-पी०टी०-III(क्रो)—सिविल इंजीनियरी विभाग के निम्नलिखित ग्रधिकारियों को ग्रवर वेसनमान में उनके नाम के सामने दी गयी निथियों से स्थायी किया जाता है:

क० श्रधिकारी का नाम सं०	स्थायी किये जाने की तिथि		
1. श्री एम० के० देव वर्मा	17-2-74		
2. श्री एस० सी० बंसल	18-11-74		
3. श्री एन० एम० श्राहूजा	25-11 <b>-7</b> 5		
4. श्री एस० पी० वस्स	28-11 <b>-</b> 75		

जी० एच० केसवानी महाप्रबंधक

विधि, न्याय भ्रौर कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी लॉ बोर्ड

कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रौर के० श्राई० डी० सिन्डीकेट लिमिटेड के विषय मे

कटक, दिनांक 8 दिसम्बर, 1976

सं० 243/76-3760(2)—कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद्बारा सूचना दी जाती है कि के० श्राई० डी० सिन्डीकेट लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रौर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

सी० **भ्रार० दा**स, कम्पनियों का रजिस्ट्रार, उड़ीसा

### श्रायकर श्रायुक्त का कार्यालय

इलाहाबाद, दिनांक 20 ग्रक्तुबर, 1976

श्रायकर श्रधिनियम--1961--धारा 123(1) एवं (2)-- आयकर आयुक्त इसाहाबाद के कार्यभार के अधीन स्रायकर निरीक्षण सहायक स्नाय्क्त का कार्य क्षेत्र ।

सं० 81 (बी० 1)/70 टे**क—**-ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 123 की उपधारा श्रीर (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इस विषय पर इससे पहले के सभी भ्रादेशों को रह करते हुए, मैं, ग्रायकर श्रायुक्त इलाहाबाद, इस ग्रधिसूचना के द्वारा यह निदेश देता हं कि इस प्रधिसूचना के साथ अनुवद्ध अनुसूची के कालम 2 में विनिद्धिट रेंजों में तैनात ग्रायकर के निरीक्षण सहायक ग्रायुक्त 1 नवम्बर, 1976 से उक्त अनुसूची के कालम 3 के सम्बन्धित इन्दराजों में विनिद्दिष्ट ग्रायकर सर्किलों में ग्राने वाले क्षेत्र में सभी व्यक्तियों श्रीर व्यक्तियों के सभी वर्गों तथा सभी श्रायों श्रीर श्राय के सभी वर्गों के मामले में श्रपना कार्य करेंगे :---

**	सहायक निरीक्षीय	क्षेत्र संख्या ग्रथवा
सं०	<b>ग्रायकर श्रायु</b> क्त	उप प्रभार मंडल
	मंडल	में सम्मिलित हैं।
1	2	3
1	1. इलाहाबाद	1. इलाहाबाद
		2. विशेषधृत्त, इलाहाबाद
		<ol> <li>सर्वेक्षण वृत्त, इलाहाबाद</li> </ol>
		4. सुल्तानपुर
		4. फेजाबाद
2.	2. गोरखपुर	1. गोरखपुर
		2. स <b>र्वेक्षण वृ</b> त्त, गोर <b>खपु</b> र
		3. बस्ती
		4. गोंडा
		5. <b>बहराइच</b>
		<ol> <li>ग्राजमगढ़</li> </ol>
		7. बलिया
		8. देवरिया
3.	3. वाराणसी	1. वृत्त 1, वाराणसी
		2. वृत्त 2, वाराणसी
		<ol> <li>सर्वेक्षण वृत्त, वाराणसी</li> </ol>
		4. मिर्जापुर
		5. <b>जौनपु</b> र

शेख ग्रब्दुस्ला, श्रायकर श्रायुक्त, इलाहाबाद

को च्यिन-682016, दिनांक 16 नवम्बर, 1976

# आवेश सं० 1/76-77

सी० सं० 1(9)/जी० एल०/76-77--श्रायकर श्रिधिन्दिम 1961 (1961 का 43) की 124वीं धारा की उपधारा (1) के श्रनुसार मुझे प्रदत्त श्रधिकारों का प्रयोग करते हुए एवं उक्त **धा**रा 124(1) के भ्रनुसार इस कार्यालय के समय-समय पर सुचित पुरानी सूचनाओं का श्रधिक्रमण करते हुए, केरल-1 का श्रायकर श्रायुक्त, मैं निदेश करता हूं कि संलग्न श्रन् सूची की कालम (3) में बताये हुए श्रायकर श्रधिकारी 1976 नवम्बर 16 पूर्वाह्म से कालम (4)में बताये हुए कार्य का निर्वाह करेंगे । उनके कार्यक्षेत्र, व्यक्ति/ व्यक्तियों की श्रेणी आदि कालम (4) में वी गई है :---

अ <b>नुसूर्च</b> ी					
ऋम म <sup>प</sup> डल सं०		यकर श्रधिकारी की पदसंज्ञा	क्षेत्राधिकार		
(1) (	2)	(3)	(4)		
1. सर्वे सर्किल एरणामुक		तर्वे सिकल, जिम ।	1) एरणाकुलम और आलप्पी के श्राय- कर मण्डलों के प्रादेशिक क्षेत्रा- धिकार के श्रतगंत सर्वेक्षण के फल- स्वरूप श्राविष्कृत सभी निर्धारिती। ) सभी निर्धारिती। जनके मामले 1961 के श्राय- कर श्रधिनियम की धारा 127 (1) के श्रनुसार श्रायकर श्रधिकारी को हस्तांत्रित किये जाते हैं।		
			-		

### आवेश सं० 2/76-77

सी॰ सं॰ 1(209)/जी॰ एल०/76-77---आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) की 124वीं धारा की उपधारा (1) के श्रनुसार मुझे प्रदस्त श्रधिकारों का प्रयोग करते हुए, केरल-I का श्रायकर श्रायुक्त एतद्दारा एरणाकुलम में 'श्रायकर कार्यालय,

सर्वे सर्किल, एरणाकुलम' नामक एक नवीन सर्राकेल का मृजन करने हैं। कार्यालय का पना निम्नलिखिन हैं —

श्रायकर श्रधिकारी का कार्यालय. सर्वे सर्राकल, वारियम रोड, एरणाकुलम, कोच्चिन-682016।

यह श्रश्चिम्चना 16-11-1976 के पूर्वाह्न से प्रवृत्त होगी।

पी० एस० सुक्रमण्यन, श्रायकर श्रायुक्त, केरल-I

कोच्चिन-682016, दिनांक 16 नवम्बर 1976 आवेस सं 3/76-7

(उपहारकर ग्रधिनियम 1958 की धारा 7 के प्रधीन ग्रादेश)

सी० सं० 1(9) बी०/जी० एल०/76-77—इस कार्यालय के समय-समय पर सूचित पुरानी सूचनाश्रों का श्रधिक्रमण करते हुए केरली-का श्रायकर उपहार कर श्रायुक्त में निदेश करता हूं कि संलग्न श्रनुची की कालम (3) में बताये हुए उपहारकर श्रधिकारी 1976 नवम्बर, 16 के पूर्वाह्न से कौलम (4) में बताए हुए कार्य का निर्वाह करगे। उनके कार्यक्षेत्र, व्यक्ति, व्यक्तियों की श्रेणी श्रादि कौलम (4) में दी गई हैं:—

### अमु सूची

ऋम	मंडल का	उपहारकर म्रधि-	क्षेत्राधिकार
सठ०	नाभ	कारी का पदसं	<b>श</b> ा
1	2	3	5
1. ₹	2 विं सर्किल, रणाकुलम ।	3 उपहार श्रधि- कारी सर्वे सर्किल एरणाकुलम	5 (1) एरणाकुलम और श्रालिप के उप- हारकर मण्डलों के प्रावेशिक क्षेत्रा- धिकार के अतर्गत सभी निर्धारिती जिन के कर- निर्धारण ग्रभी तक श्रायकर या धन-
			कर के विषय में किया नहीं गया है। (2) सभी निर्धारिती जिनके मामले 1958 के उप- हारकर प्रधिनियम की धारा 7-बी के प्रनुसार उपहार- कर प्रधिकारी को हस्तान्तिर किये जाते हैं।

पी० एस० सु**क्रम**ण्यन ∫उपहारकर आयुक्त, केरल-1 कोच्चिन-682016, दिनांक 16 नवम्बर, 1976 ग्रादेण सं० 4/76-77

(उपहारकर श्रधिनियम 1958 की धारा 7 के श्रधीन स्रादेश)

सी० सं० 1(9)बी० जी० एल०/76-77—इस कार्यालय में समय-समय सूचित पुरानी सूचनाओं का श्रधिक्रमण करते हुए, केरल-II का उपहारकर ग्रायुक्त में निदेश करता हूं कि संलग्न श्रनुसूची के कॉलम (3) में बताए हुए उपहार ग्रधिकर श्रधिकारी 1976 नयम्बर 16 के पूर्वाह्न से कोलम (4) में बताये हुए कार्य का निर्वाह करेंगे। उनके कार्यक्षेत्र, व्यक्ति, व्यक्तियों की श्रेणी श्रादि कॉलम (4) में दी गई हैं:—

### श्रनुसूची

ऋम सं०	म <sup>ण्डल</sup> का नाम	उपहारकर श्रधि- कारी की पदस <b>जा</b>	क्षेत्राधिकार
	चें सर्किल, रणाकुलम	उपहारकर श्रधि- कारी, सर्वे सर्किल, एरणाकुलम ।	(1) मट्टान्चेरी, ग्रालवे तथा कोट्टर्य के उपहारकर मण्डलों के प्रादेशिक क्षेत्रा- धिकार के अंतर्गत सभी निर्धारिती— जिन के कर- निर्धारण ग्रभी तक ग्रायकर या धनकर के विषय में किया नहीं गया है। (2) सभी निर्धारिती जिनके मामले 1958 के उपहारकर ग्रिध नियम की धारा 7-बी के श्रनुसार उपहार-कर ग्रिध कारी को हस्तां- तरित किये जाते हैं।

पी० एस० सुक्रमण्यम, उपहारकर श्रायुक्त, केरल-II

ग्रायकर आदेस ५ां० 5/ 7 6- 7 7	(1)	(2)	(3)	(4)
मी मं 1 (9)/जी एल 76—77 आयकर अधिनियम 1961 1961 1961 को 43) की 124वी धारा की उपधारा (1) के अनुसार मुझे प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करने हुए एवं उक्त धारा 124(1) के अनुसार इस कार्यालय के समय-समय पर सूचित पुरानी सूचनाओं का अधिकमण करते हुए, केरल-II का श्रायकर आयुक्त, मैं निदेश करता हूं कि संलग्न अनुसूची की कॉलम (3) में वताये हुए श्रायकर अधिकारी 1976, नवम्बर 16 पूर्वाह्न से			( ·	के प्रादेशिक क्षेत्रा- धिकार के ग्रन्तर्गत सर्वेक्षण के फल- स्वरूप ग्राविष्कृत सभी निर्धारिती।
भ प्रताय हुए आवर्गर आवकारा 1976, गवस्थर 10 दूराह्म स काँलम (4) में बताये हुए कार्य का निर्वाह करेंगे। उनके कार्यक्षेत्र व्यक्ति, व्यक्तियों को श्रेणी श्रादि कॉलम (4) में दी गई है। अनुसूची				जिनके मामले 1961के स्रायकर स्रधिनियम की धारा 127(1)
ऋम मण्डलका श्रायकरश्रधिकारी क्षेत्राधिकार सं० नाम कापदसंज्ञा				के श्रनुसार श्राय- कर श्रधिकारी को हस्तौतरित किये
(1) (2) (3) (4)				जाते हैं।
<ol> <li>मर्वे सिकल, श्रायकर श्रधिकारी, (1) मट्टान्चेरी, श्राल- एरणाकुलम । सर्वे सिकल, वाय और कोट्टर्य एरणाकुलम । के श्रायकर मण्डलों</li> </ol>				एम० ए० सुन्नमण्यम, केरल-II, एरणाकुलम

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-

धायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के श्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज जालन्धर कार्यालय,

जालन्धर, दिनांक 14 दिसम्बर 1976

निदेण नं० 1637/76-77—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ४० से ग्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में है तथा जो माडल टाउन जलन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है). रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जलन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मई 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रिष्ठिक है और अन्तरिक्त (अन्तरिक्तों) और अन्तरिक्ती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी न्नाय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

इन्त: घ्रब, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-ग के घनुसः ण में, में, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (।) के ग्रिधीन, निम्नलिखित ध्यक्तियों, श्रर्थात्:—

- कर्नेल सिंह मुपुत्र श्री पजाव सिंह, गांव मालीयान (ग्रन्तरक)
- 2. श्री रामेश्वर दास सुपुत्र श्री गुरप्रसाद, 612-प्रार० माङल टाउन, जलन्धर। (श्रन्तरिती)
- जैसा कि नं दो में है (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है) ।
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध म कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यवितयो पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोदत व्यवितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन ही तारीख से 45 दिन वे भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य ध्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में फिए जा सकेंगे।

स्यब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम, के भ्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं भर्य होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 375 मई 1976 को रजिस्ट्री कर्ता ग्रधिकारी जलन्धर में लिखा गया है।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज जालन्धर

तारीख: 14-12-1976

प्ररूप भाई∘ टी • एन० एस०--

भायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज अमृतसर कार्यालय

श्रमृतसर, दिनांक 13 दिसम्बर, 1976

निदेश नं० एफडीके/89/76-77—यतः मुझे वी० श्रार० सागर

म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए से भ्रधिक है

स्रौर जिसकी सं० धरती है तथा जो नेतालां रोड़ कोटकपूरा में स्थित है (स्रौर इससे उपायद्ध स्ननुसूची में स्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, फरीदकोट मे रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 15) के स्रधीन, तारीख स्रप्रैल, 1976 ।

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के प्रश्नीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिय था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रब उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्राचीत्:—

- श्री गुरदित सिंह सपुत्र श्री नौतिहाल सिंह बासी कोटकपूरा (श्रन्तरक)
- 2. श्री हन्स राज सपुत्र श्री चानन राम बासी कोटकपूरा (ग्रन्तरिती)
- जैसा कि नं० 2 में है तथा किरायेदार यदि कोई हो (वह व्यक्ति, जिसके प्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो । (वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उबत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की फबिध या लत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तार्मिल से 36 दिन की फबिध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उवत स्थावर सम्पत्ति में हित बढ़ किसी धन्य ध्यवित द्वारा, श्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पद्दों को, जो उक्त श्रिधिनियम, के श्रद्धाय 20-क में परिभाषित हैं, वही शर्थ होगा, जो उस श्रद्ध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

धरती जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं 133 महीना भ्रप्रैस, 1976 को रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी फरीदकोट में लिखा है।

> वी० श्रार० मगर, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज ग्रम्तसर

तारीख: 13 दिसम्बर 1976

मोहरः

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) प्रजेन रेंज ग्रमृतसर कार्यालय

अमृतसर, दिनांक 13 दिदसम्बर, 1976

निदेश नं० एफ० क्षी ० के ० / 90 / 76-77---यतः मुझे वी० ग्रार० सगर भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उबत ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से श्रधिक है भ्रौर जिसकी सं० धरती है तथा जो भ्रलालां रोड़ कोटकपूरा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, श्रप्रैल, 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिपक्ष से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है और ग्रन्तरक (श्रन्तरको) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:---

- (क) ग्रन्सरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त प्रधिनियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या प्रम्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, श्रव उक्त प्रधिनियम, की धारा 269ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयति :—

- विचतर सिंह सपुत्र श्री हजूरा सिंह, श्री सुरजीत सिंह ग्रौर श्री विचतर सिंह, श्री जगीर सिंह सुपुत्र श्री बग्गा सिंह बासी कोटकपूरा। (ग्रन्तरक)
- 2. मैसर्ज कोटकपूरा काटन गिनिंग तथा प्रैसिंग फैकटरी कोटकपूरा (भ्रन्तरिती)
- जैसा कि नं० 2 में है तथा किरायेदार यदि कोई हो (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में
  हितबद्ध किसी श्रम्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी
  के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं शर्य होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

### अमुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 89 महीना ग्रप्रैल 1976 को रजिस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी फरीदकोट में लिखा है।

> वी० ग्रार० सगर, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज ग्रमृतसर

तारीख: 13-12-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269घ (1) के ग्रिधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज भ्रमृतसर कार्यालय

श्रमृतसर, दिनांक 13 दिसम्बर, 1976

निदेश नं० एफ**०डी०**के**०** /91/76-77—यतः मुझे वी० श्रार० सगर

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उवत श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269क्ष के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से श्रिधिक है और जिसकी सं० धरती है तथा को कोटकपूरा में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, फरीदकोट में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख श्रियेल, 1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रधिनियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रत: श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269म के श्रनुसरण में, में, उम्त श्रधिनियम की धारा 269म की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- जगरूप सिंह श्रीर दर्शन सिंह सुपुतान श्री तारा सिंह बासी कोठे बार्डिंग डाकखाना कोटकपूरा (श्रन्तरक)
- मैंसर्स धासा सिंह काटन फैंक्टरी कोटकपूरा (ग्रन्सरिसी)
- जैसा कि नं० 2 में है तथा किरायेदार यदि हो (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल्ल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितसद्ध किसी प्रन्य व्यवित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के ग्रध्याय 20क में परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 18 महीना श्रप्रैल 1976 को रजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी फरीदकोट में लिखा है।

> वी० ग्रार० सगर, सक्षम ग्रधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज श्रमृतसर

तारीख: 13-12-1976

मोहरः

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०-

ष्मायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज श्रमृतसर श्रमृतसर, दिनांक 13 दिसम्बर 1976

निदेश नं०एफ०डी०के०/92/76-77—यतः मुझे वी० श्रार० सगर

आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' वहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से श्रधिक है

भौर जिसकी सं धरती है तथा जो कोटकपूरा में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण क्य से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय फरीदकोट में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रप्रेंल, 1976 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रिधक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तिरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उवत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे धचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी स्राय या किसी धन या स्रन्य श्रास्तियों, को जिन्हें भारतीय स्राय-कर स्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत श्रिधिनियम या धन-कर स्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ स्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रवः, उवतं श्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उवत श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथातः—

- श्री जगरूप सिंह तथा दर्शन सिंह मुपुत्रान श्री तारा सिंह गांव कोठे विडिंग डाकखाना कोटकपुरा (श्रन्तरक)
- 2. मैंसर्ज फैन्डज काटन प्रैस, कोटकपूरा (ग्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 में तथा किरायेदार कोई यदि हो (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- 4. कोई व्यक्ति, जो सम्पत्ति में स्ची रखता हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपक्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी ध्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवितयों में से किसी व्यवित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध विसी अन्य व्यदित द्वारा, अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुवत शब्दों ध्रौर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में पिरभाषित हैं, वही ग्रथं होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### अमुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 16 महीना श्रप्रैल 1976 को रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी फरीदकोट में लिखा है।

> वी० श्रार० सगर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज श्रमृतसर

तारीख: 13-12-1976

श्ररूप माई० टी० एन० एस०-

यायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज ध्रमुतसर

म्रमृतसर, दिनांक 13 दिसम्बर, 1976

निदेश सं० एफ०डी ०के०/93/76-77—यतः मुझे भी० श्रार० सगर

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पम्चात् 'उक्त म्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के म्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित जिसका, उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से म्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० धरती है तथा कोटकपूरा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, फरीदकोट में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रप्रल 1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्राह्मिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिक्षे (अन्तरिक्तयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपघारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:—

- शो गुरमेल सिंह गुरबचन सिंह, मेजर सिंह, हरबंस सिंह, नाजिर सिंह, सुमुद्रान निरंजन सिंह गांव कोटकपूरा कोठी वारिंग, डाकखाना कोटकपूरा (ग्रन्तरक)
- मैसर्ज आसा सिंह काटन फैकटरी कोटकपूरा (ग्रन्तिरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किरायेदार यदि कोई हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
- कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुची रखता है।
   (व

(वह व्यक्ति, जिन के बारे में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपद्म में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

### अमुसूची

धरती जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 17 श्रप्रैल 1976 को रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी फरीदकोट में लिखा है।

> वी० ग्रार० सगर सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज श्रमृतसर

तारीख: 13-12-1976

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०—

ष्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 13 दिसम्बर, 1976

निदेश सं० मोंगा/94/76-77—यतः मुझे वी० ग्रार० सगर

भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उवत श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से भ्रधिक है

स्रौर जिसकी सं० धरती का टुकड़ा है तथा जो तहसील रोड मोगा में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, मोगा में रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख स्रप्रैल, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उवत अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रधिनियम' या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः भ्रब, उन्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उनत श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थातः ---3---396GI/76

- गुरतेज सिंह सपुत्र श्री गाजिन्द्र सिंह सपुत्र श्री राजिन्द्र सिंह वासी भाई रोली मोगा (ग्रन्तरक)
- 2. करतार सिंह रामगड़ीया सपुत्र श्री सुन्दर सिंह सपुत्र श्री जगत सिंह मोटर इन्जीनियरिंग वक्स तहसील रोड मोगा (अन्तरिती)
- जैसा कि नं० 2 में है तथा किरायदार यदि कोई हो।
   (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पति है)
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पित में कची रखता हो।
  (वह व्यक्ति, जिनके बारे
  में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता
  है कि वह सम्पित में
  हिनबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ध्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बंधी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यवितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितब ब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त ग्रब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

# अनु सूची

धरती का टुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 197 श्रप्रैल, 1976 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी मोगा में लिखा है।

> वी० भ्रार० सगर सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज श्रमृतसर

तारीख: 13-12-1976

### प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०-

ध्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के श्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज अमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 13 दिसम्बर, 1976

निदेश नं० एम०जी०ए०/95/76-77---यतः मुझे वी०श्रार० सगर

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृश्य 25,000/— स्पण् से श्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं धरती है तथा जो गांकी रोड़ मोगा में स्थित है (श्रीर इसमे उपावढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय मोगा में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख श्रप्रैल, 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्रत श्रिधक है श्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितयों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य में उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों की जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रंधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रंधिनियम, या धन-कर ग्रंधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः ग्रव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थातः—

- भीषम देव, प्यारे लाल, प्रेम प्रकाण श्रोम प्रकाण सुपृत श्री हंस राज सुपृत्न श्री प्रिथी मल वासी मोगा मंडी । (अन्तरक)
- श्री हरबन्स लाल सुपुत्र श्री किरत राम सुपुत्र श्री सीता राम, मालवा हौजरी गांधी रोड़ मोगा (श्रन्तरिती)
- जैसा कि नं० 2 में है तथा किरायेदार यदि कोई हो तो (वह व्यक्ति, जिसके श्रिक्षोग में सम्पति है)
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पित में रुची रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे म श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पित में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं। वहीं अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 66 श्रप्रैल 1976 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी मोगा में लिखा है।

> वी० ग्रार० सगर, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज श्रमृतसर

तारीख: 13-12-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

भ्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज श्रमृतसर

श्रमतसर, दिनांक 15 दिसम्बर, 1976

निदेश नं० एफ०जैंड०आर०/98/76-77—यतः मुझे वी० भ्रार० सगर

प्रायकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स श्रिधिनियम' वहा गया है), की धारा 269 ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास वरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से श्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं जमीन है तथा जो गांव पचावली में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावद अनुसूची में श्रांर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, फाजिल्का में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख अप्रेल, 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से श्रिधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उनत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त श्रधिनियम के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उपत भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः ग्रब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269 ग के श्रनुसरण में, मै उक्त श्रधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित ध्यक्तियों, श्रक्ति:——

- वालू राम पुत्र श्री कर्म चन्द, गांव पंचावली मार्फत श्री मुंशी राम दत्तक पुत्र श्री नत्थु राम फाजिलका (ग्रन्तरक)
- 2. श्री खैराती लाल पुत्र श्री लाभ चन्द, अबोहर । (अन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 पर है, किरायेदार यदि कोई हो तो (बह व्यक्ति, जिसके श्रिक्षमोग में सम्पत्ति है)
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बार में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सृचना के राजपल में प्रकाशन की तार्रीख से 45 विन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति डारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी खंसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उनत श्रधिनियम के ऋध्याय 20 क मे परिभाषित है, वही श्रथं होगा जो उस श्रध्याय मे दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 271 श्रप्रैल 1976 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी फाजिल्का में लिखा है।

> वी० श्रार० सगर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज ग्रमृतसर

तारीख: 15-12-76

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०---

श्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निर्मक्षण) ऋर्जन रेंज श्रमृतसर

श्रमृतसर-16, दिनांक 9 दिसम्बर 1976

निदेश नं ०एफ०जेड०के०/97/76-77---यतः मुझे वी० श्रार० सगर, आयकर अधिनियम

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पण्चात् 'उन्नत श्रिधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का बारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से श्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं ० जमीन है तथा जो गांव पंचावली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से में विणित है), रजिस्ट्री-कर्ना श्रिषकारी के कार्यालय, फाजिलका में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन, तारी ख अप्रैं ते 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) भीर अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक हप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रिधिनयम' या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रत: श्रब, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

- वालू राम पत्न श्री कर्म चन्द गांव पंचावली मार्फत श्री मुंशी राम दत्तक पुत्र श्री नव्धु राम, फाजिलका (श्रन्तरक)
- श्री रिवन्द्र कुमार पुत्र श्री कश्मीरी लाल पुत्र श्री कालू राम श्रवोहर । (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 पर है और किराये दार यदि कोई हो। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में स्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पक्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की क्रवधि या तत्संबंधी व्यवितयो पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्पावर सम्पक्ति में हितब के किसी श्रन्य व्यवित द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दो और पक्षो का, जो उक्स ग्रिधिनयम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जमीन जैसा कि राजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 272 अप्रैल 1976 को राजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी फाजिल्का में लिखा है।

> वी० ग्रार० सगर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज श्रमृतसर

तारीख: 15-12-76

प्ररूप आई० टी० एन० एम०--

कायकर शशिवियम, 1961 (1961 का 43 ) की धारा 269 घ (1) के श्रशीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, ग्रमृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 15 दिसम्बर, 1976

निदेश नं० एफ**्**जेड०के० /98/76-77—स्वतः मुझे, बी० स्वार**ः** सगर

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रिधिनियम' यहा गया है), की धारा 269 ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-- रु० से श्रिधिक है

भ्रौर जिसकी सं ० जमीन है तथा जो गांव पंचावली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची म श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रो-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, फाजिल्का में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, श्रश्रैल 1976।

1908 (1908 का 16) के अधान, अप्रल 1976। को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुद्दों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उवत अन्तरण किखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया है:—

- (क) अन्तरण से हुई विसी भ्राय की बाबत उक्त अधिनियम के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रिधिनियम', या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269 ग के धनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा(1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यवितयों, प्रथीत्:—

- 1. श्री वालू राम पुत्र श्री कर्म चन्द पुत्र श्री संता राम, गांव पंचायली (ग्रन्तरक)
- 2. श्री राजपाल पुत्रश्रीनानक चंद ग्रबोहर (ग्रन्तरिती)
- जैसा कि नं० 2 पर है, यदि कोई किरायेदार (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी के पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उबत सम्पत्ति के प्रार्शन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उवत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
  किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिध-नियम के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

### अनु सूची

जमीन जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 275 ग्रप्न ल, 1976 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी फाजिल्का में लिखा है।

> वी० ग्रार० सगर, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज ग्रमृतसर

तारीख: 15-12-76

मोहरः

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०--

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज ग्रम्तमर

ग्रम्तसर, विनांक 15 दिसम्बर, 1976

निदेण नं० फाजिलका / 99/76-77----यतः मुझे वी० स्रार० सगर

भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रिधिक है

स्रोर जिसकी सं० जमीन है तथा जो गांव पंचावली में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रिधकारी के कार्यालय, फाजिल्का में रिजस्ट्रीकरण स्रिधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिपत्त का पन्द्रष्ट प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरित (अन्तरितयो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनयम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्सरक के दायित्व में केमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी झाय या किसी धन या झन्य झास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर झिधनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त झिधनियम' या धन-कर झिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ झन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में. मैं, 'उक्त ग्रधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा(1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्राचीत :—

- 1. श्री वालू राम पत्न श्री कर्म चंद पुत्न श्री संता राम गांव पंचावली (भ्रन्तरक)
- श्री प्रशोक कुमार पुल श्री कश्मीरी लाल पुल श्री कालू राम, भ्रवोहर (भ्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 पर है ग्रौर किरायेदार यदि कोई, (वह व्यक्ति, जिनके ग्रिधभोग में सम्पत्ति
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पित में रु चि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पित में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बधी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्णित व्यवितयों में से किसी व्यवित ब्रारा;
- (ख) इस सूचना के राष्ट्रपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीति र उबत स्थावर सम्पत्ति में हितकाद्ध विसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पर्ध्वीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उन्त ग्रीधनियम के ग्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वहीं ग्रथं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 274 अप्रैल 1976 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फाजिल्का में लिखा है।

> वी० ग्रार० सगर सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज श्रमृतसर

तारीख: 15-12-76

मोहरः

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०---

श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर आय्वत (निरीक्षण) ग्रर्जन रोंज 3 दिल्ली-

नई दिल्ली, दिनांक 15 दिसम्बर, 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/3/एस० आर० 3/अप्रैल/500(2)/76-77/4478—अतः मुझे एम० सी० पारीजा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उवत श्रिधिनियमं बहा गया है) की धारा 269-ख के ध्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से श्रिधक है

प्रौर जिसकी सं० 6464 है तथा जो गली नं० 2-3, ब्लाक नं० 8, देव नगर करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (फ्रौर इससे उपाबढ़ अनुसूची में पूर्व रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-4-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये श्रन्तिग्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथ।पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिपल से ऐसे दृश्यमान प्रतिपल का पन्द्रह प्रतिणत श्रधिक है और श्रन्तरक (श्रन्तरको) और श्रन्तिग्ति (श्रन्तिरितयों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं। किया गया है:----

- (व) इन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उबत श्रधिनियम के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या ध्रन्य ध्राग्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त ध्रिधिनियम' या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किय जाना चाहिए छिपाने में स्विधा के लिए;

ग्रत: भन्न उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-म के श्रनुसरण में, मैं, 'उक्त श्रधिनियम,' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथित:—

- श्रीमती बसन्त कौर वेवः एस० नःथ सिह एफ-5/1 वसन्त विहार, नई दिल्ली (प्रन्तरक)
- 2. श्री हरी चन्द पुत्न श्री दुर्गा प्रसाद निवासी 6551, गली नं० 1, ब्लाक 9-बी, देव नगर, करोल बाग, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उन्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्सम्बधी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदी का, जो उक्त श्रधिनियम के ऋध्याय 20-क भे परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अमुसुखो

मकान नं० 6464 वार्ड नं० 16 जिसका क्षेत्रफल 82 वर्ग गज जो कि ब्लाक नं० 8-बी बाग रायजी, देव नगर ब्लाक नं० 8 गली नं० 2 श्रीर 3, करोल बाग, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से घरा हुग्रा हैं:--

उत्तर—गली श्रौर रास्ता दक्षिण---गली पूर्व---मकान पश्चिम---मकान प्लाट नं० 54 पर

> एम० सी० पारीजा,. सक्षम ऋधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज 3, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीखः 15-12-76

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एम०-----

भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक भ्रायकर प्रायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेन्ज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 18 दिसम्बर, 1976

निदेण सं० सी ०एच० छी ०/20/76-77—स्रत: मुझे ग०प० सिंह श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उन्नत श्रिधिनियम' वहा गया है) की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को. यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25000 /- रुपए से श्रिधिक है

भीर जिसकी सं० एस० सी० भ्रो० प्लाट नं० 829-830 है तथा जो मैक्टर 22-ए चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण ग्रिशिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, मई 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मृख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (श्रन्तरको) और श्रन्तिरती (श्रन्तरितयों) के बीध ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी ध्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम, के ध्रधीन कर देने के ध्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः ध्रव, उक्त ध्रिवियम की धारा 269-ग के ध्रनुसरण में, में, उक्त ध्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ध्रिधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, प्रार्थात :--

- (i) श्री केशो राम पत्न लोडिन्दा राम निवासी मकान नं ० 17. सैक्टर 19-ए, चण्डीगढ़।
  - (i<sup>j</sup>) श्री जय प्रकाश पुत्र श्री जानकी दास निवासी7, टिम्बर मार्कीट, चण्डीगढ़ (श्रन्तरक)
- 2. (i) श्रीमती प्रीतम कौर पत्नी श्री दौलत राम
  - (ii) श्रीमती हरभजन कौर पत्नी श्री रोशन लाल
  - (iii) श्री परणोतम लाल पुत्न श्री दौलत राम, निवासी मकान नं० 2219, सैंक्टर 21-सी, चण्डीगढ़। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्य-बाहियां गुरू करता हं।

उक्त मम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उबत स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्ध्वीकरण:--इसमे प्रयुवत मन्दों ग्रीप पदों का, जो जबत श्रीधिनियम, के श्रध्याय 20-क में पारिभाषित है, टही द्रर्थ होगा, जो इस श्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एस**ः** सी॰ ग्रो॰ प्लाट नं॰ 829-830, सैक्टर 22-ए, **चण्डी**-गढ ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 128 मई, 1976 में रजिस्ट्री-कर्ना श्रिधकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय में लिखा है) ।

> ग० प० सिह, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्ज रेंज चण्डीगढ़

तारीख: 18-12-1976

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

धायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के श्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भण्डीगढ़

चण्डीगढ, दिनांक 18 दिसम्बर, 1976

निर्देश सं० सीएचडी/21/76-77—श्रतः मुझे ग० प० सिंह, ग्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रू० से श्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० 1/5 भाग ट्रांसपोर्ट प्लाट नं० 4 इमारत सहित है तथा जो ट्रांसपोर्ट एरिया चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई, 1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्ध्रह् प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी ध्राय की बाबत उवत ध्रधि-नियम, के ध्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ध्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

- श्री तारा सिंह पुत्र श्री प्रताप सिंह नं० 279, इण्डस्ट्रीयल परिया, चण्डीगढ़। (अन्तरक)
- श्री गुलजार सिंह पुत्त श्री चलीया सिंह, नं० 4, ट्रांसपोर्ट एरिया, चण्डीगढ़।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतवद्वारा कार्यवाहियां करता हूं।

उपत संपत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी धविध धाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की सारीख से 45 धिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पद्दों का, जो उक्त अधिनियम के भ्रध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही भ्रथे होगा, जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

### अनु सूची

1/5 भाग ट्रांसपोर्ट प्लाट नं० 4 इमारत सहित ट्रांसपोर्ट एरिया चण्डीगढ़ ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ०134 मई,1976 में रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय में लिखा है ।)

> ग० प० सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख: 18 दिसम्बर, 1976

# प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ(1) के भ्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्फ रेंज, चण्डीगढ

चण्डीगढ, दिनांक 18 दिसम्बर, 1976

निदेश सं० सी.एच.डी. | 22 | 76-77--- प्रतः मुझे ग० प० सिंह, प्रायकर प्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्नत प्रधिनियम, कहा गया है), की घारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- रु० से प्रधिक है

धौर जिसकी सं० 1/5 भाग ट्रांसपोर्ट प्लाट नं० 4, है तथा जो ट्रांसपोर्ट एरिया चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मई 1976

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोश्वत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निश्निखित उद्देश्य से उश्वत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
  - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रन्थ भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ भ्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अब उनत श्रधिनियम, की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उनत श्रधिनियम, की धारा 269 म की . इपधारा(1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, शर्यातः——

- श्री रण सिंह पुत्र श्री हरनाम सिंह, नं० 279 इण्डस्ट्रीयल एरिया, चण्डीगढ़ (ग्रन्तरक)
- 2. श्री शिव कुमार पुत्न श्री बालक राम, नं० 4, ट्रांसपोर्ट एरिया, चण्डीगढ़। (ग्रन्सिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीलर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में
  हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्दों भ्रौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही धर्थ होगा, जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

### अमु सूची

1/5 भाग ट्रांसपोर्ट प्लॉट नं० 4 इमारत सहित ट्रांसपोर्ट एरिया चण्डीगढ़।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 135 मई 1976 में रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय में लिखा है।)

> ग० प० सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारी**ख**: 18 दिसम्बर, 1976

मोहर ;

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 18 दिसम्बर, 1976

निर्देश सं० सी.एच.डी. | 23 | 76-77---श्रतः मुझे गर्ं पर्णसह, श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त श्रधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ध के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 | रू० से श्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 1/5 भाग प्लाट नं० 4, इमारत सहित है तथा जो ट्रांसपोर्ट एरिया चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़, में राजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख, मई 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) श्रम्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबट उक्त भ्रिधिनियम, के भ्रिधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिस्य में कभी करने या जससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी विसी द्याय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रब उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के ग्रधीन व्यक्तियों, ग्रथीत् :—

- 1. श्री प्रजीत सिंह पुत्र श्री फुमन सिंह नं० 279, इण्डस्ट्रीयल एरिया, चण्डीगढ़। (श्रन्तरक)
- 2. सर्वश्री
  - [(i) शिव कुमार शर्मा पुत्र श्री बालक राम
  - (ii) गुलजार सिंह पुत्र श्री रुलिया सिंह
  - (iii) बचन सिंह पुत्र श्री चन्दन सिंह
  - (iv) श्री जय नारायण पुत्न श्री लखी राम निवासी नं० 4, ट्रांसपोर्ट एरिया, चण्डीगढ़ । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपल्ल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीखासें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पन्डीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उमत श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में विया गया है।

### अनुसूची

1/5 भाग प्लाट नं० 4 इमारत सहित ट्रांसपोर्ट एरिया चण्डीगढ ।

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत के विलेख नं० 136 मई, 1976 में रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय में लिखा है)।

> ग० प० सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 18-12-76

भारत सरकार कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 18 दिसम्बर, 1976

निर्वेण सं०सी.एच.डी./34/76-77—प्रतः मुझे ग०प० सिंह, प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उबत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है भौर जिसकी सं० 1/4 भाग प्लाट नं० 4 इमारत सहित है तथा जो द्रांसपोर्ट एरिया, चण्डीगढ़ म स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण, श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख जुलाई, 1976

क ग्रधान, ताराख जुलाइ, 1976
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह्
प्रतिश्वात से ग्रधिक है ग्रौर ग्रन्तरक (ग्रन्तरक) ग्रौर ग्रन्तरिती
(ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में
वास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनयम, के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर /या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या धन्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर घाधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घाधिनियम, या धन-कर घाधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव, उक्त ध्रिधिनियम की धारा 269-ग के ध्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपद्यारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

- श्री शिव कुमार पुत्र श्री बालक राम शर्मा नं० 4, ट्रांसपोर्ट एरिया, चण्डीगढ़ (श्रन्तरक)
- 2. सर्वश्री
  - (i) चमन लाल पुत्र श्री श्रमर दास निवासी मकान नं० 3381, सैक्टर, 27-डी, चण्डीगढ़
  - (ii) गुरदेव सिंह पुत्र श्री बचन सिंह, निवासी नं० 279, इण्डस्ट्रीयल एरिया, चण्डीगढ़।
  - (iii) श्रीमती जसवंत कौर पत्नी श्री गुलजार सिंह, निवासी नं० 691, इण्डस्ट्रीयल एरिया चण्डीगढ़। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के फ्रार्जेन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपल्ल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यवितयो पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटिकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

1/4 भाग प्लाट नं० 4 इमारत सहित इण्डस्ट्रीयल एरिया चण्डीगढ़।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 288 जुलाई, 1976 में रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय में लिखा है।)

> ग० प० सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज; चण्डीगढ़

तारीख: 18-12-1976

मोहरः

प्ररूप भाई० टी० एन० एस० ---

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 18 दिसम्बर, 1976

निदेश सं ० एस ० एन ० जी ० / 1 / 76-77— ग्रतः मुझे ग० प० सिंह, धायकर श्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का नारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से ग्रिधिक है,

श्रौर जिसकी सं ० भूमि क्षेत्रफल 6 बिघे 1/4 बिस्वे है तथा जो गांव तन्गा तहसील श्रौर जिला संगरूर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, संगरूर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए, श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है और श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रौर श्रन्तरिता (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी विसी धाय या विसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था याकिया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रमुसरण में, मैं उक्त श्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत्:——

- सन्त नाहर सिंह, चेला सन्त ग्रतर सिंह, निवासी मस्तुमाना,
   जिला संगरूर । (ग्रन्तरक)
- श्री प्रवतार सिंह पुत्र श्री बखशीश सिंह जट्ट गांव दुन्गा तहसील श्रौर जिला संगरूर। (ध्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उमत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की खनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अन्धि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण--इसमें प्रयुक्त मब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 6 बिघे 1/4 बिस्वे खाता नं० 13/43, 44, 46 खसरा नं० 76/2-0 मिन, 77/2-0 मिन, 339/1-11,1001/413/2-17, 340/3-18, 341/1/0-10, 356/3-16, 357/4-0, 78/1/0-16 मिन, खाता नं० 59/123/127, खसरा नं० 80/1-3 मिन 78/2/0-16 श्रीर 79/0-14 मिन, जोकि गांव तुन्ना तहसील श्रीर जिला संगरूर में स्थित है।

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत के विलेख नं० 133 मई 1976 में रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी संगरूर के कार्यालय में लिखा है।)

> ग० प० सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेंन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख: 18-12-1976

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०--

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, विनांक 18 दिसम्बर, 1976

निदेश सं०एस०एन०जी०/2/76-77—म्नत: मुझे ग०प० सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र० से अधिक है

भौर जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 6 बिघे 1/4 बिस्वे है तथा जो गांव तुन्गा तहसील भौर जिला संगरूर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, संगरूर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, मई, 1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत अधिक है भीर श्रन्तरक (अन्तरकों) भीर श्रन्तरिती (श्रन्तरित्तयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्रायकी बाबत उक्त ग्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निखिस व्यक्तियों, ग्रथीत्:—

- सन्त नाहर सिंह चेला सन्त भ्रतर सिंह निवासी मस्तु भ्राना, जिला संगरूर (भ्रन्तरक)
- 2. श्री मुख्तयार सिंह पुत्र श्री बखणीण सिंह, निवासी दुन्गा तहसील श्रीर जिला संगरूर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के प्रजीन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख सें
  45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
  की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि
  बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों
  में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

6 बिघे 1/4 बिस्वे भूमि खाता नं 0.13/43, 44, 46 खसरा नं 0.76/2-0 मिन 0.77/2-0, मिन 0.339/1-11, 0.10/413/2-17, 0.340/3-18, 0.341/1/0-10, 0.356/3-16, 0.357/4-0, 0.78/1/0-16 मिन, खाता नं 0.59/123, 0.127, खसरा नं 0.80/1-3 मिन, 0.78/2/0-16 0.79/0-14 मिन जोकि गांव तुना। तहसील और जिला संगरूर में स्थित है ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 134 मई, 1976 में रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी संगरूर के कार्यालय में लिखा है।)

> ग० प० सिंह, सक्षम प्राधिकारी स्रहायक स्रायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख: 18-12-1976

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) वे श्रधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ, दिनांक 18 दिसम्बर, 1976

निदेश सं०एस०एन०जी०/3/76-77—- ग्रतः सुझे ग० प० सिंह, ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचान 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 खं के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास वरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से ग्रिधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 12 बिघे 1/2 बिस्वे है तथा जो गांव तुन्गा, तहसील ग्रीर जिला संगरूर में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, संगरूर में, रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मई, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिभात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वारतिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी द्याय की बाबत, उक्त द्यधिनियम के प्रधीन कर देने के ध्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी द्याय या किसी घन या घन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय धाय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर धिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए।

श्रत: श्रव, उवत श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उवत श्रधिनियम, की धारा 269 ध की उपद्यारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात: ----

- सन्त नाहर सिंह, चेला सन्त ग्रतर सिंह, निवासी मस्तुभाना जिला संगरूर । (ग्रन्तरक)
- श्री सन्सार सिंह पुत्र श्री बखशीण सिंह जट्ट गांव तुन्गा, तहसील श्रौर जिला संगरूर। (श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उवत सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीसर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पक्षों का, जो 'जक्त श्रधिनियम', के श्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अमुस्धी

भूमि क्षेत्रद्धल 12 बिघे 1/2 बिस्वे खाता नं 0.13/43, 44, 46 खसरा नं 0.76/2-0 मिन, 0.77/2-0, मिन, 0.339/1-11, 0.001/413/2-17, 0.340/3-18, 0.341/1/0-10, 0.356/3-16 0.357/4-0, 0.78/1/0-16 मिन, खाता नं 0.59/123, 0.127, खसरा नं 0.80/1-3 मिन, 0.78/2/0-16, 0.79/0-14 जो कि गांव तुना तहसील और जिला संगरूर में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 136 मई, 1976 में रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी संगरूर के कार्यालय में लिखा है।)

> ग० प० सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख: 18-12-1976

प्ररूप माई० टी० एन० एस०-

ग्नायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के ग्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

#### म्रर्जन रेंज 1 मद्रास

चण्डीगढ़, दिनांक 18 दिसम्बर, 1976

निदेश सं० बी०एन०एल०/1/76-77—श्रतः सुझे ग० प० सिंह, धायकर श्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उबत श्रिधिनयम' कहा गया है), की घारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— स्पए से श्रिधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 4 कनाल है तथा जो गांच धनौला कलां तहसील बरनाला जिला संगरूर, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय बरनाला में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रप्रैल, 1976 पूर्वोंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रविफल से ऐसे पृथ्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत श्रिधक है श्रौर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रौर श्रन्तरिती (श्रन्तरितयों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई फिसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अज, उक्त भिधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्निक्षित व्यक्तियों, प्रणीत्:—

- श्रीमती जीत कौर पुत्री श्री क्लिया सिंह द्वारा श्री राजिन्द्र सिंह पुत्र श्री नारायण सिंह निवासी गांव धनौला कलां, तहसील बरनाला, जिला संगरूर । (श्रन्तरक)
- 2. सर्वश्री जीत सिंह श्रौर हाकम सिंह पुत्र श्री गंडा सिंह गांव धनौला कलां, तहसील बरनाला जिला संगरूर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की ग्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिदारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनयम के श्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

कृषि भूमी क्षेत्रफल 40 कनाल जिसका खाता नं० 1145 मुसततील नं० 259, किला नं० 2053

$$\frac{7}{2}$$
,  $\frac{8}{2}$ ,  $\frac{9}{2}$ ,  $\frac{11}{2}$ ,  $\frac{12}{5-16}$ ,  $\frac{13}{5-16}$ ,  $\frac{5-16}{6-12}$ ,  $\frac{12}{8-0}$ ,  $\frac{13}{8-0}$   
जमाबन्दी 1973-74 जोकि गांव धनौला कलां, तहसील बरनाला  $\frac{1}{8}$ 

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 104 श्रप्रैल, 1976 में रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी बरनाला के कार्यालय में लिखा है।)

> ग० प० सिंह, सक्षम प्राघिकारी सहायक घायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 18-12-1976

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०---

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रजैन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 18 दिसम्बर 1976

निदेश सं० बी०एन०एल०/2/76-77— झत: मुझे, ग० प० सिंह, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269 ख के अधीम सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० कृषि भूमि क्षेत्रफल 38 कनाल 7 मरले है तथा जो गांव धनौला कलां, तहसील बरनाला (संगरूर) में स्थित है (और इससे उपावस अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बरनाला में, राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख, अप्रैल 1976

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तिरत की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तिरती (धन्तरितयों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनयम के ग्रिधीन कर दैने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी झाय या किसी धन या घन्य झास्तियों, को जिन्हें भारतीय झायकर झिंबिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स झिंबिनियम, या धन-कर झिंबिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ झन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रम, उस्त भ्रधिनियम की धारा 269 ग के श्रनुसरण में, में, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269 ज की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नितिश्चित व्यक्तियों, अर्थात्:—
5—396 जी अर्थि / 76

- श्रीमती जीत कौर पुत्री श्री क्लिया सिंह द्वारा श्री राजिन्द्र सिंह पुत्र श्री नारायण सिंह निवासी गांव श्रौर डाकचर धनौला कलां, तहसील बरनाला जिला संगरूर । (श्रन्तरक)
- 2. श्री गन्डा सिंह पुन्न श्री नारायण सिंह गांव ग्रौर डाकघर धनौला कलां, तहसील बरनाला, जिला संगरूर । (धन्तरिक्षी

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी घाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घवधि, जो भी घवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों शौर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमाबन्धी 1973-74 है जोकि गांव धनौला कलां, तहसील बरनाला जिला संगरूर में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 105 श्रप्रैल, 1976 में रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के बरनाला के कार्यालय में लिखा है।)

> ग० प० सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख: 18-12-1976

मोहरः

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

न्नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर झायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 18 दिसम्बर 1976

निदेश सं० बी जी आर/3/76-77—ग्रतः मुझे, ग०प० सिंह, ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उवत ग्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269 ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र० से ग्रिधिक है

मौर जिसकी सं० प्लाट नं० 84, डी० एल० एफ० इण्डस्ट्रीयल इस्टेट नं० 1 है तथा जो मेवला महाराजपुर, फरीदाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में झौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, बल्लबगढ़ में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख, श्रप्रैल 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख
के भ्रनुसार भ्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके

दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रहें प्रतिशत से श्रीधक है और श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्त-रितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उपत श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों शर्थात्:—

- मुख्य अधिकारी मै० स्टील फैबरीकेशन एण्ड कंस्ट्रकशन कम्पनी फरीदाबाद । (ग्रन्सरक)
- मुख्य श्रिकारी मै० पीपल्ज पश्वलिणिंग हाऊस प्राईवेट लिमिटेड 5-ई, रानी झांसी रोड, नई दिल्ली-13। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ऋर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उवत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध विसी श्रन्थ व्यवित द्वारा, श्रद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों झौर पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के झध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा, जो उस झध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट नं० 84, क्षेत्रफल 2488.75 वर्गमीटर जोकि डी० एल० एफ० इण्डस्ट्रियल इस्टेट नं० 1, मेवला महाराजपुर फरीदाबाद में स्थित है। और जिसकी सीमाएं निम्नलिखित हैं।

उत्तर-नाला भौर सर्विस लेन

धक्षण—सङ्क

पूर्व---प्लाट मं० 85

पश्चिम--प्लाट नं० 83

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 401, श्रप्रैल, 1976 में रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी बल्लबगढ़ के कार्यालय में लिखा है।)

> ग० प० सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख: 18-12-1976

मोहर ;

# प्ररूप धाई०टी० एन० एस०--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के श्रधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, विनांक 18 दिसम्बर 1976

निदेश सं० एचएसग्रार/3/76-77—श्रतः मुझे, ग० प० सिंह, ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत ग्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रुपए से ग्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 5 कनाल 11 मरले है तथा जो 6 किलोमीटर सटोन के नजदीक दिल्ली रोड़ हिसार में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय हिसार में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1976
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों)और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

ग्रतः भव, उक्त भिधिनियम की घारा 269म के अनुसरण में, मैं, उक्त भिधिनियम की घारा 269 घ की उपघारा (1) के अधीन, निम्निखित व्यक्तियों, भर्यात्:—

- 2. सर्वश्री (i) श्रोंकार मल्ल पुत्र श्री तनसुख राय
  - (ii) सतीम कुमार पुत्त श्री राम रिष्ठपाल
  - (iii) देविन्द्र कुमार पुत्र श्री भोंकार मल्ल, ग्रौर
  - (iv) श्रीमती सन्ध्या पत्नी श्री राजिन्द्र प्रशाद निवासी विल्ली रोड़, हिसार । (ग्रन्तरक)
- 2. श्री बलबीर सिंह गोयल, पुत्र श्री रमेश्वर दास निवासी 24-बब्रीकेश्वर, 88-मेरीन डाईव, बम्बई-2 । (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की ध्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की ध्रविध, जो भी घ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रिधिनयम के श्रध्याय 20 क में परिभाषित है, वही श्रथं होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

जोिक 6 किलोमीटर सटोन के नजदीक दिल्ली रोड़ पर हिसार में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 255 मई, 1976 में रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी हिसार के कार्यालय में लिखा है।)

> ग० प० सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख: 18-12-76

### प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269ष(1) के श्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ

चण्डीगढ़, दिनांक 18 दिसम्बर, 1976

निदेश सं०हिसार/4/76-77:—श्रतः मुद्दो, ग० प० सिंह, भायकर श्रिष्ठिनयम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिष्ठिनयम' कहा गया है) की धारा 269-खं के श्रिष्ठीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रिष्ठिक है

श्रीर जिसकी सं० सम्पत्ति जोकि मित्तल (रबड़) इण्डिया के नाम [से जानी जाती है में इमारत है तथा जो 6 किलोमीटर सटोन के नजदीक दिल्ली रोड, हिसार में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, हिसार में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख मई, 1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबस उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

द्यतः भव, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनु-सरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधार (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथित्:—

- 1. सर्वश्री
- (i) फ्रोंकार मल्ल पुत्र श्रीतनसुख राय,
- (ii) सतीश कुमार पुत्र श्री राम रिख्याल,
- (iii) श्रीमति सन्धया पत्नी श्री राजेन्द्र प्रशाद,
- (iv) महादेव प्रशाद पुत्र श्री रमेशवर दास,
- (v) सतीश कुमार पुत्र श्री पूर्ण मल्ल,
- (vi) विजय कुमार पुत्र श्री पूर्ण मल्ल,
- (vii) श्रीमति गोमती देवी पत्नी श्री महादेव प्रणाद,
- (viii) श्रीमित विद्या देवी पत्नी श्री राज कुमार,
  - (ix) श्री देवेन्द्रकुमार पुन्न श्री ओंकार मल्ल, सभी निवासी दिल्ली रोड, हिसार। (ग्रन्तरक)
  - 2. श्री बलबीर सिंह गोयल पुत्र श्री रमेशवर दास, निवासी 24, बद्रीकेशवर, 88, मैरिन ड्राईव, बम्बई-2। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपर्शि के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की ध्रवधि या तत्संबंधी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रवधि, जो भी ध्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर संपत्ति में हितबद किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिट में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पद्दों का जो उम्त श्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में विथा गया है।

# अमुसूची

सम्पत्ति जोिक मित्तल (रबड़) इण्डिया के नाम से जानी जाती हैं में सभी इमारतें जिन में कार्यालय बराम्दा सिंहत, 24 मजदूरों के मकान, दो फैक्टरी गैंड, ग्रैंड के लिए बनी हुई श्रपूर्ण चार दिवारी, सारे प्लाट की चार दिवारी श्रोर भीतर जाने के लिए गेट हैं श्रोर जोिक 6 किलोमीटर सटोन के नजदीक दिल्ली रोड हिसार में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 256 मई 1976 में रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी हिसार के कार्यालय में लिखा है।)

> ग० प० सिंह, स**क्षम प्राधिकारी** सहायक **धायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख: 18 विसम्बर, 1976.

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) के श्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बंबई, दिमांक 15 दिसम्बर 1976

निर्वेश सं० ग्रई-4/ए० पी०-239/76-77:—-म्रतः, मुझे, जी० ए० जेम्स्,

आयकर श्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रिधिक है

श्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 82, पुरानी है, जो प्लाट सं० 17, नई प्लाट सं० 31 में बसोसा व्हीलेज में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध भ्रमुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 8-4-1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उघित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) ौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबस, उक्त श्रिधिनियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27), के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः ग्रव, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-थ की उपद्यारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात्:— 1. मैं व बेस्टर्न रोलिंग मिल्स प्रा० लि०, के पारिख हाउस, 47, पी० डिमेलो रोड़, बम्बई-400009.

(भ्रन्तरक)

 मै० बम्बई वेयर हाउसिंग कं० प्रा० लिमिटेड, के० पारीख हाउस, 47 पी० डिमेसी रोड़, बम्बई-400009.

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्त्ति के म्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्स सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचमा के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचमा की तामील से 30 दिम की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे ।

हपष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पद्यों का, जो उक्त श्रिष्टिनियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

अविभाजित आधा हिस्सा जमीन का वह तमाम दुकड़ा जिसका पुराना प्लाट नं० 17 व नया प्लाट नं० 31, सर्वे नं० 82, गांव वसोवा, तालुका—अंधेरी, बृहत् बम्बई है जो माप में 4334 वर्गगज (3623 वर्गमीटर है), है, भूराजस्व कलैक्टर के रिकार्ड में सर्वे नं० 82 व म्यूनिसिपल रेट्स व टैक्सेज के कलक्टर के रिकार्ड में जी-वार्ड नं० 7130 व स्ट्रीट नं० 31 के अंतर्गत दर्ज है तथा इस प्रकार घरा हुआ है कि:—पूर्व की ओर वसोंवा नामक रोड़, पश्चिम की ओर सागर किनारा, उत्तर की ओर प्लाट नं० 62 और दक्षिण की श्रोर प्लाट नं० 80 है।

जी० ए० जेम्स् सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 15 विसम्बर, 1976

## प्ररूप माई० टी० एन० एस०--

# श्रायकर श्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की घारा 2698 (1) के श्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 दिसम्बर, 1976

निर्देश सं० आई०-1/1597-2/श्रप्रैल, 76:——श्रतः, मुझे, इही० ग्रार० श्रमीन,

म्रायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' वहा गया हैं), की धारा 269—ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-इ० से भ्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 226 हा० सं० 3 है, जो बांद्रा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्र-कर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन 1-4-1976 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रिष्ठक है श्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित से सिथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त आध-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात्:---

- 1. प्रोव्हीडंड इन्वेस्टमट कं० प्रा० लि०। (अन्तरक)
- 2. झेपर को० ग्राप० हा० सो० लि०। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

जक्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
  की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि
  बाद में समाप्त होती है; के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों
  में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तार्राख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
  किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयक्त भव्दों भीर पदों का, जो उस अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं धर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया था।

## अनु सूची

पहले:—सरकारी पट्टे की जमीन का वह तमाम टुकड़ा या भाग, उस पर खड़ी वाड़ी किराए के भ्रावास या निवास घर सहित, जिसे बालमोरल हाल के नाम से जाना जाता है, जो बांद्रा में बम्बई उपनगर जिले में भौर बांद्रा उप-रजिस्ट्री जिल में भौजूद पड़ा र माप से तीन हजार पांच सौ भ्रठतर (3578) वर्गगज बरावर 2991.63 वर्ग मीटर या कुछ कम ज्यादा हो, भ्रौर ठाणे के कलेक्टर के यहां जमा किसी रजिस्टर में विशेष रूप से गैर-कृषि सर्वे नं० 187 बतौर दिखाया गया है, तथा इस प्रकार घरा हुम्ना है यानी दक्षिण की भ्रोर दिनशां उलास की संपत्ति, उत्तर की भ्रोर पस्टनजी गोदीवाला की संपत्ति पूर्व की भ्रोर ग्रंभत दिनशां उलास की सपत्ति भीर ग्रंभत: डेग मैनवेल जैसिन की संपत्ति, पश्चिम की भ्रोर हिल रोड़ है।

दूसरे:—जमीन का वह तमाम टुकड़ा या भाग जो बांद्रा में हिल रोड़ पर, बांद्रा उप रिजस्ट्री जिले में, और बम्बई उपनगर जिले में मौजूद है, भाप से एक हजार एक सी सत्तानवें (1197) वर्ग गज या उसके श्रासपास कुछ कम ज्यादा हो, श्रौर रिवीजन सर्वे० नं० 22 पुराना सर्वे नं० 280 है तथा इस प्रकार घिरा हुग्ना है कि उत्तर की श्रोर श्रंशत: डग मैनवल जेचिन की संपत्ति श्रौर श्रंशत: पांवल घोसल की, दक्षिण की श्रोर श्रंशत: दिनशा डलास बकील की संपत्ति श्रौर श्रंशत: पेस्टनजी श्रसावेंद की पूर्व की श्रोर डा० सौज माहिमवाला की संपत्ति तथा पण्चिम्न की श्रोर वह संपत्ति है जिसका वर्णन यहां उपर किया जा चका है।

तीसरे:--जमीन या मैंदान का वह तमाम टुकड़ा या भाग, उस पर खड़े पेड़ों सहित, जो बांद्रा श्रौर बम्बई उपनगर जिले में मौजूद पड़ा हुश्रा है, जो राजस्व के ठीक किए हुए रिकाडों के श्रनुसार 17 गुंठा (2057 वर्गगज थानी 1720 वर्गमीटर के बराबर) या उसके श्रासपास है श्रौर जिसका सर्वोंनं 0 226 हिस्सा नं 0 3 है।

व्ही ग्रार० ग्रमीन, सक्षम प्राधिकारी सष्टायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण)

तारीख: 15-12-1976

म्रर्जन रज-I, बम्बई ।

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०---

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध(1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-1 बम्बई,

बम्बई, दिनांक 15 दिसम्बर 1976

निदेश सं० ग्र०ई०1/1605-10/ग्राप्रैल, 76:--- श्रतः मुझे, व्ही० भ्रार० भ्रमीन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य, 25,000/- रुपये से श्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० सी० एस० सं० 362 मलबार श्रौर कंबाला हील डिवीजन है तथा जो नैपियन सी रोड में स्थित है (ग्रीर इसके उपाबद्ध ग्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्दीकरण श्रिधनियम, 1908

(1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 14 भ्रप्रैल, 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के धृष्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विण्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है ग्रीर श्रन्तरक (अन्तरको) भौर अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देण्य से उनत ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या मन्य म्नास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर घिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

भ्रत: भव, उक्त भन्निनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उस्त ग्रिधिनियम की धारा 269-<del>प</del> की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रश्रीत:--

- 1. दि० ग्रेट इस्टर्न शिपींग कं० लि० (भ्रन्तरक)
- 2. दि ग्रेट इस्टर्न कं० हा० सो० लि० (भ्रन्तरिती)
- 3. निम्नतिरिक्त:----

किरायेदारों के नाम

- श्री न्नानंद झवेरी भौर कुमारी शामा साराभाई
- 2. श्री मुराड वाय् ० फाझलभाई

- 3. कुमारी नसरीन वाय् फाझलभाई
- श्री मुलचन्द मनीलाल शाह श्रीर श्रीमती सुशीला मुलचंद शाह ।
- 5. श्री प्रवीणचन्द्र पी० ठक्कर
- श्री सुमन्त व्ही० चंदावरकर श्रीर श्रीमती सुमन एस० चंदा-
- लेडी वत्सलाबाई चंदावरकर
- श्रीप्रेमकुमार कपूर और श्रीमती कीरणपी० कपूर
- श्री पुरणचंद सी० मेहरा
- 10. श्री रशीकलाल जयन्तीलाल मेडीया
- 11. श्री सुखलाल एस्० पारेख
- 12. श्री संजीव मुखर्जी
- 13. श्री शाम डी० भोटाशा
- श्रीमती उमा धवण
- 15. श्री प्रणच एन्० पारीख
- 16. श्री शीतल प्रशाद जैन, श्रीमती प्रमोद जैन श्रौर श्री मुकुल जैन ।
- डा० के० रघुराम शेट्टी और श्रीमती शालीनी ग्रार० शेट्टी ।
- 18. श्री श्रशोक बी० गरवारे श्रीर श्रीमती सुश्मा ए० गरवारे।
- 19. श्री मंगलदास ग्रार० कापडीया ग्रीर श्री राजेश एम० कापडीया
- 20. डा० रणजीत नानुभाई मजुमदार
- 21. श्री श्रनील चीनुभाई कीलाचंद
- 22. श्रीमती लज्जा मलहोत्रा श्रीर श्री व्ही० पी० मलहोत्रा
- 23. डा० चंद्रकान्त जी० सरय्या श्रीर श्रीमती श्रंमी सरटया
- 24. श्री बीपीन एम० पटेल श्रौर श्रीमती सुधा बी० पटेल
- 25. श्रीमती सोना मलहोता ग्रीर श्री सुरीन्दर नाथ मलहोता
- 26. श्री ब्रीज मोहन खन्ना
- 27. श्री शीव कुमार खन्ना
- 28. श्री हर्षद फुलचंद शेट
- 29. श्रीमती वीना मलहोत्रा भ्रौर मीस्टर श्रार० के० मलहोत्रा
- 30. श्री वेदप्रकाश श्रग्रवाल ।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भवधि या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रश्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों छीर पदो का, जो उक्त प्रधि-नियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्ष होगा, जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

## अमुसूची

पहले:—जमीन का वह तमाम टुकड़ा या भाग उस पर खड़ी इमारतों ां सहित, जो निपयन रोड़, मलबार हिल पर, बम्बई नगर भ्रोर रिजस्द्री उप-जिले में मौजूद है, जो माप में 5149 बगमीटर या उसके भ्रासपास है, जिसका नया सर्वे० नं० 4/7166 है भ्रोर कैंडेस्ट्रल सर्वे ०नं० 362, मलबार व कम्बाला हिल डिवीजन है तथा म्यूनिसिपल रेट्स व टैक्सेज के श्रसेसर व कलेक्टर द्वारा डी० वार्ड नं० 3277 (1) व 3277 (2) भीर व स्ट्रीट नं० 13-15 भीर 11 तथा 10 नैपियन रोड़ के अंतर्गत निर्धारित होता है भ्रोर इस प्रकार थिरा हुआ है कि उत्तर की भ्रोर एक रास्ता, पूर्व की भ्रोर एक० ई० एच० निजाम भ्राफ हैदराबाद की सम्पत्ति, दक्षिण व पश्चिम की भ्रोर पूर्वोक्त नेपियन रोड ।

दूसरे:— जमीन का वह तमाम द्कड़ा या भाग उस पर की हमारतों व ढांचों सहित, जो नैपियन रोड़, मलबार हिल पर, बम्बई नगर और रिजस्ट्री उप-जिले म मौजूद है, माप में 256 वर्ग मीटर या उसके आसपास और नया सर्वे नं० 1/7168 व कैंडेस्ट्रल सर्वे० नं० 1/358, मलबार व कम्बाला हिल डिबीजन है तथा म्यूनिसिपल रेट्स व टैक्सेज के असेसर व कलेक्टर द्वारा डी०-वार्ड० नं० 3271 पहले स्ट्रीट नं० 19 मौजूदा स्ट्रीट नं० 14 है नैपियन रोड़ के अंतर्गत निर्धारित होता है और इस प्रकार घरा हुआ है कि, उत्तर ी ोर नैपियन रोड़ और उसके आगे वह सम्पत्ति जिसका वर्णन उपर किया गया है, पूर्व की और सर काबसजी जहांगीर की कुछ सम्पत्ति है, दक्षिण की ओर पानी का नाला और पश्चिम की ओर बाई धनबाई की वसीयत के ट्रस्टियों की सम्पत्ति है।

व्ही० श्रार० ग्रमीन, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 15 दिसम्बर 1976

मोहर:

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-1 बम्बई

बम्बई, विनांक 15 विसम्बर 1976

निर्वेश सं० ग्रई-1/1607-12/ए० एन०-76: --- ग्रतः, म्झे, क्ही० ग्रार० ग्रमिन, आयकर

प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपिस, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- ३० से ग्रधिक है श्रौर जिसकी सं०सी०एस०नं०1/724और 1/738 मलबार तथा कंबाला [हिल] डिव्हीजन कारमाइकेल रोड़ में स्थित है (ग्रीर इसके उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 14 प्रप्रैल, 1976 को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपक्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है ग्रीर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (ग्रन्त-रितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उपत श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दारित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

- श्री बाईचंदा बायी बी० वागा श्रीर शंकरलाल रामनाथ दागा । (श्रन्तरक)
- 2. ग्रार० जी० बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

(क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धारा,

(ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों झौर पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनु सूची

पैशन भौर टैक्स पट्टेकी जमीन (बेबाक हुई) का वह तमाम दुकड़ा था भाग उस पर खड़े बंगला, बाडियों, किराए के झावासों --- या निवास वरों सहिस, जो कारमाइकेल रोड़ पर, बम्बई फोर्ट के बाहर बम्बई के रजिस्ट्री उप-जिले में मौजूद पड़ा हुन्ना है, जो माप में 2943 वर्ग गज यानी 2460.70 वर्गमीटर के बराबर या उसके भासपास कुछ कम ज्यावा हो सकता है श्रीर भूराजस्व क्लेक्टर के रिकार्ड में नये नं० 2.94.1,पुराने सर्वे नं० 8.1ए, 4.0.5 वर्गगज का एक दुकड़ा है जो उक्त कुल क्षेत्र का भाग है, नये सर्वे नं० 7036 (भाग) भौर कैडेस्ट्रल सर्वे नं० 1/724 मलबार व कमक्षोला हिल डिवीजन के मंतर्गत दर्ज है भीर शेष भाग 2532 वर्ग गज जिसका नया सर्वे नं० 1/738 है मालाबार कम्बाला हिल डिवीजन के अन्तर्गत है और इस प्रकार घिरा हुन्ना है कि पूर्व की छोर वह सम्पत्ति है जो पहले मानिकजी पैटिट मिल्स की थी, श्रीर जिसका सी० एस० नं० 1/725 मलबार व कंबाला हिल डिवीजन है। पश्चिम की मोर कारमाइकेल रोड़, दक्षिण की मोर वह सम्पत्ति है जो पहले खण्डेलवाला की थी, जिसका प्लाट नं० ७ भीर सी० एस० र्न ० 763 (भाग) मलबार व कंबाला हिल डिवीजन है, उत्तर की भौर सुंदरलाल संजीराम की सम्पत्ति प्लाट नं० 5, सी० एस० नं० 2/736, मलबार व कंबाला हिल डिवीजन घौर जिन कथित परिसरों का निर्धारण म्यूनिसिपल रेट्स एण्ड टैक्सेज के ग्रसैसर व कलेक्टर द्वारा मं० 10(डी०) वार्ड मं० 3451(1) व स्ट्रीट नं० 13 के मंतर्गत होता है।

> व्ही० भार० भ्रमीन सक्तम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, बंबई

ता**रीख**ः 15 दिसम्बर 1976

मोहर:

6---396जी०आई०/76

प्ररूप भाई० टी० एम० एस०--

म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक झायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 विसम्बर 1976

निवश सं० भ्रई० 1/1638-2/म्प्रील, 76:——मतः, मुझे, व्ही० ग्रार० भ्रमीन,

झायकर झिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उपत झिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269 ख के झिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ४० से झिधिक है

श्रीर जिसकी सं०सी०एस०-1/836 लडी जमगेवजी रोड़ है, तथा जो माहीम डिवीजन में स्थित है (ग्रीर इसके उपावत अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 22-4-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर (अन्तरिती) (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के वायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर घिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मत: ग्रव, उक्त मधिनियम, की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त मधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1) के मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, मधौत:— 1. मसर्म ० नैशनल बिल्डर्स ।

(ग्रन्सरक)

- 2. मैंसर्स ग्रोनर्स इंडस्ट्रियल प्रि० को० ग्रा० सो० लि०। (श्रन्तरिती)
- 3. निम्न सूचि के अनुसार :---

क्रम सं०

नाम

- 1. मेसर्स मौजीलाल एण्ड कं०.
- 1थ्र. मेसर्स मौजीसाल एण्ड कं०.
- श्री फैलिक्स वीसिंगर, श्री फ्रांसिस लौरेंन्स मस्कारेन्हास ग्रीर श्री ग्रेसियन जे० मस्करेन्हास।
- 3. श्रीमती रेणुका एल० दुर्गानी
- 4. श्री लक्ष्मण गुलाबराय दुर्गानी
- 4ग्र**ंगैरेज श्री लक्ष्मन जी बुर्गानी**
- श्रीमती श्रमीना बेगम मौलवी शामसुद्दीन श्रौर श्रीमती सुधरा बेगम
- 6. मेसर्स ए० सी० ई० इलैक्ट्रोनिक्स
- 7. मेसर्स मूच्युश्रल प्रिन्टिंग वर्ष्स
- 8. श्री शंकर म्रानंद चंदावरकर
- 9. श्री रसिकलास मानेकलाल देसाई
- 10. श्री मंचराम लीलाराम लखिणानी
- 10%. श्री मंघराम लीलाराम लिखयानी
- 11. श्री भ्रनंत काशीनाथ सहमते
- 12. श्री उत्तमचंद कनैयासिंह कुकरेजा
- 13. में सर्स अमर स्टोर्स
- 14. श्री मंघराम लीलाराम लखियानी
- 15. श्री मंघराम लीलाराम लखियानी
- 16. मैसर्स इन्डस्ट्रियल प्लास्टिम्स
- 17. श्री मोहन ईसरदास गेहानी
- 18. श्रीमती पारवती ऊधाराम
- 19. श्री धनील भनंत सहमते श्रीर श्रीमती इंद्रमती भनंत सहमने
- 20. श्रीमती जसोती परुषोत्तमदास नारवानी
- 21. श्रीमती ग्रमीनाबेगम मौलवी गामसुरीन
- 22. मेसर्स भ्रा० के० बी० एण्ड कं०.
- 23. श्री देवीदास दीवानदास
- 24. मेसर्स जी० ए० इलेक्ट्रीकल्स इन्डस्ट्रिज
- 25. श्रीमती रंजना किशिनचंद मेलवानी
- 26. श्रीमती वासीबाई मोतीराम एण्ड श्रदर्स
- 27. श्रीमती शीलादेवी गोरधमदास
- 28. मेसर्स भ्रार० सुरश
- 29. श्रीमती रंजना किशिनचंद मलवानी
- 30. श्रीमती चंदा जेठानद सावलानी
- 31. श्री लक्ष्मण सदाशिव झागस्रकर श्रीरश्री हरीश रावजी मालगावकर
- 32. श्रीमती गोपी टी० मलकानी
- 33. श्री लक्ष्मणदास देकचंद वयीजा
- 34. श्री सेवक हकूमतराय मीरचंदानी

- 35. श्री रमेश **डी० न**रता
- 36. श्री हस्तम दिनशौ इरानी
- 37. श्रीमती चंद्रावती रामचंद
- 38. श्रीमती राजकुमारी वनशामदास

(वह न्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के झर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे!

स्पर्धिकरण:---इसमें प्रयुवत शब्दों धौर पक्षों का, जो उक्त घ्रिष्ठ-नियम, के झध्याय 20-क में यथा परिधाषित है, बही धर्य होगा, जो उस झध्याय में दिया गया है। अनुसूची

पैयान व डैक्स पट्टे की जमीन या भैवान का बह तमाम दुकड़ा या भाग, उस पर खड़े ढांचे या ढांचों सहित, जो लेखी. जममेदजी रोड से पीताम्बर लेन को जाने वाली 40 फीट चौड़ी सड़क पर, माहिम, बम्बई म, बम्बई के रजिस्टी उप-जिले में भौर बम्बई के द्वीप में मौजूद पड़ा हुआ है, माप में 1591 वर्गगज या 1330.24 वर्गेमीटर या उसके घासपास है घीर भुराजस्व कलक्टर के रिकार्ड में पुराने नं ० 21, नमें नं ० 3514, पुराने सर्वे नं ० 89, नमें सर्वे ० नं ० 97, कैंडेस्ट्रल सर्वे नं ० 1/836, माहिम डिवीजन के श्रंतर्गत (फाइनल प्लाट नं० 505, टाउन प्लानिंग स्कीम सम्बद्ध नगर नं० III (माहिम क्षेत्र), में सेवा उद्योगों के लिए सिपुर्ध) दर्ज है फ्रीर इस प्रकार धिरा हुमा है कि:--उत्तर की मोर लेखी जमशेदजी रोड से पीताम्बर लेन को जाने वाली 40 फीट चौड़ी सड़क, दक्षिण व पूर्व की घोर ग्रैंब्रियल जौन परेरा की इस्टेट, फाइनल प्लाट नं ० 491, टी० पी० एस० बम्बई नगर-III (माहिम क्षेत्र) श्रौर सी० एस० नं० 836 माहिम डिवीजन पश्चिम की श्रोर श्री नाथजी ट्रस्ट नं ० 838, माहिम डिवीजन श्रीर फाइनल प्लाट नं ० 504 ष 504 डी॰ टी॰पी॰एस॰ बम्बई नगर नं शा (माहिस क्षेत्र) है ।

> व्ही० ग्रार० ग्रमीन, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-1, बंबई ३

तारीख: 15 विसम्बर, 1976

## प्ररूप भाई० टी० एम० एस०--

शायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजंन रेंज-2, बम्बई

बम्बर्ध, दिनांक 16 दिसम्बर 1976

निर्देश सं० ग्र०ई०2/2307-1/ग्रप्रैल 76:——श्रतः मुझे, एम० जे० माधन,

मायकर मिश्रिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात् 'उनत भिन्नियम' कहा गया है), की मारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 /- स्पए से मधिक है

श्रीर जिसकी सं० मन प्लांट न० 9/2 का सब प्लांट 61 स० न० 70 (श्रंश) जुहु विलेपालें डेक्ट्र० स्कीम में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय वस्त्रई, में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 8-4-1976 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरिस की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से एंसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिकत से श्रधिक है शौर अन्तरक (श्रक्तरकों) शौर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, मिम्नलिखत उद्देश्य से उवत अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित महर्ग किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त धाधिनियम के धाधीन कर देने के अन्तरक के वायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य धारितयों को जिम्हें भारतीय धाय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत धांधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः धन, उनतं धिधिनियमं की धारा 269 मं के धनुसरण में; में उनतं धिधिनियमं की धारा 269 घं की उपधारा (1) के धिधीन; निम्नलिखित ध्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री नरेन्द्रकुमार रतमसिंह कनबार ।
- (धन्तरक)
- 2. श्री सुनील रसिकलाल शाह ।

(ग्रन्तरिती)

3. नुतन लक्ष्मी को० म्रोप० हाउ० सो० लिमि०। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ध्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस भूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर भूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य रथवित द्वारा, श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्तीकरण:--इसमें प्रयुवत गब्दों ग्रीर पदों का, जी उबत ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20क में परि-भाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसची

पट्टेदारी की जमीन का मैदान का वह तमाम टुकड़ा था भाग जो जुहु विलेपार्ले इवलपमेंट स्कीम (इर्ला नालें के रदक्षिण में) म, बृह्रस बम्बई, के पम्बई उपनगर जिले में भौर जिस्ट्री उप-जिला बान्द्रा म मौजूस पड़ा हुआ है, तथा जुहु गांव के सर्वे नं० 70 का भाग है, माप में 518.33 वर्गणज यानी 433.39 वर्ग मीटर या उसके ध्रासपास है भौर न्तन लक्ष्मी कोग्रापरेटिव्ह हाउसिंग सोसाइटी लि० की इस्टेट में मुख्य प्लाट नं० 9/2 का सब प्लाट नं० 61 है और इस प्रकार चिरा हुआ है कि पूर्व की भ्रोर 40 फीट खौड़ी सड़क, पिचम की भ्रोर सब-प्लाट नं० 60, उत्तर की भ्रोर सब-प्लाट नं० 62 भीर दक्षिण की भ्रोर 60 फीट चौड़ी सड़क है।

एम० जे० माथन, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 16 दिसम्बर1976

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०-

भायकर प्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2,बम्बई

बम्बई, दिनांक 16 दिसम्बर 1976

निर्देश सं० ग्र०ई० 2/2316-1/76-77:—ग्रतः मुझे, एम० जे० माथन,

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्रधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से घाधिक है भीर जिसकी सं० सर्वे नं० 70 (भाग) सब प्लाट नं० 31 है तथा जो जुहु विलेपालें डेव्ह० स्कीम में स्थित है (ग्रीर उपायसः प्रनुसूची में प्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-4-1976 पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमाम प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भौर भन्तरक (अन्तरकों)भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त मधि-नियम, के मधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धम्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय धायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधिनयम, या धनकर धिधिनयम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः शव, उन्त श्रविनियम की धारा 269 ग के श्रनुसरण सें, में, उक्त श्रविनियम की धारा 269 व की उपवारा (1) के श्रवीन, निम्निकित व्यक्तियों शर्यात्:—

- 1. श्रीमती लक्ष्मीबेन सोमाभाई पटेल । (ग्रन्तरक)
- 2. श्री प्राणजीवनदास चतुर्भुज वालीया, श्रीमती हिराबेन प्राणजीवनदास वालीया। (ग्रन्तरिती)
- 3. नूतन लक्ष्मी को० ग्रापरेटिय हाउसींग सोसायटी लिमीटेड (वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्राधी-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन केलिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारील से 45 चिन की धविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा भन्नोहस्ताकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पव्छीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों धौर पदों का, जो उक्त श्रिक्ष नियम के शब्दाय 20 क में परिभाषित है, वहीं शर्य होगा जो उस शब्दाय में दिया गया है।

### अमुसूची

पट्टेवारी की जमीन या मैंदान का वह तमाम टुकड़ा या भाग, जो जुहु विलेपार्ले डेवलपमेंट स्कीम (इर्ला नाले के दक्षिण में) बृहत् बम्बई के बम्बई उपनगर जिले में और बान्द्रा के रिजस्ट्री उपजिले में मौजूद पड़ा हुमा है, जुहु गांव के सर्वे नं० 70 का भाग हैस, माप में 800.00 वर्ग गज यानी 668.88 वर्ग मीटर या उसके म्रासपास है, भौर नूतन लक्ष्मी को॰ भ्रापरेटीब हाउसींग सोसायटी लि० की इस्टेट में सब प्लांट नं० 31 जिए हुमा है तथा इस प्रकार घरा हुमा है कि पूर्व की भोर प्लांट नं० 45, पश्चिम की श्रोर एक सौ फीट का घरा, उत्तर की श्रोर प्लांट नं० 30, दक्षिण की श्रोर प्लांट नं० 32, इस सम्पत्ति का सी० टी० एस० नं० 638, जुहु गांव बम्बई नगर व बम्बई उपनगर के उप-जिले में है।

एम० जे० माथन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 16 विसम्बर 1976

मोहरः

प्ररूप धाई० टी० एन० एस० ----

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व(1) के मधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज II-, अहमदाबाब

श्रहमदाबाद, विनांक 14 विसम्बर 1976

निदेश सं० 499 /ए० सी० न्यु० 23-888/4-1/76-77:—-श्रतः सुक्षे, पी० एन० मित्तल

मायकर शिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत श्रिधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से श्रीधक है

भीर जिसकी सं० नं० 137 और 138 है, तथा जो भाउकोदरा, अंकलेश्वर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अंकलेश्वर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्षत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबस, उक्त ग्रिधिनयम, के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: प्रव, उक्त भिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, मैं उक्त भिधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थातु:— (1) श्री नवनीत लाल डाह्याभाई, स्वयं तथा एच० यू० एफ० के कर्ता की हैसियत में गोया, बाजार, ग्रंकलेश्वर जिला भरोच।

(भ्रन्तरक)

(2) प्रिंसिपल आफिसर, में श्रमजीवी पेपर मिल्स (प्रा०) लिमिटेड, भाक्षकोदरा, डायरेक्टर, गोपालभाई, जवेरीभाई पटेल, सरदार बाग के पास, बारडोली, जिला: सुरता।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यवितयों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो
  भी श्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
  पूर्वोवत व्यवितयों में से किसी व्यवित होरा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पथ्डीकरण :--इसमें प्रयुक्त मध्यों भीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

खुली जमीन जिसका सं० नं० 137 और 138, कुल माप 7 एकड़ 2 गुंथा है तथा जो हाई वे नं० 8 पर भाडकोदरा ता० स्रंकलेक्वर जिला भरोच में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकरण अधिकारी स्रंकलेक्वर के मई, 1976 के रजिस्ट्रीकरण विलेख नं० 247/76 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मिसल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II ग्रहमदाबाद

तारीख: 14-12-1976

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०--

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज -II, अहमदाबाद

श्रहमधाबाद, विनांक 18 दिसम्बर, 1976

निदेश सं० 500/ए० सी० क्यु०-23-814/13-1/76-77:---भ्रतः मुझे, पी० एन० मित्तल,

ष्ठायकर घिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-ख के घ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— रुपये से घ्रधिक है, ज्योर जिसकी सं० म्यु० नं० 3/6/37 और 3/6/38 है, तथा जो पियोनीर हाई स्कूल के सामने, श्रानन्द में स्थित है (श्रीर इससे उपाबस धनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, झानंद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन अप्रैल, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित को गई है गौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से श्रधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) ग्रौर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उवत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रम्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिध-नियम, के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था विया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः धव, उक्त घिधिनियम, की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त धिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीम निम्नलिखित व्यक्तियों, घर्षातृ:——

- (1) श्री रामभाई वाधजीभाई पटेल श्रीर चंचलखेल, रामभाई वाधजीभाई पटेल की पत्नी खेडवा, ता० श्रानंव। (श्रन्तरक)
- (2) श्री रमेश चन्द्र जीवन लाल भालजा 'परितोश' पियोनीर हाई स्कूल के सामने झानंद

(भ्रन्तरिती)

(3) ग्राज्ण्ड फ्लौर: सुप्रिटेन्छंट, पोस्ट ग्राफिस ग्रानंद पहला माप्पा ग्रंतरिती (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उनत सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधिया तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मैं से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य ध्यवित द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ध्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

'पारितोश' नामक जमीन व मकान जिसका म्यु नं० 3/6/37 श्रीर 3/6/68 जो पियोनीर हाई स्कूल के सामने ग्रानंद में स्थित है जमीन का कुल माप 350 वर्ग मीटर तथा दो मंजले मकान का माप 150 वर्गमीटर प्रत्येक मंजला जैसा कि रजिस्कर्ता श्रिधकारी स्नानंद के सप्रैल, 1976 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 647 में प्रविशत है।

पी० एन० मित्तल सक्षम प्राधिकरी सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज -II, श्रहमदाबाद

तारीख: 18-12-1976

प्ररूप आई० दी० एन० एस०---

मायकर म्रिश्चित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के भ्रमीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्र**र्जन रेंज, भो**पाल

भोपाल, दिनांक 10 दिसम्बर 1976

निदेश सं० ग्राई० ए० सी० एक्बी० /भोषाल/ 76-77/ 766:—--ग्रतः मुझे, वी० के० सिन्हा,

ध्रायकर घिष्टिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-ए० से ग्रिधिक है ग्रीर

जिसकी सं कृषि भूमि है जो भोपाल में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिक्षकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम,

1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 27-4-76 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिध-नियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या भ्रनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के जिए;

ग्रतः ग्रवः, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269—ग के धनुः सरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269—ग की उपधारा 1) के ग्रिधीन निम्निखित व्यक्तियों, ग्रर्थात्ः—

- (1) श्रीमती बैगम आयशा सुलतान पत्नी नवाब मोहम्मद मनसूर झली खा द्वारा पावर भ्राफ एटार्नी श्री भ्रसवेजला खां पत्न श्री सुलेमान निवासी ग्रहमवाबाद, भोपाल। (भ्रन्तरक)
  - (2) 1. श्रीमती मनोरमा खट्टर पत्नी श्री दीन दयाल खट्टर 2. श्रीमती नीलम खट्टर पत्नी श्री जोगेश खट्टर 3. श्रीमती भावर्श खट्टर पत्नी श्री मदन मोहन खट्टर सभी निवासी श्यामला हिल्स, भोपाल। (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उन्त संपत्ति के भ्रजेन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास जिब्बत में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुवत शब्दों भीर पद्दो का जो उनत श्रिष्ठितयम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, नहीं अर्थ होगा, जो उस शब्दाय में दिया गया है।

### अनुसूची

कृषि भूमि खसरा नं० 19/1, 20 तथा 27 भूमि, 12.90 एकड़ स्थित कोहे फिजा० तह० हुजूर जिला भोपाल।

वि० के० सिन्हा स**क्षम प्राधिकारी** सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जण रेंज, भोपाल

तारीख: 10-12-1976

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-

भायकर श्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 दिसम्बर 1976

निवेश सं श्राई ० ए० सी ० एक्बी ० / भोपाल 76-77 / 778:— अतः मुझे, वी० के० सिन्हा आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 / - रु० से प्रधिक है

धीर जिसकी सं० भूमि व मकान है, जो सिवनी म स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में धीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय, सिवनी में रिजस्ट्रीकृत श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 1-4-1976।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्सरण से हुई किसी भ्राय की बाबस उक्त श्रिश्चित्यम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्य में कमी करनेया उससे वचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी म्राय या किसी धन या म्रन्य म्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय म्रायकर मिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिधिनियम, या धन-कर मिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रब, उस्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उस्त ग्रिधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के ग्रिधीन, निस्तिखित व्यक्तियों, ग्रर्थीत् :-- (1) श्री देवेन्द्र कुमार, राजेन्द्र कुमार, श्रोर श्रीमती राधा-देवी निवासी गिरजाकृज, सिवनी।

(ग्रन्तरक)

(2) दि नागपुर रोमन कैथोलिक आयसेस कारपोरेशन (प्रा०) लिमिटड, पी०टी० ग्रार० मं० डी०-2, नागपर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उबत सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितकद्व
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों स्रौर पद्दों का, जो उक्त स्रधिनियम, के झह्याय 20-क में परिकाषित हैं, वही झर्थ होगा जो उस झह्याय में दिया गया है।

## अनुपूषी

प्लाट नं 8/3 ब्लाक नं 6 स्थित सिविल लाइन जिस पर बिल्डिंग बनी है स्थित म्यूनिसिपल कमेटी नं 157 केओती बार्ड, सिवनी।

> वि० के० सिन्हा स**क्षम प्राधिकारी** सहायक आयकर **श्रायुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 14-12-1976

मोहर।

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ (1) के मधीन सुजना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर घायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 30 नवम्बर 1976

निदेश नं ० 30-वीं ० /श्चर्जन :--श्वतः मृझे, श्रमर सिंह बिसेन श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रधिक है

भौर जिसकी सं० भूमि एवं मकान है तथा जो भौजा म्य्निसिपल भीतर पही खास परजा जिला अलमोड़ा में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अलमोड़ा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, तारीख 7-4-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ध्रन्ति ति की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत्त से ध्रिधक है भीर धन्तरक (धन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तिती (ध्रन्तिरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया ग्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/ या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भत: शब, उक्त भिधिनियम, की धारा 269ग के अनु-सरण में, मै, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269थ की उपधारा (1) के श्रिधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात:—— 7.—396GI/76 (1) श्रीमती जानकी देवी, हीरा लाल, सुभाष लाल, विनोद एवं कु० कमला।

(भ्रन्तरक)

- (2) श्री विजय कमार कपूर, नन्दिकशोर कपूर स्वयं (भ्रन्तरिती)
- (3) स्वयं (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिभिभोग में संपत्ति है )

को यह सूचना जारी करके पूर्बोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हं।

उक्त सम्पत्ति के झर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ध्रम्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुवत शब्दों ग्रीर पदों का, जो उवत श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं बही ग्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मकान एवं कृषि भूमि जो भीजा म्यूनिसिपल भीतर पही खास परजा तह०व जिला श्रलमोड़ा में स्थित है।

> श्रमर सिंह बिसेन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 30-11-1976

प्ररूप माई० टी० एन० एस०-----

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के श्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भुवनेश्वर

भुवनेश्वर, दिनांक 10 दिसम्बर 1976

निदश सं० 32/76-77/आई० ए०सी० (ए० आर०)/बी०बी० एस० आर० यतः मुझे, अमरेन्द्र नाथ मिश्र आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' वहा गया है), की धारा 269-ख, के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से अधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 18 है, जो सत्यनगर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय भुवनेश्वर में रिजस्ट्रीकर्तण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 5-5-1976

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृद्धे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रहप्रतिणत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उधत अन्तरण लिखित मे वास्तिक क्षप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम, के धर्धान वर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स्त्र) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उच्त श्रिधिनयम, या धन-कर श्रिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269म की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:— (1) श्री गोरा चान्द रथ

(भन्तरक'

(2) डा० विजन मुमार सामल

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपस में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

जभीन भ्रौर मकान सत्य नगर (भुवनेश्वर) का, प्लाट नं० 18 में स्थित है। वह संपत्ति भुवनेश्वर सब रेजिस्ट्रार भ्राफिस में 5-5-76 टारिस में रेजिस्ट्रार हुआ, जिसकी डक्नुमेंट नं० 3694 है।

> श्रमरेन्द्र नाथ मिश्र सक्षम प्राधिकारी सहायक षायकर ष्टायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भुवनेश्वर

सारीख: 10-12-1976

प्ररूप माई० टी० एन० एस०-

भायकर ग्रधिमियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 भ (1) के ग्रधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भुवनेष्ट्यर

भुवनेश्वर दिनांक 18 दिसम्बर 1976

निर्देश सं० 34/76-77/आई० ए० सी०/ए०/ग्रार०)/भुव-नेश्वर:—यतः मुझ, ग्रमरेन्द्र नाथ मिश्र आयकर ग्रिथियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त ग्रिथितम" कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिथीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपए से ग्रिथिक है

भीर जिसकी सं० प्लाट नं०-213/4111 है, जो युनिट-1 (भुवनेश्वर) में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, भुवनेश्वर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16के) श्रधीन, तारीख 21-4-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई
है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से ग्रिधक है ग्रीर ग्रन्तरक
(ग्रम्तरकों) ग्रीर ग्रम्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रम्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त
ग्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के धन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या घ्रम्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिधिनियम, या घन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव उक्त ग्रांधिनियम की घारा 269 ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रांधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्मिलिखित व्यक्तियों, श्रयात् :— (1) श्री पूर्ण चन्द महापाट्र

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती बसन्त कुमारी दास स्वामी-बिर किशोर दास।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त मान्दों ग्रीर पदों का, जो उन्त ग्रिधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होंगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जमीन और मकान भुवनेश्वर का यूनिट-1 में स्थित है। बह जमीन भुवनेश्वर सब रिजस्ट्रार ग्राफिस में 21-4-76 तारीख में रेजिस्ट्रार हुग्रा, जिसकी डाकुमेंट नं० 3137 है।

> ग्रमरेन्द्र नाथ मिश्र सक्षम प्राप्तिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज भुवनेश्वर

तारीख: 18-12-1976

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०-

मायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास भद्रास, दिनांक 13 दिसम्बर 1976

निदेश सं० 58 /श्रप्रैल / 76-77 :---श्रतः, मुझे, जी० रामा-नाथन.

म्रायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के मिनि सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से मिनिक है

स्रौर जिसकी सं० मिनयप्पमपालयम गांव है, जो मद्रास में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध म्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता म्रधिकारी के कार्यालय, रासीपुरम (पन्न सं० 465/76) में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के म्रधीन, 26-4-1976 को

पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने
का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से झिष्ठक है और झन्तरक (झन्तरकों) और अन्तरिती
(झन्तरितियों) के बीच ऐसे झन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त झन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी म्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थं भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं कियागया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-द की उपधारा (1) के ग्रिधीन, मिम्नलिखित व्यक्तयों, ग्रर्थात् :-- (1) श्री वेम्बायी पडेंगाच्ची ग्रीर ग्रादि।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री धार० धालीयप्पन

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के द्रार्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपस्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी
  श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: इसमें प्रयुक्त मब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सेलम जिल्ला, रासीपुरम तालुका मनियप्पमपालयम गांव एस० सं० 15/6 में 4.37 एकड़ खेती की भूमि।

> जी० रामानाथन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 13-12-1976

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

श्रायकर श्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 प (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास,दिनांक 14 दिसम्बर् 1976

निदेश सं० 40 /ग्रप्रैल/ 76-77:—ग्रतः, मुझे, जी० रामा-

नाथन आयक्तर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उवत श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० श्रार० एस० सं० 60/2 श्रीर 56/2 है, तथा जो नागलूर गांव एर्काड में स्थित है (श्रीर इससे उपाबब अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, एर्काड (पत्न सं० 73/76 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम,

1908 (1908 का 16) के प्रधीन, प्रप्रैल, 1976 को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझं यह विश्वास करने का कारण है, कि यथापूर्वोवत सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी स्नाय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के ग्रन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (छ) ऐसी किसी धाय या किसी धन या ध्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय धायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, दा धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

न्नतः श्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त श्रधिनियम की धारा 269-न्न की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित ध्यक्तियों अर्थात् :--

- (1) श्री एम० एस० पी० सेन्तीलकुमार ग्रीर श्रादि (श्रन्तरक)
- (2) श्री एम० एस० पी० राजेस

(भ्रन्तरिती)

को यह सूधना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के धर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के ब्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रवासन की तारी ख से 45 दिन की श्रवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वावत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीक्षर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:— इसमें प्रयुक्त गब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के श्रध्याय 20 क में परिभाषित हैं, बही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सेलम जिल्ला, एकार्ड, नागलूर गांव एस० सं० 60/2 ौर 56/2 में 349.67 एकड़ खेती की भूमि में 4/10 श्रभिन्न भाग (मकान के साथ)। दी स्टानमार एस्टेटस) श्रौर काफी बोर्ड से मृक्षय (75.76 सीसनी)।

जी० रामानाथन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 14-12-1976

प्रकप भाई० टी० एन० एस०---

r 1001 (1001 ET 42) EC 1977

भायकर ग्रंबिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के ग्रंबीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मब्रास, विनांक 14 दिसम्बर 1976

निवेश सं० 41 | ध्रप्रैल | 76-77:—यतः, मुझे, जी० रामा-नाथन धायकर घिष्टिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० श्रार० एस० सं० 60/2 श्रीर 56/2 है, जो नागलूर गांव एकडि में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, एकडि (पन्न सं० 85/76) में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम,

1908 (1908 का 16) के प्रधीन, प्रप्रौल, 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में, कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अत: शब, उक्त श्रिशिनयम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रिशिनयम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के श्रिशीन निम्मलिखित व्यक्तियों, श्रवीत --- (1) श्रीमती ग्रार० जगताम्बाल

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एम० एस० पी० राजेस

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप !---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की ध्यविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्यविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनयम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं शर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सेलम जिल्ला, एर्काड, नागलूर गांव एस० सं० 60/2 और 56/2 में 349.67 एकड़ खेती की भूमि में 1/10 श्रभिक्ष भाग (मकान के साथ) (दी स्टानमार एस्टेटस) श्रीर काफी बोर्ड से मूह्य (75.76 सीसन)।

जी० रामानायन सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज-1,मद्रास

दिनांक: 14-12-1976

मोहर ः

प्ररूप माई० टी० एन० एस०-

भायकर भिधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भिधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्याक्षय, सष्टायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 विसम्बर 1976

निदेश सं० 42 /श्रप्रैल / 76-77:—-श्रतः मुझे, जी० रामा-नावन

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम मधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये से मधिक है

ग्रीर जिसकी सं ग्रार एस सं 60/2 भीर 56/2 है, जो नागलूर गांव एक डि में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विंगत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, एक डि (पन्न सं 75/76) में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम,

(1908 का 16) के श्रधीन, श्रप्तेंल, 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए झन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिश्वात से प्रधिक है भीर धन्तरक (झन्तरकों) श्रीर धन्तरिती (झन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त झन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्राधि-नियम, के ग्राधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या ग्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम या धन-कर श्रधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजमार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रव, उक्त ग्रिश्विनियम की धारा 269-ग के ग्रमुसरण में, मैं, जक्त ग्रिश्विनयम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के ग्रिश्चीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, शर्णात्:--- (1) श्रीमती बी० सुसीला

(घन्तरक)

(2) श्री एम० एस० पी० राजेस

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी ध्रवधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी धन्य व्यक्ति द्वारा घधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भ्रिधि-नियम के भ्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सेलम जिल्ला, एकांड नागलूर गाँव एस० सं० 60/2 श्रीर 56/2 में 349.67 एकड़ खेती की भूमि में 1/20 अमिन्न भाग (मकान के साथ), (दी० स्टानमार एस्टेटस) श्रीर काफी बोर्ड से मृल्य (75.76 सीसन)

जी० रामानाथन सक्तम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीखा: 14-12-1976

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस० -

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 दिसम्बर 1976

निदेश सं० 43/ अप्रैल /76-77 :—-यतः, मुझे, जी० रामा-नाथन

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जबत श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रिधिक है

भौर जिसकी सं० श्रार० एस० सं० 60/2 श्रीर 56/2 है, जो नागलूर गांव एकडि में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय एकडि (पन्न सं० 83/76) में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम,

1908 (1908 का 16) के श्रधींन, श्रप्रैल, 1976 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ब्रह प्रतिशक्त से श्रधिक है श्रौर अन्तरक (श्रन्तरकों) श्रौर श्रन्तरिती (श्रन्तरितयों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उबत श्रन्तरण लिखत में वास्तिधिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत. उक्त श्रिधिनयम, के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:— (1) श्रीमती वी० जयन्ती

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एम० एस० पी० राजेस

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसुची

सेलम जिल्ला एकडि, नागलूर गांव एस० सं० 60/2 और 56/2 कें 349.67 एकड़ खेती की भूमि में 1/10 अमिन्न भाग (मकान के साथ) (दी स्टानमार एस्टेटस) श्रौर बंगलूर काफी बोर्ड से मुख्य (75.76 सीसन)

जी० रामानाथन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर धायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 14-12-1976

प्रारूप आई०टी० एन० एस०---

धायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के ग्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 दिसम्बर 1976

निदेश सं० 47 /मई/76-77:--यत:, मुझे, जी० रामा-नाथन प्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त धाधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से ग्राधिक है भ्रीर जिसकी सं० श्रार० एस० सं० 60/2 भ्रीर 56/2 है, जो नागलूर गांव एकांड में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, एकडि (पत्न सं० 99/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, 16 मई, 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है ग्रौर भ्रन्तरक (भ्रन्तरकों) श्रीर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित

(क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त प्रधिनियम, के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या

नहीं किया गया है:---

(ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, श्रव उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रवीत्:-8-396GI/76

(1) श्रीमती यू० विकटरी

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एम० एस० पी० राजेश

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप~

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की भ्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध,
  जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के
  भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति
  द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ता-क्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त मन्दों भीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के भ्रष्टमाय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस भ्रष्टमाय में दिया गया है।

## अनुसूची

सेलम जिल्ला एकडि, नागलूर गांव एल०सं० 60/2 भौर 56/2 में 349. 67 एकड़ खेती की भूमि में 1/10 भ्रगिल माग (मकान के साथ)। (दी स्टानमार एस्टेंट) और बेंगलूर काली बोर्ड सें मूल्य (75.76 सीसन)।

जी० रामनाथन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

**सारीख**: 14-12-76

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

श्रायकर भ्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के भ्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 दिसम्बर 1976

निदेश सं० 44 / अप्रैल / 76-77:— यतः, मुझे, जी० रामा-नाथन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उयत अधिनियम' कहा गया है), की छारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— ह० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 3/2 श्रीर 3/8 है, जो पट्टीपाडी गांव में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, एकडि (पत्न सं० 59/76) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रश्रैल, 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पत्न्द्रह प्रतिगत से श्रिधक है, श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रधि-नियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या श्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रब उक्त ग्रधिनियम की घारा 269ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269 घ की उपघारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथातु:—— (1) श्रीमती सरस्वती श्रम्माल श्रौर श्रादि।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एस० एन० सुब्रमणिय चेट्टीयार एस० एन० मुरुगप्पन श्रीर एस० एन० के० एम० सरस्वती श्राच्ची।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उमत सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घाक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अविधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो
  भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध
  किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रद्योहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के भ्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भ्रथें होगा जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सेलम जिल्ला, एर्काङ , पट्टीपाडी गांव एस० सं० 3/8 (5.21 एकड़) ग्रौर 3/2 (4.19 एकड़) में 9.40 एकड़ खेती की भूमि ग्रौर श्रादि। (ग्रौर 75.76 सीसन की काफी की ईन्कम)

जी० रामानाथन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 14-12-1976

प्ररूप भाई०टी०एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 दिसम्बर 1976

निवेश सं० 47/ अप्रैल / 76-77:—यतः, मुझे, जी० रामानाथन
धायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है ) की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य
25,000/- २० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 3/2, 3/8, 3/5 श्रौर 3/6 है, जो पट्टी-पाडी गांव में स्थित हैं (श्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, एकिंड (पत्न सं० 58/76) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख अर्थेल, 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने वा भारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है श्रौर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रौर श्रन्तरिती (श्रन्तरियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तयपाया गयाप्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई विसी श्राय की बाबत उक्त श्रिधिनियम के श्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त ग्रिधिनियम', या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: श्रव उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त श्रधिनियम', की धारा 269-थ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखत व्यक्तियों, श्रथींतु:—

- (1) श्रीमती सरस्वती श्रम्माल ग्रौर श्रादि (श्रन्तरक)
- . (2) श्री एस० एन० सुम्रमणिय चेट्टीयार एस० एन० मुख्यप्पन श्रीर एस० एन० के० एम० सरस्वती श्राच्ची (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त गब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सेलम जिल्ला, एकांड, पट्टीपाडी गांव, एस० सं० 3/5 (0.44 एकड़), 3/6 (2.62 एकड़) 3/8 (2.18 एकड़) भ्रौर 3/2 (4.21 एकड़) में 9.45 एकड़ खेती की भूमि भ्रौर भ्रावि। (श्रौर 75.76 सीसन की काफी की ईन्कम)।

जी० रामानाथन, सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 14-12-1976

मोहरः

प्ररूप माई० टी० एन० एस०-

आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर द्यायुक्त (मिरीक्षण)

घर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 दिसम्बर 1976

निदेश सं० 50/ ग्रप्रैल/ 76-77:— यतः, मुझे, जी० रामा-नाथन

द्यायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त द्राधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से म्रधिक है

भ्रौर जिसकी सं० 3/5 भ्रौर 3/2 है, जो पट्टीपाडी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय एकडि (पत्न सं० 57/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) कें ग्रधीन अप्रैल, 1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है भौर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उपत भ्रन्तरण लिखित मे वारतिवक रूप से विधत नही विया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई विसी ग्राय की बाबत उदस ग्रधिनियम के ग्रधीन कर देने के श्रन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी झाय या किसी धन या झन्य झारितयों को, जिन्हें भारतीय भायकर म्रिबिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-व की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित स्पक्तियों, धर्यातु:---

- (1) श्रीमती सरस्वती ग्रम्माल ग्रौर ग्रादि । (भ्रन्तरक)
- (2) श्री एस० एन० सुम्रमणिय चेट्टीयार, एस० एन० मृहगप्पन और एस० एन० के० एम० सरस्वती ग्रम्ची।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथीं यस सम्पत्ति के ध्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उवत सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपक्ष में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यवितयो में से किसी ब्यवित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-भद्ध किसी ग्रन्थ व्यवित द्वारा, भ्रधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्यव्हीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त** म्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही धर्य होगा जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सेलम जिल्ला, एकंडि, पट्टीपाडी गांव एस० सं० 3/5 (5.21 एकड़), ग्रीर 3/2 (4.19 एकड़) में 9.40 एकड़ खेती की भूमि भ्रौर भ्रादि, (भ्रौर 75.76 सीसन की काफी की ईन्कम)।

> जी० रामानाथन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 14-12-1076

मोहरः

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस० --

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) के भाधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन-रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 दिसम्बर 1976

निदेश सं० 53 /श्चप्रैल/76-77:——यतः, मुझे, जी० रामा-नाथन

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल् 'उवस श्रिधिनियम' वहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और

जिसकी सं० 3/6 भौर 3/2 है, जो पट्टीपाडी गांव में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूचि में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, एकिंड (पत्न सं० 56/76) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, स्रप्रैल, 1976

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे कचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या भ्रन्य श्रास्तियों की जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

शतः श्रव, उक्त श्रधिनियम् की धारा 269 ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों श्रथीत्:— (1) श्रीमतीसरस्वती श्रम्माल ग्रौर ग्रादि

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एस० एन० सुन्नमणिय चेट्टीयार, एस० एन० मुस्गापन श्रौर एस० एन० के० एम० सरस्वती श्रम्ची (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यवितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उबत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध विसी धन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा संकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'उक्त श्रक्षितियम' के अध्याय 20क में यथा परि-भाषित है, वहीं श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

### अनु सूची

सेलम जिल्ला, एकांड, पट्टीपाडी गांव एस० सं० 3/6 (5.22 एकड़), ग्रौर 3/2 (4.19 एकड़) में 9.41 एकड़ खेती की भूमि ग्रौर ग्रावि (ग्रौर 75.76 सीसन की काफी की ईन्कम)।

जी० रामानाथन, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन-रेंज-1, मब्रास

तारीख: 14-12-1976

मीहर:

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 € ९-घ (1) वे श्रधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास , दिनांक 15 दिसम्बर 1976

निदेश सं० 27 श्रिपेल / 76-77:—यतः, मुझे,जी० रामा-नाथन श्रीयकर श्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

श्रायकर श्राधानयम, 1961 (1961 का 43) (ाजस इसम इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/--रुपए से श्रिधिक है श्रीर

जिसकी सं० 367/9 ग्रौर 369/3 है, जो पदुपालयम में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कोमारपालयम (पन्न सं० 474/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का) के ग्रधीन, ग्रगैल, 1976

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए फ्रांतरित की गई है भौर भूमें यह विश्वास करने का फारण है कि यथापूर्वोवत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भौर फ्रन्तरक (अन्तरको) भौर फ्रन्तरिती (भ्रांतरितियो) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उबत भ्रन्तरण लिखित में बारतिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई निसी भाग की बाबत, 'उक्त भश्चिनियम', के श्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी विसी श्राय या विसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रधिनियम', या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ध्रव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के ब्रमुसरण में, मैं, उक्त ब्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, ब्रथित :--- (1) श्रीपी० चुकराज

(भ्रन्तरक)

(2) श्री कोलन्डम कवृत्डर

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उम्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः— इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पक्षों का, जो 'उक्त ग्रिधिनियम', के भ्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भ्रष्टें होगा जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

## **अन्**सूची

सेलम जिल्ला , पशुपालयम गांव एस० सं० 367/9 (0.46 एकड़) भीर 368/3 (2.10 एकड़) म 2.56 एकड़ खेती की भूमि ।

जी० रामानाथन, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त, (निरीक्षण) भ्रजन-रेंज-1, मद्रास

तारीख: 15-12-76

भरूप <del>प्राई</del>० टी० एन० एस०—

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 दिसम्बर 1976

निर्देश सं० 32/मई/76-77---यतः, मुझे, जी० रामा-नाथन

ष्ठायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उबत ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से ग्रिधिक है ग्रीर

जिसकी सं० 43/2 है, जो पड़बीड़ गांव में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, संकरीदुर्ग (पल्ल सं० 391/67) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, मई, 1976

को पूर्वोवत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रिध-नियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी झाय या किसी झन या झन्य झास्तियों को, जिन्हें भारतीय झायकर झिश्चिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त झिश्चिनियम, या झनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

श्रतः श्रम, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रद्यातः :--- (1) श्रीनाच्चीमत्तुगऊन्डरग्रौरग्रादि।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री पलिन गऊन्डर

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स संपक्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त ग्थावर संपत्ति में हितबड़ किसी श्रान्य व्यक्ति द्वारा, श्रद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रद्ध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस ग्रद्ध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सेलम जिल्ला, संकरी तालुका, पडवीडु गाँव एस० सं० 43/2 में 7.66 एकड़ खेती की भूमि में ब्रादा (ब्राभिन्न) भाग (3.83 एकड़)।

> जी० रामानाथन, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 17-12-1976

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०-

(1) श्री केडेयम (पजागऊन्डर) ग्रीर ग्रादि

(2) श्री एम० पलनि गऊन्डर

लिए कार्यवाहियां करता है।

(ग्रन्तरक)

(भ्रन्तरिती)

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-I मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 दिसम्बर 1976

निदेश सं० 46 /मई/ 76-77--- यतः, मुझे, जी० नाथन

भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) इसमें इसके पत्रचात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु० से श्रधिक है और

जिसकी सं० 314/2 ए० है, जो संगगिरि गांव में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में धौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता म्रधिकारी के कार्यालय, संगगिरि (पत्न सं० 348/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, मई, 1976

को पूर्वोक्त सपित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोषत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) कें भीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखित उद्देश्य से उपत अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं विया गया है:---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त ग्रिख-नियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ **प्रान्तरिती धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया** जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रब उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-ग के ग्रानु-सरण में मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत्:--

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के

उयत सम्पत्ति के मज़न के संबंध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख रे 45 दिन की भ्रवधि या तत्सबंधी व्यक्तियो पर सुचना की तामील से 30 दिन की धवधि जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत ध्यवितयों में से किसी ध्यवित द्वारा;
- (खा) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीखा से 4.5 दिन के भीतर उक्त रथावर संपत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यवित द्वारा मधे हरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण**:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त **प्र**धिनियम के **प्रध्याय** परिभाषिस हैं वही मर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सेलम जिल्ला, संगगिरि गांव एस० सं० 314/2 ए० 6.07 एक इस्खेती की भूमि में 2/3 म्रभिन्न भाग।

> जी० रामानाथन, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 17-12-1976

मोहर ।

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961का 43) की धारा 269-थ (1) के म्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर भागुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 दिसम्बर 1976

निदेश सं० श्रार० ए० सी० 201/76-77:——यतः, मुझ, के० एस० वेंकटरामन,

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उदत श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/— रुपए से श्रधिक है

भौर जिसकी सं० 3-6-136/5 है, जो हिमायतनगर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 21-4-1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करनेया उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी द्याय या किसी धन या ध्रन्य ग्रास्तियों; को, जिन्हें भारतीय धाय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ध्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रत: श्रव, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण भी, उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269-थ की उपधारा (1) के श्रिभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थीत् --- 9-396 जी श्राई 76

- (1) श्रीमती कदीजाबेगम पिता खाले बादाम घर नं० 3-6-136/5 ता० 12- हिमायत नगर हैदराबाद (भ्रन्तरक)
- (2) श्रीमती राजीया बेगम पती रफीख सैयक्ष्यान नं ० 154 नलागुहा सिकन्दराबाद

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत ध्यवितयों में से किसी व्यवित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबाड़ किसी धन्य व्यक्ति धारा ध्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो 'उक्त श्रिधिनियम,' के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

### अमुसूची

जमीन का बाग भ्रौर उसका फैंडेशन नं० 3-6-136/5 ता० 12 (पुराना न० 3-6-144/1) विस्तीर्ण 417 वर्ग यार्ड हिमायत नगर, हैदराबाद दस्तावेज नं० 730/76 है। रिजस्ट्रार कार्यालय जीनट रिजस्ट्रार हैदराबाद में करायी है 21-4-1967 के दिन।

> के० एस० वेंकटरामन, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

सारी**ख**: 10-12-1976

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०--

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 10 दिसम्बर 1976

निदेश सं श्रार एए० सी० 202/76-77:—यतः, मुझे, के० एस० वेंकटरामन

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम', कहा गया है), की घारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 6-1-132 है, जो चिन्नाबजार में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कोतागुडेंम में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, अप्रैल 4, 1976।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उसत ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के धनु-सरण में, मैं, उनत प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथातः :-- (1) श्रीमती वनदनपु-नागरतनभ्मा पती बीरप्पा-कोता गुडेंम मदीगुडेंम-तालुक कसम- जिला

(भ्रन्तरक)

- (2) (1) श्री तुटारी तुरनगण्या पिता रामय्या मङीगृडेम कमम-जिला (2) तुटारी नारायना- रामय्या कम्मम (अन्तरिती)
- (3) श्री सयद कलीम ग्रौर बादर्स तरकारी व्यापारी कोतागुडेम।

(वह व्यक्ति जिसके छिधभोग में संपत्ति है)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, ओ भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रद्योहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त मध्दों घौर पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के घट्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस घट्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

घरनं ० 6-1-132 चिन्नाबाजार कोतागुडेम में है कुल जमीन में विस्तीर्ण -71 वर्ग मीटर राजीस्त्री कीरामी उप राजिस्ट्रार कोतागुडेंम में वस्तावेज नं ० 265/76 तारीख 30-4-76 के घन्दर [

> के० एस० वेंकटरामन, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराक्षाद

तारीख: 10-12-1976

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के धधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक झायकर झा**युक्त** (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 दिसम्बर 1976

निर्देश सं० घ्रार० ए० सी० 203 / 76-77 :— यतः, मुझे, के०-एस० वेंकटरामन,

आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रिधिक है

श्रौर जिसकी बाग सं० 5-2-655 है, जो कनटेंशवर रोड में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नैजामाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 26-4-1976

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिकल, त्यपाया गया निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के भ्रन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों
  की जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनयम, 1922
  (1922 का 11) या 'उक्त भ्रिधिनयम'
  या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27)
  के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
  गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानै
  में सुविधा के लिए;

भ्रत: श्रव, उक्त श्रधिनियम, की घारा 269म के ग्रनुसरण में, में, 'उक्त प्रधिनियम,' की धारा 269-घ की उपद्यारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रेषित:~

- (1) श्री एम० ग्राननदम पिता एम० वेनकटरंगय्यागारु ग्रीर मै० एस० शरमा पिता लशमनराऊ नैजामाबाद उसका ग्रिधकारी एम० एम० सीम्माच्वेलेम, नैजामाबाद। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री ठाकुर सिंह पिता श्री राम सिंह केयर ग्रांफ रामसिंह मूलेसिंह, नैजामाबाद

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण---इसमें प्रयुवत शब्दों भीर पदों का, जो उबत श्रिधिनयम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही शर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अमुसूची

एक रूम मद्रास टेरासरूम कुल जमीन भ्रन्तराफ दीवार के साथ उसका विस्तीर्ण 622 वर्ग यार्ड मुँमीपल नं० 5-7-655 के नटेंणवर रोड नैजामाबाद दस्तावेज नं० 467/76 रिजस्ट्री कार्यालय नैजामाबाद 26-4-76 के दिन:---

उसके भ्रतराफमें

पूर्व : कनटेशवर रोड

पश्चिम : बेचनेवाले की जमीन

उत्तर: पोलिस की जमीन

दक्षिण : बेचने वाले का घर

के० एस० वेंकटरामन, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज,[हैदराबाद

तारीख: 10-12-1976

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

भायकर शिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भिधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 दिसम्बर 1976

निदेश सं० न्नार० ए० सी० 204 /76-77:—यतः, मुझे, के० एस० वेंकटरामन भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्च'त् 'उनत श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/- रु० से श्रधिक है

श्रीर जिमकी सं० 5-7-655 है, जो कनटेशवर रोड में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची म श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, नैजामाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 28-4-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह आत्यात अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्षत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिध-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या श्रन्य आस्तियों को जिन्हें, भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

श्रतः श्रव उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्मलिखित ध्यितयों, अर्थात्:—

(1) (1) श्री एम अननंदाए पिता एम बेंनकटरागंथ्या (2) श्रीर यस शरमा पिता लशमन कनटेशवर रोड, नैजामाबाद

(भ्रन्तरक)

(2) श्री धनणधर राऊ पिता श्रन्नताराऊ मगदी विलेज श्रारमूर तालूका नैजामाबाद जिला

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के ग्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उषत व्यक्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सबधी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोवत व्यवितयों में से किसी व्यवित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदो का, जो उनत श्रधिनियम के अध्याय 20-नः में पिशाधित है, बही भर्थ होगा, जो उस अध्याय में विभा गया है।

### अमुसुची

मद्रास टेरास घर नं० 5-7-655 कनटेशवर रोड, नैजामाबाद उसका विस्तीर्ण 480 वर्ग गज बेचा गया दस्तावेज नं० 532/76 जीनट रिजस्ट्रार कार्यालय आफिस में 28-4-1976 के दिन।

जमीन के भ्रन्तरण में

दक्षिण में: बेचने बाले की जमीन (नं० 12)

उत्तर में : बेचने वाले की जमीन (नं० 10)

पूर्वमें : बेचने वाले की जमीन

पश्चिम में : बेचने वाले की जमीन (नं० 3)

के० एस० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैचराबाद

तारीख: 10-12-1976

मोहर ।

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस० ---

# भ्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के म्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 दिसम्बर 1976

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० 205/76-77 :---यतः, मुझे, के० एस०-वेंकटरामन

आयकर इ.धिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त इ.धिनियम' वहा गया है), की धारा 269-ख के स्रधीन सक्षम प्राधिवारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- स्पए से स्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० 5-7-655 है, जो कनटेशवर रोड में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नैजामाबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 28-4-1976

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और सुझे यह विण्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रधिक है श्रीर अन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम; के ग्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के धायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रत: श्रव, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उबत श्रिधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के श्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थातु:—

- (1) श्री एम० श्रननदम श्रीर मैं० एस० शरमा श्रायाकर प्राकटी-शनर नैजामाबाद उनका श्रधिकारी एम० सीमचेलम पिता वेंकटरनगमन नैजामाबाद (श्रन्तरक)
- (2) श्री जेनद्रावर्दन पिता घनणधरराऊ मदगी गांव ग्रारमूर तालुका नैजामाबाद जिला (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

तीन शैंड स्तल का बाग नं० 5-7-655 कनटेशवर रोड नैजा-माबाद विस्तीर्ण 264.58 वर्गमीटर दस्तावेज नं० 533/76 रजिस्ट्रीकर्ता कार्यालय उप-रजिस्ट्रार नैजामाबाद किरायी है 28-4-1976 के दिन ।

जमीन के भ्रन्तराप में

दक्षिण : रास्ता

उत्तर : बेचनेवाले का जमीन (नं० 4) ।

पूर्व : बेचनेवाले का जमीन । पिचम : पुलिस का कार्यालय

> कें० एस० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-12-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर श्रिधि नियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269घ (1) के भ्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 दिसम्बर 1976

निदेश सं० भ्रार० ए० सी० 206/76-77:—यत: मुझे, के० एस० वेंकटरामन

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृश्य 25,000/ रु से प्रधिक है और जिसकी सं 5-7-655 है, जो कनटेशवर रोड में स्थित है (धौर इससे उपाबद प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय नैजामाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 28-4-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भायकी बाबत, उक्त श्रधिनियम, के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी घन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त भ्रधिनियम, या घन कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

श्रतः ग्रज, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-थ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखत व्यक्तियों, श्रथीत्:—

- श्री येम ग्राननवम पिता येम वेनकटरंगथ्या ग्रीर ये येस शर्मा पिता लशमन कनटेशवर रोड, नैजामाबाद (ग्रन्तरक)
- 2 श्री जौशम पिता श्राननदम मारेडपली सिकन्दराबाद (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीक्षर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों झौर पदों का, जो उक्त झिधिनियम के झध्याय 20क में परिभाषित् हैं, बही झर्थ होगा, जो उस झध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

तीन शेड स्तल का बाग नं० 5-7-655 कनटेशवर रोड नेजामाबाद विस्तीर्ण 305.65 वर्गमीटर डाकोमेन्ट नं० 534/76 रजिस्ट्री की गई है उप रजिस्ट्रार कार्यालय नैजामाबाद 28-4-1976 के दिन।

> कें० एस० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज हैदराबाद

सारीख: 10-12-1976

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

श्रायकर श्रिधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ

(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 4 दिसम्बर 1976

निवश सं० सी० न्नार० नं० 62/5943/76-77/ए० सी०-क्यू०/बी०:—यतः मुझे, एम० हरिहरन् धायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यःवर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य25,000/- ६० से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 566 है, तथा जो II दूसरा क्रास रोड, राबरटसन पेट, के० जी० एफ०, राबरटसन पेट होबलि बंगलूर पेट तालुक कोलार जिला

में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबब श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय बंगलूर पेट, कोलार जिला में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 8-4-1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए ग्रन्तिरत की गई है घौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ध्रधिक है घौर यह कि ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) श्रौर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उमत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी झाय या किसी धन या झन्य झास्तियों को जिन्हें भारतीय झायकर झिछनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त झिछनियम, या धन-कर झिछनियम, 1957 (1957 क; 27) के प्रयोजनार्थ झन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविद्या के लिए;

भतः भव, उक्त मधिनियम की घारा 269ग के धनुसरण में, में, उक्त मधिनियम की घारा 269म की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, प्रयोतः ----

(1) श्री एम० रहमतुल्ला खान सुपुत्र हाजी एम० खादर खान, नं० 3 बेनसन कास रोड, बेनसन् टाऊन, बंगलूर-46 (भ्रन्तरक) (2) श्रीमती मैं हुन्नीसा, पत्नी एस० हमीद खान, नं० 566 II-क्रांस रोड राबरटसन पेट, के० जी० एफ० राबरटसन पेट होबली बंगार पेट तालूक, कोलार जिला। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

(दस्तावेज सं० 71/76-77 ता० 8-9-1976)

सारा संपत्ति का सं० (खाथा नं०) 523 श्रीर श्रसेस्मेंट नं० 566 II-कास रोड राबरटसन् पेट के० जी० एफ०

क्षेत्र : पूर्व-61', ग्रौर उत्तर से दक्षिण--61' पूर्व-66', पश्चिम--खाली जगह

पण्चिम का कामपौड पूर्व से पश्चिम -28' श्रौर उत्तर से दक्षिण -66' दक्षिण में पूर्व से पश्चिम -40' -6" श्रौर उत्तर से दक्षिण -7'

मकान का क्षेत्र : पूर्व से पश्चिम - 56' उत्तर से दक्षिण - 44' बांध

पूर्वः वी०मुरुगन कामकान

पश्चिम : II-क्रांस रोड

उत्तर : कृष्णमूर्ति का मकान

दक्षिण : लेक्सी रोड ।

एम० हरिहरन् स**क्षम प्राधिकारी** सहायक <mark>घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण)</mark> श्रर्जन रेंज, बंगलूर

नारीख : 4-12-1976

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ऋधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगल्र, दिनांक 4 दिसम्बर 1976

निर्देश सं० सी०ग्रार० सं० 62/5953/76-77/ए० सी०-क्यु० / बी० :---यतः मुझे, एम० हरिहरन् म्रायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्राधिक है

भ्रौर जिसकी सं० 79/8 है, तथा जो III ब्लाक, जयलक्ष्मी-पुरम मैसूर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण हरप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मैंसूर में रजिस्टीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, 22-4-1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है, भ्रौर श्रन्तरक (भ्रन्तरकों) भौर श्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा केलिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आयया किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भ्रन्तरिली द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः अब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में मैं, उक्त मधिनियम की धारा 269-घ की उपघारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यवितयों, श्रर्वात् :---

- (1) श्रीमती बी० ग्रार० राधामनी पत्नी श्री बी० ग्रार० रामस्वामी
  - 2. श्री बी० श्रार० रामस्वामी सुपुत्र बी० रामानुज ग्रयंगार

- 3. श्री वी० ग्रार० नन्द किशोर सुपुत्र नं० (1) ग्रीर (2)
- 4. मास्टर बी०श्रार० रघनंदन े (मनेरस) रेप्रजेटेड
- मास्टर बी०श्रार० उदयकुमार काई वि० श्रार०
- मिस मैथिलि ॑रामस्वामी

3622/5, उमरखयाम रोड, मंडीमोहल्ला मैंसूर (श्रन्तरक)

(2) श्री एस० एन० पारथसारथी सुपुत्र स्व० घ्रार० श्रीनिवास नरसिंहाचार नं० 212, नारायण शिद्धि रोड, के० आर० मोहल्ला, मैसूर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तस्सम्बन्धी ध्यवितयो पर सूचनाको तामील से 30 दिन की भ्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यवितयों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीखासे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों छीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही भ्रथं होगा, जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसुची

(दस्तावेज सं॰ 65/76-77 ता॰ 22-4-76)

नं० 79/8 , तीसरा ब्लाक, मेट्रेनेटि हास्पीटल रोड, जय-लक्ष्मीपुरम, बानी विलास मोहल्ला, मैसूर-2

ोपुरम, बानी विलास ... जगह क्षेत्रः—पूर्व से पश्चिम-74' } जत्तर से दक्षिण : 5½' } 3811 स्केयर फीट

वांध

पूर्व : रोड

पश्चिम : खाली जगह

उत्तर : रोड ग्रौर

दक्षिण : श्रीशिवप्पाकानं० 78/7,

एम० हरिहरन् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 4-12-76

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 3 दिसम्बर 1976

निर्वेश सं० सी० श्रार० नं० 62 /5956/76-77/ए० सी०क्यू० / बी० :—यत: मुझे, एम० हरिहरन्
श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का
43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है, कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- र० से श्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० 45 है, तथा जो 4 कांस रोड, गांधी नगर बेंगलूर - 9 में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, गांधी-नगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, ता० 10-5-76 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है भीर मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रिधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या ग्रम्य भ्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधनियम, या धन-कर ग्रिधनियम, या धन-कर ग्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजमार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये;

भ्रत: ग्रब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, शर्थात्:—
10-396जीआई/76

(1) मसर्स मैंसूर टिन वर्क्स रेप्रेजेंटेंड बाई श्री मनोरदास मादवजी नं॰ 1564/3, नगप्पा ब्लाक श्रीरामपुरम, बेंगलूर-560021

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जीत मल चोरडिया सुपुत्न गनेशुमल चोरडिया 6 क्रांस गांधी नगर, बेंगलूर-560009 (ग्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्स सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

(दस्तावेज सं० 90/76-77 ता० 10-5-76) नं० 45, 4 कास रोड, गांधी नगर, बेंगलूर-9 नं० 66/1 और 66/2 (पुराना 116 श्रौर 117) का विभाग बांध

पूर्व-रोड

पश्चिम-नं० 45/ए० (महावीर चन्द श्रीर प्रेमचन्द चोरडियाका)

उत्तर : रोड श्रौर दक्षिण : मोती महल

> एम० हरिहरन् सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 3-12-1976

मोहर:

#### प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-

भ्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक **प्राय**कर **धायुक्त** (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलुर, विनांक 3 दिसम्बर 1976

निर्देश सं० सी० श्रार० 62 / 59 57 / 76-77 /ए० सी० क्यू० /-बी० :—यतः मुझे, एन० हरिहरन्

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनयम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधिन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है,

श्रीर जिसकी सं० 45 ए० है, जो 4 कांस रोड, गांधीनगर बेंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, गांधी नगर बेंगलूर -9 में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 10-5-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (छ) ऐसी किसी माय या किसी घन या मन्य म्रास्तियों, को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर म्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त म्रिधिनियम, या धन-कर म्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए; ;

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण म, में, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत्:--- (1) मैंसर्स मैंसूर टिन वर्क्स, रेप्रेजेटेड बाई श्री मनूरदास मुदावजी 1564/3, नागप्पा ब्लाक, श्रीरामपुरम, बेंगलूर-560021

(भ्रन्तरक)

(2) 1. महाबीर चन्द 2. प्रेमचन्द चोरडिया सुपुक्ष चेतमल चोरडिया 6 कास, गांधीनगर, बेंगलूर-560009 (भ्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की धारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबद्ध
  किसी ध्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

(दस्तावेज सं० 91/76-77 ता. 10-5-76) नं० 45/ए० 4 कास रोड, गांधीनगर, बेंगलूर - 9 नं० 66/1श्रौर 66/2 (पुराना 116 श्रौर 117) का

पूर्व : जेतमल जोरिङया का नं० 45 पश्चिम : ज्योत्सबेन मनोरदास वालिया

उत्तर : रोडग्रौर दक्षिण : मोती महल

> एन० हरिहरन् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 3/12/76

मोहर:

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०—

न्नायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के ग्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 14 दिसम्बर 1976

निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 371—यतः मुझे, बि० वि० सुब्बाराव

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र० से प्रधिक है श्रीर जिसकी सं० 46-17-36, दानवायपेट राजमन्ड्री है, जो मैनरोड में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, काकिनाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, 30-4-1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्य-मान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रीक है श्रौर श्रन्तरक (श्रन्तरको) श्रौर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिथे तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उवत श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम के ग्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ शन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रम्भ, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269 ग के श्रनुसरण में, मै, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयीत्:—

- (1) 1. एम० एस० प्रसाद , नई दिल्ली
  2. एम० एस० रामाराव, लन्डन (म्रन्तरक)
- (2) श्रीमती नमुद्धरी सेषम्मा राजमन्द्री (ग्रन्तरिती)
- (3) 1 श्री एम वि के एल एन राजू 2 श्रीमती डी • लक्ष्मी (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पित के म्रर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पद्यों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

काकिनाडा रिजिस्ट्री श्रधिकारी से पांक्षिक श्रंत 30-4-76 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1316 / 76 में निगमित श्रनुसूची सम्पत्ति।

> बि० वि० सुब्बारा व सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रामकर भ्रामुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, काकिनाडा

तारीख: 14-12-76

मोहर :

प्ररूप भाई० टी० एन० एस० ---

म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक दिसम्बर 1976

निर्देश सं० ग्रई० 1/1641-5/मार्च 76:—स्यतः मुझे, व्ही० ग्रार० श्रमीन,

ध्रायकर ष्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत श्रिधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रिधिक है

ग्रीर जिसकी सं० सी० एस० नं० 8 दादर श्रीर नायगांव डिवीजन सब नं० 1957, 1962 है, जो जनमन डा० बी० ग्रांबेडकर रोड़ ग्रीर डी० फालके रोड़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 23-4-76 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिणत से प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भार अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देग्य से उन्तर अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त ग्रिधनियम के भ्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रीर/ या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ श्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः भव, उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निग्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात्:— 1. ई० एस० म्रांध्रप्रदेश

(ग्रन्तरक)

2. मैसर्स हिंदमाता कटपीस मरचंटस् एसी० को० म्रा० हा० सो० लि० (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्ध्वाकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

खाली जमीन या मैदान का वह तमाम दुकड़ा या भाग जो दादर रोड (जो डा० बाबासाहेब आंबेडकर रोड़, परेल बम्बई नगर वरजिस्ट्री उप-जिले में, माप म, लगभग 4683, 13 वर्गगज या 3915.70 वर्गमीटर या उसके लगभग है (जो उस बड़े भुभाग का भंग है। जिसकी माप पहले 13456 वर्गगज यानी 11280.96 वर्गमीटर के बराबर या उसके श्रासपास है )। श्रीर लाँटन के सर्व० सं 1962 श्रीर केडेस्ट्रल सर्वे लं 8 दादर नायगांव डिवीजन है तथा जमीन के टुकड़े का भाग जो माप से 116563.63 वर्गगज यानी 97462.36 वर्गमीटर है श्रीर जिसका लाटन सर्वे न० 1957 श्रीर केडेस्ट्रल सर्वे नं० 8 दादर, नायगांव डिवीजन है और इस प्रकार घिरा हुन्ना है कि पूर्व की श्रोर उक्त श्रांबेडकर रोड पश्चिम की श्रोर टाटा मिल्स की जमीन जिसमें भूमिगत जलस्थान श्रोर पंप रूम है उत्तर की स्रोर उस जमीन के बड़े टुकड़े के भाग से जिसकी माप 13456 वर्गगज श्रौर जिस पर लाँटन सर्वे नं० 1962 है श्रोर दक्षिण की श्रोर टाटा मिल्स की दूसरी जमीन जिसमे एक रोड ग्रीर मुख्य कार्यालय बिल्डिंग, समय कार्यालय भंडार तेल गोदाम, गैरेज श्रीर अन्य ढांचे है श्रीर जमीन के इस टुकड़े की इसके अनुलग्न नक्शे में रेखांकित करके उसे गुलाबी छायाश्रंकन से दिखाया गया है।

> ब्ही० ग्रार० श्रमीन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बस्बई

तारीख: दिसम्बर, 1976

मोहर:

#### म्रधीनस्थ सेवा श्रायोग

#### विज्ञप्ति

क्षेणी—'ध' म्राणुलिपिक प्रतियोगितात्मक परीक्षा, भ्रप्रैल, 1977 दिनांक 1 जनवरी, 1977

सं० 13/4/76-ई० ए०: — केन्द्रीय मचिवालय आणुलिपिक सेवा की श्रेणी 'घ', मणस्व सेना मुख्यालय आणुलिपिक सेवा की श्रेणी 'घ', भारतीय विदेश सेवा (ख) के आणुलिपिकों के उपसंवर्ग की श्रेणी III और मंसदीय कार्य विभाग में श्रेणी III आशुलिपिकों की श्रम्थायी रिक्तियों में भर्ती के लिए, श्रधीनस्थ सेवा श्रायोग, नई दिल्ली द्वारा बम्बई, कलकत्ता, दिल्ली, मद्रास, नागपुर और विदेशों में चुने हुए भारतीय दूतावासों में, 16 अप्रैल, 1977 को शुरू होने वाली एक सीमिन विभागीय प्रतियोगितात्मक परीक्षा ली जाएगी।।

- 2. पावता की शर्ते:—केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा/ सगस्त्र सेना मुख्यालय लिपिक सेवा/भारतीय विदेश सेवा (ख) का ग्रेड VI या V या संसदीय कार्य विभाग में निम्न/ उच्च श्रेणी लिपिक के पद में से किसी एक का नियमित रूप से नियुक्त ग्रिधकारी हो तो निम्नलिखित शर्तों को पूरा करता हो —
  - (क) सेवा काल:-निम्न/उच्च श्रेणी श्रथवा सम्बन्ध सेवा के समकक्ष ग्रेड में पहली जनवरी, 1977 को दो वर्ष की श्रनुमोदित श्रौर लगातार सेवा से कम न हो ।

- (ख) श्रायु:--पहली जनवरी, 1977 को 45 वर्ष से श्रधिक न हो। श्रनुसूचित जातियों/ श्रनुसूचित श्रादिम जातियों श्रौर कुछ श्रन्य निर्धारित वर्गो के लिए ऊपरी श्रायु सीमा में छूट होगी।
- 3. फीस:--8/ रू० (ग्रनुसूचित जातियों/ श्रनुसूचित श्राविम जातियों के लिये 2/- रु०)
- 4. पूरे विवरण तथा ग्रावेदन प्रपक्ष, ग्रधीनस्थ सेवा श्रायोग पश्चिम खंड, 1, रामाकृष्णापुरम, नई दिल्ली 110022, को 1-00 रु० (यदि श्रावेदन-प्रपत्न रिकार्डिड डिलीवरी सिस्टम द्वाए मंगाना चाहते हों तो 2-00 रु०) के रेखित (प्राप्तकर्ता लेखा) भारतीय पोस्टल श्रार्डर, जो श्रधीनस्थ सेवा श्रायोग को रामकृष्णपुरम (वितरण) डाकघर, नई दिल्ली पर देय हो, भेज कर ग्रथवा श्रायोग के कार्यालय के बिकी काउंटर पर नकद भुगतान कर के प्राप्त किए जा सकते हैं।
- 5. भरे हुए भ्रावेदन-पत्न श्रायोग को 31 जनवरी, 1977 (विदेशों या श्रंडमान श्रौर निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप में रह रहे उम्मीदवारों के लिए 14 फरवरी, 1977) तक श्रवश्य पहुंच जाने चाहिए।

ग्रो० प्री० बंसल, समिव

#### UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

#### New Delhi-110011, the 4th December 1976

No. P/271-Admn.I.—In supersession of Union Public Service Commission Notification of even number dated 18-10-1976, Shri'S. P. Chakravarty, a permanent Under Secretary in the office of the Union Public Service Commission has been appointed as Officer On Special Duty (Confidential) in the office of the Union Public Service Commission for a period of 3 months with effect from the forenoon of 4th October 1976, or until further orders whichever is earlier, on usual deputation terms.

P. N. MUKHERJEE
Under Secretary
for Chairman
Union Public Service Commission

## CABINET SECRETARIAT DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R. CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 9th December 1976

No. PF/S-9/70-Ad.V.—The President is pleased to appoint Shri S. K. Datta, 1.P.S. (Uttar Pradesh 1959) as Deputy Inspector General of Police, Central Bureau of Investigation with effect from the forenoon of 8th November, 1976 until further orders.

P. S. NIGAM Administrative Officer (E) Central Bureau of Investigation

#### CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi-1, the 13th December 1976

No. 2/39/76-Admn.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri B. K. Gupta (I.R.S.) as Commissioner for Departmental Enquiries in the Central Vigilance Commission, in an officiating capacity, with effect from the forenoon of 4th December 1976 until further orders.

C. NARAYANASWAMY
Deputy Secretary
for Central Vigilance Commissioner

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS DIRECTORATE GENERAL, C.R.P. FORCE

New Delhi-110001, the 10th December 1976

No. O.II-91/69-Estt.—Consequent on the expiry of the term of re-employment in the CRP Force, Lt. Col. V. D. Bhonsle (Retd.) relinquished charge of the post of Commandant Group Centre, CRPF, Nagpur on the afternoon of 2nd July 1976,

No. O.11-280/69-Estt.—Consequent on his attaining the age of superannuation Shri Kashmira Singh Rana, Assistant Commandant, Group Centre, No. 2, CRPF Ajmer, retired from Government service on the afternoon of 6th November 1976.

#### The 13th December 1976

No. O.II-246/76-Estt.—Consequent on the expiry of the period of extension of service granted to him beyond the age of superannuation, Shri K. Karunakaran Nair, relinquished charge of the post of Dy. SP. (Company Commander/QM) 18th Bn., CRPF on the afternoon of 14th November 1976.

#### The 15th December 1976

No. O.II-25/75-Estt.—The President is pleased to accept the resignation tendered by Col. Y. S. Awasthi (Retd.) Commandant Signal Group Centre, Central Reserve Police Force with effect from 11-11-76 (AN).

No. O.II-1024/72-Estt.—The services of Shri Deepak Chopra, Dy. S.P. EDP Cell, Directorate General, CRPF are placed at the disposal of Directorate of Co-ordination Police Computers, Ministry of Home Affairs, with effect from the forenoon of 1-12-1976.

A. K. BANDYOPADHYAY Assistant Director (Adm.)

## INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, CENTRAL REVENUES

New Delhi, the 10th December 1976

No. Admn-J/5-5/Promotion/76-77/O.O.1001/2476.— Consequent on his attaining the age of superannuation, Shri Shanti Prasad, permanent Accounts Officer retired from Govt. Service with effect from the afternoon of 30th November 1976.

The date of birth of Shri Prasad is the 14th November 1918.

M. L. SOBTI Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL UTTAR PRADESH

Allahabad, the 27th November 1976

O.O. No. Admn.I/11-144(xii)/310.—The Accountant General, U.P. I, Allahabad has appointed the following Section Officers to officiate as Accounts Officers in this office with effect from the dates noted against each:—

- (1) Shri Babban Lal-26-11-76
- (2) Shri R. Vishwanathan-23-11-76
- (3) Shri Rajendra Prasud Srivastava—23-11-76
- (4) Shri Harsu Lal Mishra-23-11-76.

U. RAMACHANDRA RAO, Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 8th December 1976

No. E.B.I./8-312/76-77/356.—The Accountant General, Andhra Pradesh-I, has been pleased to promote Sri P. S. Narasinhah, a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 340—40—1000—EB—40—1200 with effect from 1-12-1976 I:N until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors.

S. R. MUKHERJEE, Sr. Dy. Accountant General (Adnın)

### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL RAJASTHAN

Jaipur, the 14th December 1976

No. Admn.II/G.G-Notification/1383.—The following Section Officers of the Office of the Accountant General, Rajus-

than, Juipur are appointed as officiating Accounts Officers from 30-11-76 (FN) until further orders:--

- 1. Shri Ram Swaroop Sharma.
- 2. Shri Girdhari Lal Sarswat
- 3. Govind Behari La! Mathur.

R. A. BIRKAR, Sr. Dy. Accountant General/Admn,

#### MINISTRY OF DEFENCE

## INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES

Calcutta-700016, the 3rd December 1976

No. 91/76/G.—On attaining the age of 53 years Shri D. R. Khadke. Offg. Asstt. Manager (Permt. Foreman), has been granted extension of Service for a period of one year with effect from 1st June, 1976,

#### The 8th December 1976

No. 94/76/G.—On expiry of Leave Preparatory to Retirement, Shri S. K. Murti, Offg Asstt. Manager (Subst. & Permt. Foreman), retired from service with effect from 30th November, 1976 (AN).

M. P. R. PILLAI, Asstt. Director General, Ordnance Factories

#### MINISTRY OF COMMERCE

## OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 14th December 1976

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL (ESTABLISHMENT)

No, 6/1161/76-Admn(G)/7824—The President is pleased to appoint Shri Mahendra Pratap Singh (U.P. State Judicial Service-Class-I) as Deputy Legal Adviser in the office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi with effect from 25-11-1976 (forenoon), for a period of one year or till the recruitment rules for the post are finalised, whichever, is earlier.

A. S. GILL. Chief Controller of Imports and Exports

#### DEPARTMENT OF SUPPLY

## DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS ADMN. Sec.A-6

New Delhi, the 24th November 1976

No. A-17011/113/76-A6.—The Director General of Supplies and Disposals bas appointed Shri H. B. Sharma, Permanent Examiner of Stores (Engg.) in the N.I. Circle, New Delhi to officiate as Asstt. Inspecting Officer (Engg.) in the Calcutta Inspectorate under this Dte. General with effect from the forenoon of 30th October, 1976 until further orders.

#### The 14th December 1976

No. A/17011(105)/76-A.6.—The President has been pleased to appoint Shri Rajender Prasad, a candidate nominated on the results of the Engineering Services Examination 1975 to officiate in the Engineering Branch of Grade III of the Indian Inspection Service (Class I) w.e.f. 20-11-76 until further orders.

Shri Prasad, assumed charge of the post of Inspecting Officer (Fings.) in the office of the Director of Inspection Bombay from the forenoon of 20-11-76.

No. \(\triangle / 17011(106) / 76-A6.\)—The President has been pleased to appoint Shri Rajendra Prakash Singh, a candidate nominated on the results of the Engineering Services Examination 1975 to officiate in the Engineering Branch of Grade III of the Indian Inspection Service (Class I) wef, 15-11-76, until further orders.

Shri Singh, assumed charge of the post of Inspecting Officer (Engg.) in the office of the Director of Inspection Madras from the forenoon of 15-11-76.

No. A/17011(107)/76-A6.— The President has been pleased to appoint Shri Surrinder Mohan Munjal a candidate nominated on the results of the Engineering Services Examination 1975 to officiate in the Engineering Branch of Grade III of the Indian Inspection Service (Class I) w.e.f. 22-11-76 until further orders.

Shri Munjal assumed charge of the post of Inspecting Officer (Engg.) in the office of the Director of Inspection Bombay from the forenoon of 22-11-76.

SURYA PRAKASH,
Dy. Director (Administration)
for Director General of Supplies and Disposals

#### DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 9th December 1976

No. 4(10)/76-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Kaling Borang as Programme Executive, All India Radio, Dibrugarh in a temporary capacity with effect from the 8th November, 1976 and until further orders.

No. 4(10)/76-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Pura Tado as Programme Executive, All India Radio, Dibrugarh in a temporary capacity with effect from the 9th November, 1976 and until further orders.

P. K. SJNHA, Deputy Director of Administration, for Director General

## MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL PUBLICITY

New Delhi-I, the 14th December 1976

No. A.19012/3/74-Est.II.—Shri S. P. Gupta, Exhibition Assistant, is appointed as Field Exhibition Officer in this Directorate at Varanasi in a temporary capacity on ad-hoc basis with effect from 1st December 1976 (forenoon), until further orders.

No. A.19012/1/76-Est.II.—Shri F. H. Naqvi, Exhibition Assistant, is appointed as Field Exhibition Officer in this Directorate at New Delhi in a temporary capacity on ad-hoc basis with effect from 1st December 1976 (forenoon), until further orders.

R. DEVASAR,
Deputy Director (Administration)
for Director of Advertising & Visual Publicity

#### DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 10th December 1976

No. A.22018/79/76.CHS.I.—Consequent on his transfer Dr. Subhash Chakraborty, an officer of G.D.O. Grade I of the C.H.S. relinquished charge of the post of Deputy Airport

Health Officer in the Airport Health Organisation, Calcutta Airport, Dum Dum, on the after-moon of the 17th July 1976, and assumed charge of the post of Deputy Port Health Officer in the Port Health Organisation, Kandla on the forenoon of the 28th July 1976.

#### The 14th December 1976

No. A.12026/135/76-CHS.I.—Consequent on his transfer, Dr. S. L. Shanbhag, an officer of G.D.O. Grade II of the C.H.S. relinquished charge of the post of J.M.O. in the C.G.H.S., Dispensary, Wadala under C.G.H.S., Bombay, on the afternoon of the 4th October, 1976 and assumed charge of the post of Assistant Airport Health Officer in the Airport Health Organisation, Bombay on the forenoon of the 5th October, 1976.

K. VFNUGOPAL, Deputy Director Administration (CHS).

#### New Delhi, the 15th December 1976

No. 20/1(26)/75-CGHS.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. L. K. Pradhan to the post of Homocopathic Physician in the Central Govt. Health Scheme at Patna on temporary basis with effect from the forenoon of 8th November 1976.

No. 20/1(26)/75-CGHS.1.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. K. L. Jana to the post of Homoeopathic Physician in the Central Government Health Scheme at Allahabad on temporary basis with effect from the forenoon of 13th August, 1976.

No.. A.12026/62/76-CGHS.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri P. R. Darane to the post of Administrative Officer in the Central Government Health Scheme, Bombay on ad hoc basis with effect from the forehoon of 4th August, 1976.

R. K. JINDAL.
Deputy Director Admn. (CGHS)

#### New Delhl, the 15th October 1976

No. A.12025/9/76(CGHS)Admn.I(Pt.II).—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. Y. C. Sharma to the post of Dental Surgeon, Central Government Health Scheme, Kanpur, with effect from the forenoon of 12th October, 1976 in a temporary capacity and until further orders.

No. A.12025/9/76(CGHS)Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. M. L. Karwall to the post of Dental Surgeon. Central Government Health Scheme, Bombay, with effect from the forenoon of 21st October, 1976 in a temporary capacity and until further orders.

S. L. KUTHIALA.
Deputy Director Administration (O&M)

#### PREINVESTMENT SURVEY OF FOREST RESOURCES

#### Dehra Dun, the 13th December 1976

No. 3-2/76-Adm.—Shri Ram Rattan Yadav, Extra Assistant Conservator of Forests, Madhya Pradesh Administration (Forest Deptt.) is hereby appointed as Assistant Conservator of Forests in Preinvestment Survey of Forest Resources, Dehradun w.e.f. 14-10-76 (F.N.) until further orders.

ROMESH CHANDRA, Chief Coordinator

#### DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

### POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION (NARORA ATOMIC POWER PROJECT)

Bombay-5, the 25th September 1976

No. NAPP/18/106/75-Adm.8678.—On his transfer from Rajasthan Atomic Power Project, Shri K. Gangadharan, Scientific Officer/Engineer Grade SB is hereby appointed in the Narora Atomic Power Project at Narora in the same capacity with effect from forenoon of August 10, 1976 until further orders.

#### The 7th December 1976

No. NAPP/18/106/75-Adm/7135.—On his transfer from Heavy Water Project, Baroda, Shri B. J. Parikh, Scientific Officer/Engineer Grade SB is hereby appointed in the Narora Atomic Power Project at Narora in the same capacity with effect from afternoon of November 18, 1976 until further orders.

R. J. BHATIA, General Administrative Officer, for Director, PPED

#### TARAPUR ATOMIC POWER STATION

Thana-401 504, the 30th November 1976

No. TAPS/Adm/673-A(XIV).—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy, appoints S/shrl D. Narayana, temporary Foreman and Mohanlal, temporary Scientific Assistant 'C' in the Tarapur Atomic Power Station as Scientific Officer/Engineer (SB) in the same Power Station in temporary capacity with effect from the forenoon of August 1, 1976.

K. V. SETHUMADHAVAN, Chief Administrative Officer

#### NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500 762, the 10th December 1976 ORDER

Ref. NFC/PA.V/20/B-81/2540.—WHEREAS it was alleged that

Shri Mohd. Badiuzzama, while functioning as Tradesman 'B', MFS, has been frequently remaining absent from duty without any intimation. He remained absent without prior permission on 7 occasions during 1974 and on 8 occasions during 1975. The said Shri Badiuzzama is absenting himself from duty from 5-11-1975 till date without any permission and causing dislocation to the work. He has thus contravened the provisions of para 39(5) of the NFC Standing Orders.

AND WHEREAS Memorandum bearing No. NFC/PA. V/B-81/20/206 dated 16-2-1976, informing the said Shri Badiuzzama of the charge and proposing to hold an inquiry against him was sent by registered post acknowledgement due to the last known address of the said Shri Badiuzzama at Hyderabad and the same has been returned from the post office with the remarks "left without instructions",

AND WHEREAS the said memorandum was sent again to the last known address of the said Shri Badiuzzama with a covering note bearing No. NFC/PA.V/20/B-81/346 dated March 30, 1976, by registered post acknowledgement due and the same has been returned again from the post office with the remark "refused".

AND WHFREAS an Inquiry Officer was appointed to conduct the inquiry as required under para 41.2 of the NFC Standing Orders (hereinafter called the said orders),

AND WHEREAS the Inquiry Officer could not conduct the inquiry proceedings as the communications sent to the said Shri Badiuzzama to his last known address were returned undelivered from the post office with the remark "no such addressee in the house number---returned to sender",

AND WHERFAS in the circumstances, the undersigned is satisfied that it is not reasonably practicable to hold the inquiry in the manner provided in the said orders.

AND WHEREAS the undersigned is satisfied that the said Shri Badiuzzama has committed a grave misconduct by remaining absent for a prolonged period without prior permission or intimation and, therefore, is not a fit person to be retained in service,

NOW, THEREFORE, the undersigned in exercise of the powers conferred under paragraphs 41.2 and 42 of the said orders read with the DAF Order No. 28(1)/68-Adm dated 3-12-1970, hereby removes the said Shri Mohd. Badiuzzama from service with immediate effect.

H. C. KATIYAR, Dy. Chief Executive

#### HFAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 15th December 1976

Ref. No. HWPs/Estt./1/P-19/8409.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, has accepted the resignation tendered by Shri Jvoti Prakash Durlabhbhai Patel, a temporary Labour-cum-Welfare Officer of Heavy Water Project (Baroda) with effect from the afternoon of October 26. 1976.

T. C. SATHYAKEERTHY, Senior Administrative Officer

## MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 10th December 1976

No. E(1)04227.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri A. K. Dutta, Prof. Assistant, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta, as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for period of gixty days with effect from the forenoon of 19-11-76 to 17-1-77.

Shri Dutta, Officiating Assistant Meteorologist, remains posted to the office of the Director, Regional Meteorological Centre Calcutta.

No. F.(1)04269.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri S. K. Basu, Professional Assistant, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta, to officiate as Assistant Meteorologist for a period of sixty days with effect from the forenoon of 16-11-76 to 14-1-77.

Shri Basu, Officiating Assistant Meteorologist, remains posted to the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta.

No. F(I)04255.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri N. B. Ghosh. Prof. Assistant, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta, to officiate as Assistant Meteorologist for a period of sixty days with effect from the forenoon of 19-11-76 to 17-1-77. 11—396GI/76

Shri Ghosh, Officiating Assistant Meteorologist, remains posted to the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta.

No. E(1)04193.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri K. K. Bhowmik, Prof. Assistant, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta, as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of sixty days with effect from the forenoon of 19-11-76 to 17-1-77.

Shri Bhownik, Offg. Assistant Meteorologist, remains posted to the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta.

G. R. GUPTA,
Mcteorologist
for Director General of Observatories

## COI LECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Kanpur, the 18th October 1976

No. 107/76.—Sri J. N. Trivedi, officiating Superintendent, Central Excise Group 'B' Kanpur-II divn. relinquished the charge of the office of Supdt. C.Ex. Kanpur-II in the forenoon of 26-6-72 and afternoon of 3-2-75 and porceeded on the following spells of leave—

A. 6 days earned leave from 26-6-72 to 1-7-72 combined with 279 days half pay leave from 2-7-72 to 6-4-73 & leave without pay for 393 days from 7-4-73 to 4-5-74 with permission to suffix 5/6-5-74, being holidays.

B. 25 days carned leave from 4-2-75 to 28-2-75 combined with 60 days half pay leave from 1-3-75 to 29-4-75 and leave without pay for 318 days from 30-4-75 to 12-3-76.

2. After expiry of leave Sri J. N. Trivedi, Superintendent, Central Excise, Group 'B' assumed the charge of the office of Superintendent, Central Excise, Kanpur-II in the forenoon of 7-5-74 for the period mentioned at A above and retired from Government Service w.e.f. 12-3-1976 (afternoon) after expiry of the leave mentioned at B above.

K, S. DII, IPSINНЛІ Collector

#### NARCOTICS DEPARTMENT

Gwalior-6, the 13th December 1976

No. 52.—On his transfer from Baran Shri R. C. Srivastava, District Opium Officer took over charge as District Opium Officer, Faizabad in the forenoon of 15-7-76.

No. 53.—On his transfer Shri J. S. Grewal, Supdt, of Central Fxcise Group 'B' of Central Excise Collectorate, Nagpur took over charge as District Opium Officer, Neemuch,

I Division in the forenoon of 21-7-76.

No. 54.—On his transfer, Shri S. Zafer Ali, Supdt, of Central Excise, Group 'B' of Central Excise Collectorate, Allahabad took over charge as District Opium Officer, Shajahanpur in the forenoon of 4-10-76.

A. SHANKER Narcotics Commissioner of India

New Delhi-110024, the 13th December 1976

No 1.—Shri M. D. Tiwari, Factory Engineer, Government Opium and Alkaloid Works Undertaking, Ghazipur (U.P.) is allowed to cross the efficiency bar at the stage of Rs. 1000/-

in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from 1-8-1975.

K. P. ANAND, Chief Controller of Factories

#### CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 9th December 1976

No. A-12017/4/76-Adm.V.—In continuation of this Commission's Notification No. A-12017/4/76-Adm.V dated 29-9-1976, the Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri T. P. Yegnan, to officiate in the grade of Assistant Research Officer (Scientific-Mathematics Group) in the Central Water and Power Research Station, Pune, in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—FB—880—40—1000—EB—40—1200 on a purely temporary and ad hoc basis, upto 10-12-1976.

JASWANT SINGH, Under Secretary for Chairman, CW Commission

## OFFICE OF THE ENGINEER-IN-CHIEF CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 24th November 1976

No. 27-E/R(24)/69-ECII.—In pursuance of the order issued by the Ministry of Works & Housing (Works Divn.) vide No. 34/5/75-ECII/EW.2 dated 2-8-76 Shri M. M. Roy Chowdhury, Executive Engineer (Civil) of Central Circle No. III. Central P.W.D., Calcutta has retired from Govt. Service under F.R.56(J) with effect from 8-11-76 (A.N.)

P. S. PARWANI, Dy. Director of Admn. for Engineer-in-Chief

## CENTRAL RAILWAY GENERAL MANAGER'S OFFICE

Bombay VT, the 10th December 1976

No. HPB/220/G/II/1...—The undermentioned Officiating Assistant Electrical Engineers (Class II) are confirmed in that appointment with effect from the dates shown against each:—

Name & Date of confirmation in Class II Service

- 1. Shri C. Rajagopal-5-5-1976.
- 2. Shri S. D. Gupta-18-8-1976.

A. L. GUPTA, General Manager

#### NORTHERN RAILWAY

New Delhi, the 10th December 1976

No. 18.—Shri Pran Nath W.E.E./ASR has finally retired from Railway Service with effect from 31-8-1976 afternoon.

S. C. MISRA. General Manager

#### NORTHEAST FRONTIER RAILWAY

Pandu, the 10th December 1976

No. F'55/III/94 Pt. III(O).—The following Officers of the Civil Engineering Department are confirmed in the Junior Scale with effect from the date noted against each;

Name of Officers & Date from which confirmed

1. Shri M. K. Dev Verma—17-2-74

- 2. Shri S. C. Bansal-18-11-74
- 3. Shri N. M. Ahuia--25-11-75
- 4. Shri S. P. Vatsa-28-11-75.

G. H. KESWANI, General Manager

## MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD

#### OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

Cuttack, the 8th December 1976

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. K.I.D. Syndicate Ltd.

No. A.243/76-3760(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s K.I.D. Syndicate Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

C. R. DAS, Registrar of Companies, Orissa

#### OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Allahabad, the 20th October 1976

INCOMETAX ACT 1961—SECTION 123(1) & (2) Jurisdiction of I.A.Cs of Income-tax in C.I.T. Allahabad, Charge.

F. No. 81(B1)/70/Tech.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) and (2) of section 123 of the I.T. Act 1961 and in supersession of all previous orders of the subject, I the Commissioner of Income-tax Allahabad hereby direct that w.e.f. 1st Nov. 1976 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax posted to the ranges specified in column 2 of the schedule annexed hereto, shall perform their functions in respect of all persons and classes of persons and of all incomes and classes of incomes in the area comprised in the Income-tax circles specified in the corresponding entries in columns 3 of the said schedule.

#### SCHEDULE

Sl. No. I.A.C. Range	Number of circle or sub- charge included in the range.		
1. Allahabad	<ol> <li>Allahabad.</li> <li>Special circle Allahabad.</li> <li>Survey circle Allahabad.</li> <li>Sultanpur</li> <li>Faizabad.</li> </ol>		
2. Gorakhpur	<ol> <li>1. Gorakhpur.</li> <li>2. Survey circle Gorakhpur</li> <li>3. Basti</li> <li>4. Gonda</li> <li>5. Bahraich</li> <li>6. Azamgarh</li> <li>7. Ballia</li> <li>8. Deoria.</li> </ol>		
3. Varanasi.	<ol> <li>Circle-I Varanasi</li> <li>Circle-II Varanasi</li> <li>Survey circle Varanasi</li> <li>Mirzapur</li> <li>Jaunpur.</li> </ol>		

SHEIKH ABDULLAH Commissioner of Income-Tax Allahabad

#### Cochin-682016, the 16th November 1976 INCOME-TAX

#### ORDER NO. 1/76-77

C. No. 1(9)/GL/76-77—In exercise of the powers conferred on him under sub-section (1) of section 124, of the Incometax Act, 1961 (Act 43 of 1961) and in supersession of all the Notification u/s. 124(1) issued in this behalf from time to time I, the Commissioner of Incometax, Kerala-I, Cochin-682016, hereby directs that with effect from 16th November, 1976 forenoon the Incometax Officer specified in Column 3 of the schedule appended hereto shall perform the functions of an Incometax Officer within the area noted in column 4 in respect of the persons or classes of persons noted in column 4 thereof;

#### **SCHEDULE**

SI. Name of Circle Designation of the No. Income-tax officer		Area of jurisdiction		
Survey Circle, Ernakulam.	Income-tax Officer, Survey Circle, Ernakulam.	(1) All new assessess discovered in the course of survey operations in the territorial jurisdiction of Incometax circles at (1) Ernakulam		

(2) All persons whose cases may hereafter be transferred to the Income tax Officer u/s. 127(1) of the Income-tax Act, 1961.

(2) Alleppey

#### ORDER NO. 2/76-77

C. No. 1(209)/GL/76-77.—In exercise of the powers conferred under sub-section (1) of section 124 of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) I. the Commissioner of Incometax, Kerala I, Ernakulam, hereby creates one new circle at Ernakulam known as "Income-tax Office. Survey Circle, Ernakulam". The address of the Office will be as under:—

Office of the Income-tax Officer, Survey Circle, Warriam Road, Ernakulam, Cochin-682016.

This order shall come into force with effect from the forenoon of 16th November, 1976.

#### ORDER NO. 3/76-77

(ORDER UNDER SECTION 7 OF THE GIFT-TAX ACT, 1958)

C. No. 1(9)/B/GL/76-77—In supersession of the previous orders issued in this behalf, I, the Commissioner of Gift-tax, Kerala I, Ernakulam hereby directs that with effect from the forenoon of the 16th day of November, 1976, the Gift-tax Officer, specified in column 3 of the schedule appended thereto shall perform, the functions of a Gift-tax Officer within the

area noted in Column 4 in respect of the persons or classes of persons noted in column 4 thereof.

Sl. Name of the No. Circle	Designation of Gift- tax Officer.	Area of jurisdiction
I. Survey Circle	Gift-tax Officer, Survey Circle, Ernakulam.	(1) All new assesses who are not assessed to incometax or wealth-tax so far, in the territorial jurisdiction of the Gift-tax Circles at Ernakulam and Alleppey.
	(2	cases may here- after be transfer- red to the Gift- tax Officer under section 7B of the Gift-tax Act, 1958.

P. S. SUBRAMANYAN, Commissioner of Income-tax, Kerala-I.

Cochin-682016, the 16th November 1976 ORDER. No. 4/76-77

(Order under section 7 of the Gift-tax Act, 1958)

C. No. 1(9)/B/GL/76-77—In supersession of the previous orders issued in this behalf, I, the Commissioner of Gift-tax, Kerala II, Ernakulam hereby directs that with effect from the forenoon of the 16th day of November, 1976, the Gift-tax Officer, specified in column No. 3 of the schedule appended hereto shall perform, the functions of a Gift-tax Officer within the area noted in column 4 in respect of the persons or classes of persons noted in column 4 thereof:—

Sl. Name of the No. Circle	Designation of Gift- tax Officer	- Area of jurisdiction
1. Survey Circle	Gift-tax Officer, Survey Circle, Ernakulam.	(1) All new assesses who are not assessed to income-tax or wealth-tax, so far, in the territorial jurisdiction of the Gift-tax Circles at Mattancherry, Alwaye and Kottayam.
		(2) All persons whose cases may hereafter be transferred to the Gift-tax Officer under section 7-B of the Gift-tax Act, 1958.

M. A. SUBRAMANIAM, Commissioner of Gift-tax, Kcrala-II

Ernakulam

	INCOME-TAX		- <sub>1</sub>	2		4
0.	RDER NO. 5/76-77					operations in
C No. 1(9)/GL/76-77—In exercise of the powers conferred on him under sub. section (1) of section 124, of the Incometax Act, 1961 (Act 43 of 1961) and in supersession of all the Notification u/s. 124(1) issued in this behalf from time. to time. I, the Commissioner of Incometax, Kerala-II, Cochin-682016, hereby directs that with effect from the forenoon of 16th November, 1976, the Incometax Officer specified in column 3 of the schedule appended hereto shall perform the functions of an Incometax Officer within the area noted in column 4 in respectof the persons of classes of persons noted in column 4 thereof:  SCHEDULE					the territoria jurisdiction of Income-tax curcles at Mattancherry, All waye and Kotta yam.  (2) All person whose cases may hereinafter be transferred to the Income-ta:	
	Designation of the Income-tax Officer	Area of jurisdiction				Officer under section 127(1' of the Income- tax Act, 1961
= ;	Income-tax Officer, ( Survey Circle, Ernakulam.	(1) All new assesses discovered in the course of survey			Commissione	M. A. SUBRAMANIAM, er of Income-tax Kerala II Ernakulam

#### FORM ITNS----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPICTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th December 1976

Ref. No. AP 1637/76-77.--Whereas, I, RAVINDER KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule

situated at Model Town, Jullandar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in May 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruments of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Karnain Singh S/o Sh. Punjab Singh, of Vill. Mallan.

(Transferor)

(2) Sh. Rameshwar Dass S/o Sir Gur Prashad, 612-R Model Town, Jullundur.

(Transferee)

(3)  $\Delta_8$  per S. No. 2 above [Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 612-I. Model Town, Jullundur as mentioned in Registration Deed No. 375 of Registering Authority, Jullundur registered in May, 1976.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 14-12-1976

#### FORM ITNS----

 Shri Gurjit Singh, s/o Shri Naunihal Singh of Kotkapura.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Hans Raj s/o Shri Chanan Ram of Kotkapura.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
[Person in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 13th December 1976

Ref. No. FDK/89/76-77.-Whereas, I. V. R. SAGAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, situated at Jalalan Road, Kotkapura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Faridkot in April 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of

such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the

object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 133 of April, 1976 of the Registering Authority, Faridkot.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 13-12-1976

<del>--</del> -...---

#### FORM ITNS-

#### NOTICF UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 13th December 1976

Ref. No. FDK/90/76-77.—Whereas, 1, V, R, SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land, situated at Jalalon Road, Korkapura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Faridkot in April 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Bachittar Singh s/o Sh. Hazora Singh, Sh. Surjit Singh and Sh. Bachittar Singh, Shri Jagir Singh s/o Bagga Singh of Kotkapura.

(Transferors)

(2) Ketkapura Cotton Ginning & Pressing Factory, Kotkapura.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
  [Person in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property,

  [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 89 of April, 1976 of the Registering Authority, Faridkot.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amrasar

Date: 13-12-1976

 S/Shri Jagroop Singh and Darshan Singh, ss/o Shri Tara Singh, r/o V. Kothey Warring, P.O. Kotkapura,

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 13th December 1976

Ref. No. FDK/91/76-77.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land, situated at Kotkapura

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Faridkot in April 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or x<sup>2</sup>;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) M/s Asa Singh Cotton Factory, Kotkapura.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any,
  [Person in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property.

  [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 18 of April. 1976 of the Registering Authority, Faridkot.

V. R. SAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amrikan

Date: 13-12-1976

Scal:

#### FORM ITNS\_\_\_\_

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 13th December 1976

Ref. No. FDK/92/76-77.-Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land. situated at Kotkapura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridkot in April 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisiton of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
12—396GI/76.

 S/Shri Jagroop Singh and Darshan Singh ss/o Shri Tara Singh, V. Kothe Warring, P.O. Kotkapura.

(Transferors)

(2) M/s Friends Cotton Press, Kotkapura.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above and tenant(8), if any.
  [Person in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property.

  [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 16 of April, 1976 of the Registering Authority, Faridkot.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 13-12-1976

Scal;

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### S/Shri Gurmail Singh, Gurbachan Singh, Major Singh, Harbans Singh, Nazir Singh ss/o Shri Niranjan Singh V. Kothe Warring, P.O. Kotkapura.

(Transferors)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 13th December 1976

Ref. No. FDK/93/76-77.—Whereas, J, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land, situated at Kotkapura

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridkot in April 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-tection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) M/s Asa Singh Cotton Factory, Kotkapura.

(Transferce)

- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
  [Person in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property.

  [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 17 of April, 1976 of the Registering Authority, Faridkot.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsur

Date: 13-12-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 13th December 1976

Ref. No. MGA/94/76-77.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land, situated at Tehsil Road, Moga

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Moga in April 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrì Gurtej Singh s/o Shrì Gajinder Singh s/o Shrì Rajinder Singh r/o Bhai Toli, Moga.

(Transferors)

(2) Sh. Kartar Singh Ramgaria s/o Sh. Sunder Singh s/o Sh. Jagat Singh c/o Motor Engineering Works, Tehsil Road, Moga,

(Transferce)

- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
  [Person in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property.

  [Person whom the undersigned knows to be interested in property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 197 of April, 1976 of the Registering Authority, Moga.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 13-12-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 13th December 1976

Ref. No. MOGA/95/76-77.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land, situated at Gandhi Road, Moga

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Moga in April 1976

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S/Shri Bhisham Dev, Piare Lal, Prcm Parkash, Om Parkash ss/o Shri Hans Raj s/o Shri Prithi Mal, r/o Moga Mandi.

(Transferors)

(2) Shri Harbans Lal s/o Shri Dhirat Ram u/o Shri Sita Ram, Malva Hosiery, Gundhi Road, Moga.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s), it any.
  [Person in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property.

  [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: ---The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 66 of April, 1976 of the Registering Authority, Moga.

V. R. SAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 13-12-1976

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th December 1976

Ref. No. FZK/96/76-77.—Whereas, I. V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, situated at V. Panchanwali

Land, situated at V. Panchanwali (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Fazilka in April 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Wallu Ram s/o Shri Karam Chand of V. Panchanwali through Shri Munshi Ram Ad. son of Shri Nathu Ram of Fazilka.

(Transferor)

(2) Shri Kharati Lal s/o Shri Labh Chand of Abohar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.

  [Person in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property.

  [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisiton of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 271 of April, 1976 of the Registering Authority, Fazilka.

V. R. SAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 15-12-1976

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th December 1976

Ref. No. FZK/97/76-77,—Whereas, I. V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, situated at V. Panchanwali (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 Officer at (16 of 1908) in the office of the Registering Fazilka in April 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Wallu Ram s/o Shri Karam Chand of V. Panchanwali through Shri Munshi Ram Ad. son of Shri Nathu Ram of Fazilka.

(Transferor)

(2) Shri Ravinder Kumar s/o Shri Kashmiri Lal s/o Shrl Kalu Ram of Abohar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
  [Person in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property.

  [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 272 of April, 1976 of the Registering Authority, Fazilka.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 15-12-1976

NOTICE UNDER SECTION 260(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 15th December 1976

Ref. No. FZK/98/76-77.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, situated at V. Panchanwali

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Fazilka in April 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the isue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Wallu Ram s/o Shri Karam Chand s/o Shri Santa Ram of V. Panchanwali.

(Transferor)

(2) Shri Raj Paul s/o Shri Nanak Chand of Abohar.

(Transferce)

- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any.
  [Person in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property.

  [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 275 of April, 1976 of the Registering Authority, Fazilka.

V. R. SAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 15-12-1976

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 15th December 1976

Ref. No. FZK/99/76-77.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land, situated at V. Panchanwali

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Fazilka in April 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction o revasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Wallu Ram s/o Shri Karam Chand s/o Shri Santa Ram of V. Panchanwali.

(Transferor)

(2) Sh. Ashok Kumar 8/0 Shri Kashmiri Lal 8/0 Shri Kalu Ram of Abohar.

(Transferce)

- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
  [Person in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property.

  [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 274 of April, 1976 of the Registering Authority, Fazilka.

V. R. SAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 15-12-1976.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER

OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi-110001, the 15th December 1976

Ref. No. [AC/ΛCQ.III/SR.III/Λpril/500(2)/76-77/4478.—Whereas, I, S. C. PARIJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

6464, Gali No. 2-3, Block-8,

situated at Dev Nagar, Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on 28-4-19-76,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D .of the said Act, to the following persons, namely:—

13-396GI/76

(1) Smt. Basant Kaur Wd/o S. Natha Singh, F-5/1 Vasant Vihar, New Dclhi.

(Transferor)

(2) Shri Hari Chand S/o Sh. Durga Parshad, R/o H. No. 6551 Gali No. 1, Block 9-B, Dev Nagar, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

H. No. 6464 Ward No. 16, measuring 82 Sq. yds. Block No. 8-B situated in Bagh Raoji, Dev Nagar, Block No. 8, Gali No. 2-3, Karol Bagh, New Delhi and bounded as under :—

North: Gali and passage

South : Gali East : House

West: House on Plot No. 54.

S. C. PARIJA Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi.

Date: 15-12-1976

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 18th Decomber 1976

Ref. No. CHD/20/76-77.—Whereas I, G. P. SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. S.C.O. Plot No. 829-830, situated in Sector 22A, Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

- (1) (i) Shri Kesho Ram s/o Shri Lorinda Ram R/o H.No. 17, Sec. 19A, Chandigarh.
  - (ii) Shri Jai Parkash s/o Shri Janki Dass, R/o 7, Timber Market, Chandigarh.

    (Transferor)
- (2) (i) Smt. Pritam Kaur w/o Shri Daulat Ram,
  - (ii) Smt. Harbhajan Kaur w/o Shri Roshan Lal,
  - (iii) Shri Parshotam Lel s/o Shri Daulat Ram, Residents of House No. 2219, Sec. 21-C, Chandigrah.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

S.C.O. Plot No. 829-830, Section 22A, Chandigarh. (Property as mentioned in the Registered Deed No. 128 of May, 1976 of the Registering Authority, Chandigarh).

G. P. SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Chandigarh.

Date: 18th December 1976

Scal:

(1) (i) Shri Tara Singh son of Shri Partap Singh No. 279, Industrial Area, Chandigarh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) (i) Shri Gulzar Singh son of Shri Rullia Singh No. 4, Transport Area, Chandigarh.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH,
156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 18th December 1976

Ref. No. CHD/21/76-77.—Whereas, I, G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/5th share in Transport Site No. 4 alongwith construction situated in Transport Area, Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/5th share in Transport Site No. 4, alongwith Construction, Transport Area, Chandigarh.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 134 of May, 1976 of the Registering Authority, Chandigarh).

G. P. SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Chandigarh

Date: 18th December 1976

#### FORM ITN9-

 Shri Ram Singh s/o Sh. Harnam Singh, No. 279, Industrial Area, Chandigarh.
 (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Shiv Kumar s/o Sh. Balak Ram, No. 4, Transport Area, Chandigarh.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 18th December 1976

Ref. No. CHD/22/76-77.—Whereas, I, G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/5th share in Transport Site No. 4, alongwith construction, situated in Transport Area, Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred under

the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chandigarh in May, 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/5th share in Transport Site No. 4, alongwith construction in Transport Area, Chandigarh.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 135 of May, 1976 of the Registering Authority, Chandigarh).

G. P. SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Chandigarh

Date: 18th December 1976

Scal:

Shri Ajit Singh s/o Shri Phumman Singh, No. 279, Industrial Area, Chandigarh.

(Transferor)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH, 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 18th December 1976

Ref. No. CHD/23/76-77.—Wheras, I, G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 1/5th share of Plot No. 4, along with construction, situated at

in Transport Area, Chandigarh,

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(2)S/Shri

(i) Shiv Kumar Sharma s/o Shri Balak Ram,
(ii) Gulzar Singh s/o Sh. Rullia Singh,
(iii) Bachan Singh s/o Sh. Chandan Singh,
(iv) Jai Narain s/o Shri Lakhi Ram,

Residents of No. 4, Transport Area, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/5th share of Plot No. 4, alongwith construction in Transport Area, Chandigarh.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. of May, 1976 of the Registering Authority, Chandigarh).

> G. P. SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Chandigarh,

Date: 18th December 1976

#### FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 18th December 1976

Ref. No. CHD/34/76-77.-Whereas, I, G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rt. 25,000/- and bearing No.

1/4th share in Plot No. 4, alongwith construction, situated in Transport Area, Chandigarh,

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 1976 for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Shiv Kumar s/o Shri Balak Ram Sharma, No. 4, Transport Area, Chandigarh.

(Transferor)

(2) S/Shri

(i) Chaman Lal s/o Sh. Amar Dass R/o HNo. 3381, Sec. 27-D, Chandigarh.

(ii) Gurdev Singh s/o Sh. Bachan Singh R/o No. 279, Industrial Area, Chandigarh.
(iii) Smt. Jaswant Kaur W/o Sh. Gulzar Singh R/o No. 691, Industrial Area, Chandigarh.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made i nwriting to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/4th share in Plot No. 4 alongwith construction in Transport Area, Chandigarh

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 288 of July, 1976 of the Registering Authority, Chandigarh).

> G. P. SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquiistion Range, Chandigarh

Date: 18th December 1976

#### FORM ITNS ---

(1) Sant Nahar Singh Chela Sant Attar Singh R/o Mastuana, Distt. Sangrur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Avtar Singh s/o Shri Bakhshish Village Tunga, Teh. & Distt. Sangrur. Singh, Jat, (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Chandigarh, the 18th December 1976

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. SNG/1/76-77.-Whereas, I, G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh.

> EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

### THE SCHEDULE

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property), having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land measuring 6 Bighas & Biswa out of Khata

Chapter,

Land measuring 6 Bighas 104 Biswa situated at Village Tunga, Teh. & Distt. Sangrur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

> 43, 44, 46 Khasra No.  $\frac{76}{2-0}$  min,  $\frac{77}{2-0}$ , min, -2-17

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sangrur in May, 1976

> ¬mln, 0 - 16Khasra No. —-min, 1-3 situated at Village Tunga. Tehsil and Distt. Sangrur

for an apparent consideration

Khata No. -min

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the

> (Property as mentioned in the Registered Deed No. 133 of May, 1976 of the Registering Authority, Sangrur).

said instrument of transfer with the object of :--

G. P. SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Iucome-tax Acquisition Range, Chandigarh

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 18th December 1976

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 18th December 1976

Ref. No. SNG/2/76-77.—Whereas, I, G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land measuring 6 Bighas 1/4 Biswa situated at Village Tunga, Tch. & Distt, Sangrur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Sangrur in May, 1976, for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair

market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

(1) Sant Nahar Singh Chela Sant Attar Singh, Resident of Mastuana, Distt. Sangrur.

(Transferor)

(2) Shri Mukhtiar Singh s/o Shri Bakhshish Singh, R/o Tunga, Teh. & Distt. Sangrur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

6 Bighas  $\frac{1}{4}$  Biswa land out of Khata No.  $\frac{13}{43,44,46}$  Khasra No's  $\frac{76}{2 \cdot 0}$  min,  $\frac{77}{2 \cdot 0}$  min,  $\frac{339}{1 \cdot 11}$ ,  $\frac{413}{413}$ ,  $\frac{340}{3 \cdot 18}$ ,  $\frac{341}{1}$ ,  $\frac{356}{3 \cdot 16}$ ,  $\frac{357}{4 \cdot 0}$ ,  $\frac{78}{1}$ ,  $\frac{0 \cdot 10}{59}$  Khata No.  $\frac{80 \text{ min}}{1 \cdot 3}$ ,  $\frac{78}{2}$ ,  $\frac{79}{0 \cdot 14}$  min.  $\frac{0 \cdot 16}{1}$ 

situated at village Tunga Tchsil & Distt, Sangrur,

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 134 of May, 1976 of the Registering Authority, Sangrur).

G. P. SINGH
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Chandigarh

Date: 18th December 1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH, 156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 18th December 1976

Ref. No. SNG/3/76-77.—Whereas, I, G. P. SINGH, Inspecting Assitant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 12 Bighas & Biswa situated at Village Tunga, Teh. & Distt. Sangrur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Sangrur in May, 1976,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of апу income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

14-396GI/76

(1) Sant Nahar Singh Chela Sant Attar Singh, R/e Mastuana, Distt. Sangrur.

(Transferor)

(2) Shri Sansar Singh s/o Shri Bakhshish Singh Jat, Village Tunga, Teh. & Distt. Sangrur. (Transferce)

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever neriod expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 12 Bighas & Biswa out of Khata No. Khasra No.  $\frac{76}{2-0}$ min,  $\frac{77}{2-0}$ min,  $\frac{339}{1-11}$ ,  $\frac{1001}{413}$ ,  $\frac{340}{3-18}$ 339 1001 340 341 78 59 — mio, Khata No. — , Khasra No. 123, 127 0-16

situated at Village Tunga, Teh. & Distt. Sangrur (Property as mentioned in the Registered Deed No. 136 of May, 1976 of the Registering Authority, Sangrur).

> G. P. SINGH. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Chandigarh

Date: 18th December 1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIEEIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 18th December 1976

Ref. No. BNL/1/76-77.—Whereas, I. G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

land measuring 40 Kanals situated at Village Dhanaula Kalan, Teh. Barnala, Distt. Sangrur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Barnala in April, 1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Jit Kaur D/o Shri Rullia Singh through Shri Rajinder Singh, s/o Shri Narain Singh, R/o Village Dhanaula Kalan, Teh. Barnala, Distt. Sangtur.

(Transferor)

(2) S/Shri Jit Singh & Hakam Singh ss/o Shri Ganda Singh, Village Dhanaula Kalan, Teh. Barnala, Distt. Sangrur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 40 kanals comprised in Khata

No. 259, Killa Nos. 259, Killa

as per jamabandi 1973-74 situated at Village Dhanaula Kalan, Teh. Barnala, Distt. Sangrur.

(Property as mentioned in Registered Deed No. 104 of April, 1976 of the Registering Authority, Barnala).

G. P. SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquistion Range, Chandigarh

Date: 18-12-76.

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 18th December 1976

Ref. No. BNL/2/76-77.—Whereas, I, G, P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chaudigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land measuring 38 Kanals 7 Marlas situated at Village Dhanaula Kalan, Teh. Barnala (Sangrur) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the subject of:—

(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Barnala in April, 1976,

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1927 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following, persons, namely:—

 Smt. Jit Kaur D/o Shri Rullia Singh through Shri Rajinder Singh s/o Shri Narain Singh, R/o VPO Dhanaula Kalan, Teh. Barnala, Distt. Sangrur.

(Transferor)

(2) Sh. Ganda Singh s/o Sh. Narain Singh, VPO Dhanaula Kalan, Teh. Barnala, Distt. Sangrur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 38 Kanals 7 Marlas comprised

in Mustitil No. 259, Khata No.  $\frac{1145}{2053}$ 

Killa No. 
$$\frac{14}{8-0}$$
,  $\frac{17}{1}$ ,  $\frac{18}{1}$ ,  $\frac{19}{8-0}$ ,  $\frac{20}{6-12}$ 

$$\frac{22}{2}$$
 &  $\frac{22}{6-11}$  as per jamabandi 1973-74

situated at V. Dhanaula Kalan, Teh. Barnala, Distt. Sangrur

(Property as mentioned in Registered Dead No. 105 of April 1976 of the Registering Authority, Barnala).

G P. SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Chandigarh

Date: 18-12-76.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH

Chandigarh, the 18th December 1976

Ref. No. BGR/3/76-77—Whereas, I, G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to

as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 84, D.L.F. Industrial Estate No. 1, situated at Mewla

D.L.F. Industrial Estate No. 1, situated at Mewla Maharajpur, Faridabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabgarh in April, 1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the subject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Principal Officer, M/s. Steel Fabrication & Construction Co., Faridabad.

(Transferor)

 Principal Officer, M/s. Peoples' Publishing House (P) Ltd., 5E, Rani Jhansi Road, New Delhi-13.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 84, measuring 2488.75 sq. metres, D.I..F. Industrial Estate No. 1, Mewla Maharajpur, Faridabad bounded as under:—

North: Nalah and service lanc.

East: Plot No. 85 West: Plot No. 83 South: Road

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 401 of April, 1976 of the Registering Officer, Ballabhgarh.)

G. P. SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date: 18-12-76.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH

Chandigarly, the 18th December 1976

Ref. No. HSR 13 176-77.—Whereas, I, G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Chandigath,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

land measuring 5 Kanals 11 Marlas situated near 6th K. M. Stone, Delhi Road, Hissar,

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hissar in May 1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) S/Shri

Onkar Mal s/o Shri Tansukh Rai,
 Satish Kumar s/o Shri Ram Richhpal,

Devinder Kumar s/o Shri Onkar Mal &
 Smt. Sandhya W/o Shri Rajender Prasad,
 R/o Delhi Road, Hissar.

(Transferor)

(2) Shri Balbir Singh Goyal s/o Shri Rameshwar Dass, R/o 24-Badrikeshwar, 88-Marine Drive, Bombay-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 5 Kanals 11 Marlas comprising in Khasra

	5489	5490	5491	5492	
Nos.	———,	<del></del> ,		&	situated
	2	2	2	2	near 6th
-					
	0-10	2-14	0-18	1-9	
35 3 5	C1	D. H.: D - 1	TT:		

K.M. Stone, Delhi Road, Hissar,

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 255 of May, 1976 of the Registering Authority, Hissar.

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigath.

Date: 18-12-76

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 18th December 1976

Ref. No. HSR/4/7677.—Whereas, I, G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. All construction in property known as Mittal (Rubber) India, situated near 6th K.M. Stone, Delhi Road, Hissar, (and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hissar in May 1976,

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

S/Shri

- 1. 2. Onkar Mal s/o Shri Tansukh Rai. Satish Kumar s/o Shri Ram Richhpal, Smt. Sandhya W/o Shri Rajender Prasad, Mahadev Prasad s/o Shri Rameshwar Dass,
- Satish Kumar s/o Shri Putan Mal, Vijay Kumar s/o Shri Puran Mal,
- Smt. Gomti Devi W/o Shri Mahadev Parshad Smt. Vidya Devi W/o Shri Raj Kumar & Sh. Devinder Kumar s/o Sh. Onkar Mall.
- R/o Delhi Road, Hissar,

(Transferor)

(2) Shri Balbir Singh Goyal, s/o Shri Rameshwar Dass, R /o 24-Eadrikeshwar, 88-Marine Drive, Bombay-2.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All construction in property known as Mittal (Rubber) India consisting of office alongwith verandah, 24 labour quarters, two factory sheds, partly constructed wall enclosures for shed, compound wall and entrance gate, situated near 6th Kilometre Stone on Delhi Road, Hisar,

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 256 of May, 76 of the Registering Authority, Hisar).

> G. P. SINGH, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

Date: 18-12-76,

#### FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-V
SMT. KGMP. AYURVEDICK HOSPITAL BLDG,
5TH FLOOR, NETAJI SUBHASH ROAD,
BOMBAY-400 002

Bombay-400 002, the 15th December 1976

Ref No. Acqn.Range-IV/AP.239/76-77.—Whereas, I. G. A. JAMES.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tay Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

Survey No. 82, Old Plot No. 17, New Plot No. 31

situated at Versova Village

(and more fully described in the

Schedule ganexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer at

Bombay on 8-4-1976,

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Western Rolling Mills Pvt. Ltd., K. Parikh House, 47 P. D'Mello Road, Bombay-400 009.

(Transferor)

(2) M/s, Bombay Warehousing Co. Pvt. Ltd., K. Parikh House, 47 P. D'Mello Road, Bombay-400 009.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Undivided half share in all that piece of land bearing Old Plot No. 17 and New Plot No. 31 bearing Survey No. 82 at Village Versova, Taluka Andheri, Greater Bombav, admeasuring 4334 sq. yards (3623 sq. mts.) and in the Books of the Collector of Land Revenue under Survey No. 82 and in the Books of the Collector of Municipal Rates and Taxes under 'B' Ward No. 7130 and street No. 31 and bounded as follows: that is to say on or towards the East by the Road known as Versova Road, on or towards the West by the Sea Coast, oh or towards the North by the Piot No. 62 and on or towards the South by the Plot No. 80.

G. A. JAMES,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Bombay.

Date: 15-12-1976.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,

SMT, KGMP. AYURVEDICK HOSPITAL BLDG. 5TH FLOOR, NETAJI SUBHASH ROAD, BOMBAY-400 002

Bombay-400 002, the 15th December 1976

Ref. No. AR-I/1597:2/APR.76.—Whereas, I, V. R. AMIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S.N. 187, S.N. 22, S.N. 226 H. No. 3 situated at Bandra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 1-4-1976

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Weakh-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Provident Investment Co. P. Ltd.

(Transferor)

(2) Zephyr Co-op. Housing Society Ltd.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Firtly: All that piece or parcel of Government leasehold land together with the measuage tenement of dwelling house standing thereon known as Balmoral Hall situate at Bandra in the Bombay suburban District and in the Registration Sub-District of Bandra containing by admeasurement three thousand five hundred and seventy eight (3578) square yards equivalent to 2991.63 mtrs the same title more or less and described and particularly denoted as non-agricultural Survey No. 187 in a certain Register deposited with the Collector of Thana and bounded as follows that is to say on or towards the South by the property of Dinshaw Dallas, on or towards the South by the property of Pestonjee Godiwalla, on or towards the East partly by the property of Dinshaw Dalas and 'partly by the property of Deg Manvel Jacin, on or towards the West by the Hill Road.

Secondrly: All that piece or parcel of land situate at Hill Road, Bandra, in the Registration Sub-District of Bandra District Bombay Suburban and containing by admeasurement One thousand one hundred and ninety seven (1197) square yards or thereabouts be the same title more or less equivalent to 1000.83 sq. mtrs. and bearing part of Revision Survey No. 22 and Old Survey No. 280 and bounded on or towards the North partly by the property of Deg Manval Jacin and partly by Pavlu Ghosel, on or towards the South partly by the property of Dinshaw Dallas Vakil and partly by Pestonice Asavaid, on or towards the East by the Prop. perty of Dr. Souz Mahimwalla and on or towards the West by the property first described herein.

Thirdly: ALL THAT piece or parcel of land or ground together with the trees standing thereon lying and being and situated at Bandra in the Registration Sub-District Bandra and District of Bombay Suburban admeasuring according to the Revenue corrected records 17 gunthas (2057 square vards equivalent to 1720 sq. mtsrs.) Survey No. 226 Hissa No. 3,

V. R. AMIN Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay

Date: 15-12-1976.

(1) The Great Eastern Shipping Co. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
SMT. KGMP. AYURVEDICK HOSPITAL BLDG.
5TH FLOOR, NETAJI SUBHASH ROAD,
BOMBAY-400 002

Bombay-400 002, the 15th December 1976

Ref. No. ARI/1605.10/AR.76.—Whereas, I. V. R. AMIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

and bearing
No. 1/358 CS No. 362 of Mulabar & Chumballa Hill Division
situated at Napeansea Road

(and more fully described in the Schedule)

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 14-4-76,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

15-396GI/76

(2) The Great Eastern Co. HSL.

(Transferee)

- (3) 1. Shri Anand Zaveri & Miss Shyama Sarabhai.
  - 2. Shri Moorad Y. Fazalbhoy.
  - 3. Miss Nasreen Y. Fazalbhoy.
  - Shri Mulchand Manilal Shah & Mrs. Sushila Mulchand Shah.
  - 5. Shri Pravinchandra P. Thakker.
  - Shri Sumant V. Chandavarkar & Smt. Sumana S. Chandavarkar.
  - 7. Lady Vatsalabai Chandavarkar.
  - 8. Shri Prem Kumar Kapur & Mrs. Kiran P. Kapur
  - 9. Shri Puranchand C. Mehra.
  - 10. Shri Rasiklal Jayantilal Madia.
  - 11. Shri Sukhlal S. Parekh.
  - 12. Shri Sanjeev Mukherjee.
  - 13. Shrl Sam D. Motashaw.
  - 14, Smt. Uma Dhawan,
  - 15. Shri Pranav N. Parikh.
  - Shri Shital Prasad Jain, Mrs. Promod Jain & Mr. Mukul Jain
  - 17. Dr. K. Raghuram Shetty & Mrs. Shalini R. Shetter
  - Shri Ashok B. Garware & Smt. Sushma A. Garware.
  - Shri Mangaldas R. Kapadia & Mr. Rajesh M. Kapadia.
  - 20. Dr. Ranjit Nanubhai Majumdar.
  - 21. Shri Anil Chinubhai Kilachand.
  - 22. Smt. Lajja Malhotra & Mr. V. P. Malhotra.
  - 23. Dr. Chandrakanth G. Saraiya & Smt. Annie Saraiya,
  - 24. Shri Bipin M. Patel & Smt. Sudha B. Patel
  - Smt. Soni Malhotra & Mr. Surinder Nath Malhotra.
  - 26. Shri Brij Mohan Khanna.
  - 27. Shri Shiv Kumar Khanna.
  - 28. Shri Harshad Fulchand Sheth.
  - 29. Smt. Veena Malhotra & Mr. R. K. Malhotra.
  - 30. Shri Ved Prakash Agarwal.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person Interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Firstly all that piece or parcel of land together with the buildings and structures standing thereon situate at Nepean Road, Malabar Hill in the City and Registration Sub-District of Bombay and containing an area of 5149 square mts. or thereabouts and bearing New Survey No. 4/7166 and Cadastral Survey No. 362 of Malabar and Cumballa Hill Division and assessed by the Assessor and Collector of Municipal Rates and Taxes under D Ward Nos. 3277(1) and 3277(2) and Street No. 13-15 and 11 and 10 Nepean Road and bounded as follows that is to say on or towards the North by a passage on or towards the East by the property of H.E.H. The Nizam of Hyderabad and on or towards the South and West by Nepean Road aforesaid.

Secondly: All that piece or parcel of land together with the buildings and structures thereon situate at Nepeah Road Malabar Hill in the City and Registration Sub-District of Bombay and containing an area of 256 square mts or thereabout and bearing New Survey No. 1/7168 and Cadastral Survey No. 1/358 of Malabar and Cumballa Hill Division and assessed by the Assessor and Collector of Municipal rates and taxes under D Ward No. 3271 formerly Street No. 19 but now St. No. 14 Nepean Road and bounded as follows, that is to say, on or towards the North by Nepean Road beyond that by the property first hereinabove described on or towards the East by the property of Sir Cowasji Jchangir part on or towards the south by a water course of Nala and on or towards the west by the property of the Trustees of Bai Dhunbai's Will.

V. R. AMIN.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Runge-I, Bombay.

Date: 15-12-1976.

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I,

SMT. KGMP. AYURVEDICK HOSPITAL BLDG 5TH FLOOR, NETAJI SUBHASH ROAD, BOMBAY-400 002

Bombay-400 002, the 15th December 1976

Ref No. ARI/1607-12/An.76.—Whereas, I, V. R. AMIN, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

CS No. 1/724 & 1/738 of Malbar & Cumballa Hill Division situated at Carmichael Road.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 14-4-1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Baichandabai B. Daga & Shankarlal Ramnath Daga.
  (Transferor)
- (2) R. G. Builders Pvt. Ltd.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground of Pension and Tax Tenure (since redeemed) together with the bungalow, messuages, tenements or dwelling houses standing thereon situate lying and being at Carmichael Road without the Fort of Bombay in the Registration Sub-District of Bombay containing by admeasurement 2943 sq yds. equivalent to 2460.70 sq, mtrs. or thereabouts be the same little more or less and registered in the Books of Collector of Land Revenue under New No. 2941, Old Survey No. 81A piece of 405 sq. yds. being part of the said total area New Survey No. 7086 (part) and Cadastral Survey No. 1/724 of Malabar and Cumballa Hill Division and the remaining area of 2532 sq. yds. bears New Survey No. 7087 (part) and Cadastral Survey No. 1/738 of Malabar and Cumballa Hill Division and bounded as follows: that is to say on or towards the East by the property formerly of Maneckji Petit Mills bearing CS. No. 1/725 of Malabar and Cumballa Hills Division. On or towards the West by Carmichael Road, or towards the South by the property previously belonging to Khandelwal being Plot No. 7 and bearing C.S. No. 703 (part) of Malabar and Cumballa Hill Division and which said premises are assessed by the Collector of Municipal Rates and Taxes under No. 10 (D), Ward No. 3451 (1) and Street No. 13.

V. R. AMIN,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 15-12-1976.

Seal:

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

SMT, KGMP. AYURVEDICK HOSPITAL BLDG. 5TH FLOOR, NETAII SUBHASH ROAD, BOMBAY-400 002

Bombay-400 002, the 15th December 1976

Ref. No. AR-I/1638-2/Apr.76.—Whereas, I, V. R. AMIN. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter

referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

CS No. 1/836 of Mahim Division situated at Lady Jamshedji Rd.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 22-4.76,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent coansideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfers with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) )M/s. National Builders.

(Transferor)

(2) M/s. Owners Ind. Prem. Co-op, Society Ltd.

(Transferee)

(3)

Area	Sr. No.	Unit No.	Name of the Unit holders	Amount Received
540	1	1	M/s. Mojilal & Co.	27,000
494	1 <b>A</b>	2	M/s. Mojilal & Co.	26,000
590	2	3	Shri Felix Weisinger, Shri Francis Lawrence Mas- carenhas & Shri Gratian J. Mascarenhas.	
590	3	4	Smt. Ronuka L. Duragani	18,400
495	4	5	Shri Lachman Gulabrai Durgani	16,382
180	4A	Garage	Shri Lachman G, Durgani	4,000
654	5	6	Smt. Amina Begum Moulvi Shamsuddin and Smt. Sughra Begum	26,000

Атса	Sr. No.	Unit No.	Name of the Unit holder	Amount Received			
593	6	7	M/s. A.C.E. Electronics	28,500			
593	7	8	M/s. Mutual Printing Works	25,000			
593	8	9	Shri Shankar Anand Chandayarkar	28,600			
528	9	10	ShriiRasiklal Maneklal Desai	18,500			
576	10	101	Shri Manghram Lilaram Lakhiani	j			
530	10A	102	Shri Mangharam Lilaram Lakhiani	34,771			
626	11	103	Shri Anant Kashinath Sahamate	23,000			
626	12	104	Shri Uttamchand Kanya- sing Kukreja	20,000			
553	13	105	M/s. Amar Stores	20,000			
690	14	106	Shri Mangharam Lilaram Lakhiani	21,000			
629	15	107	Shri Mangharam Lilaram Lakhiani	21,000			
629	16	108	M/s. Industrial Plastics	23,000			
629	17	109	Shri Mohan Issardas Gehani	22,000			
586	18	110	Smt. Parpati Udharam	21,750			
576	19	201	Shri Anil Anant Sahamate & Mrs. Indumati Anant Saha- mate	20,000			
530	20	202	Smt. Jasoti Purshottam- das Narvani	18,000			
626	21	203	Smt. Amina Begum Moulvi Shamsuddin	23,000			
626	22	204	M/s. Orr Kay Bee & Co.	20,000			
553	23	205	Shri Devidas Dewandas	19,750			
690	24	206	M/s. G. A. Electrical Industrics	25,550			
629	25	207	Smt. Ranjana Kishin- Chand Melwani	20,000			
629	26	208	Smt. Vasibai Motiram & Others	22,000			
629	27	209	Smt. Sheeladevi Gordhan das	- 22,000			
586	28	210	M/s. R. Suresh	20,400			
576	29	301	Smt, Ranjana Kishin- chand Melwani	18,100			
530	30	302	Smt. Chandra Jethanand Sawlani	18,000			
626	31	303	Shri Laxman Sadashiv Agaskar & Shri Harish Ravji Malgaokar	23,000			
626	32	304	Smt. Gopi T. Malkani	18,000			
553	33	305	Shri Lachmandas Tek- chand Bathija	20,000			
690	34	306	Shri Shewak Hakumatrai Mirchandani	25,750			
629	35	307	Shri Ramesh D. Nasta	23,000			
629	36	308	Shri Rustom Dinshaw Irani	23,000			
629	. 37	309	Smt. Chandravati Ram- chand	20,500			
586		310	Smt. Rajkumari Ghan- shamdas	21,500			
(Persons in occupation of the property)							

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein us are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

AIL THAT piece or parcel of land or ground of Pension land Tax tenure with structure or structures standing thereon situate lying and being at 40 feet wide road off Lady Jamshedji Road, leading to Pitamber Lane, Mahim, Bombay in the Registration Sub-District of Bombay in the Island of Bombay containing by admeasurement 1591 sq. yds. or 1,330,24 sq. metres or thereabouts and registered in the books of the Collector of Land Revenue under Old No. 21 New No. 3514 Old Survey No. 89 New Survey No. 97 Cadestral Survey No. 1/836 of Mahim Division (being final Plot No. 505 assigned for service Industries in the Town Planning Scheme Bombay City No. III (Mahim Area) and bounded as follows:—that is to say on or towards the North by 40 ft. wide Road off Jamshedji Road, leading to Pitamber Lane, on or towards the South and East by the property belonging to estate of Gabriel John Pereira being final Plot No. 491 of the T. P. Scheme Bombay City No. III (Mahim Area) and bearing C.S. No. 836 of Mahim Division, on or towards the west by the property of Shri Nathji Trust bearing No. 838 of Mahim Division and final plot Nos. 504 and 504D of T.P. Scheme Bombay City No. III (Mahim Area).

V. R. AMIN

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Dato: 15-12-1976.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 296D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-J,
SMT. KGMP, AYURVED HOSPITAL, BLDG.
5TH FLOOR, NETAJI SUBHASH ROAD,
BOMBAY-400 002

Bombay-400 002, the 15th December 1976

Ref. No. A.R.II/2307-1/April 76.--Whereas, I, M. J. MATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sub-Plot No. 61 of Main Plot No. 9/2 S. No. 70 (pt) situated at Juhu Vile Parle Dev: Scheme

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 8-4-76

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Narendrakumar Ratansingh Kanabar, (Transferor)
- (2) Shri Sunil Rasiklal Shah.

(Transferce)

(4) Nutan Laxmi Cooperative Housing Society Ltd.

[Persons whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that piece or parcel of lease-hold land or ground situate lying and being at Juhu Vile Parle Development Scheme (South of Irla Nala) in the Bombay Suburbon District in Greater Bombay and in the Registration Sub-District of Bandra being part of Survey No. 70 of Juhu Village admeasuring 518.33 square yards equivalent to 433.39 square metres or thereabout and bearing sub-plot No. 61 of Main Plot No. 9/2 in the Estate of the Nutan Laxmi Co-operative Housing Society Limited and bounded as follows:—that is to say on or towards the Fast by 40 feet wide road, on or towards the West by Sub-Plot No. 60, on or towards the North by Sub-Plot No. 62 and on or towards the South by Sixty Feet Wide Road.

M. J. MATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bihar, Patna.

Date: 16-12-1976.

(1) Smt. Laxmiben Somabhai Patel.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Pranjivandas Chaturbhuj Valia and Smt. Hiraben Pranjivandas Valia. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

(4) Smt. Nutan Laxmi Cooperative Housing Society Ltd. (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

ACQUISITION RANGE-II, SMT. KGMP, AYURVED HOSPITAL BLDG. 5TH FLOOR, NETAJI SUBHASH ROAD, BOMBAY-400 002.

> (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bombay-400 002, the 16th December 1976

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. A.R.II/2316-1/April/76.-Whereas, I, M. J. Mathan,

1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 19-4-1976,

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

being the Competent Authority under Section 269B the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

in that Chapter.

No. S. No. 70 (pt) Sub Plot No. 31 situated at Juhu Vile Parle Dev Scheme.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

#### THE SCHEDULE

All that piece or parcel of lease-hold land or ground situate lying and being at Juhu Vile Parle Development Scheme (South of Irla Nala) in the Bombay Suburban District in Greater Bombay and in the Registration Sub-District of Bandra being part of Survey No. 70 of Juhu Village admeasuring 800.00 square yards equivalent to 668.88 square metres or thereabouts and bearing Sub-Plot No. 31 in the Estate of Nutan Laxmi Cooperative Housing Society Limited and bounded as follows: that is to say on or towards the East by Plot No. 45 on or towards the West by one hundred feet round on or towards the North by Plot No. 30 and on or towards the South by Plot No. 32. The property bears C.T.S. No. 638 in Juhu Village in the Sub-District Bombay City and Bombay Suburban.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act on the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

M. J. MATHAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 16-12-1976

Scal:

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDBAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 14th December 1976

Ref. No. P.R. No. 499 Acq. 23-888/4-1/76-77.—Whereas, I, P. N. MITTAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

S. No. 137 & 138 situated at Bhadkodra, Ankleshwar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ankleshwar in May, 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisiton of the aforcsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Navnitlal Dahyabhai; self and Karta of Hindu Undivided Family, Goya Bazar, Ankleswer Dist. Broach.

(Transferor)

(2) The Principal Officer, M/s. Shramjivi Paper Mills (P) Ltd. Bhadkodra; Director: Shri Gopalbhai Zaverbhai Patel, Near Sardar Bag, Bardoli, Dist. Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 137 & 138 of village Bhadkodra, Tal. Ankleswer, Dist. Broach, situated on highway No. 8 admeasuring 7 acre 2 gunthas as described in the sale deed registered under registration No. 247/76 registered in the month of May, 1976 by the registering Officer, Ankleswer.

P. N. MIITAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 14-12-1976.

Scal;

#### FORM ITNS----

 Shri Rambhai Waghjibhai Patel; and Chanchalben W/o Rambhai Waghjibhai Patel, Bcdva, Tal. Anand. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (2) Shri Rameshchandra Jivanlal Bhalja; "Paritosh" Opp. Pioneer High School, Anand. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(3) Ground Floor: Supdt. of Post Offices, Anand Division, Anand. First Floor: Transferee.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

(Person in occupation of the property).

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDBAD-380 009.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

Ahmedabad-380 009, the 18th December 1976

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. P.R. No. 500 Acq. 23-814/13-1/76-77.—Whereas, I, P. N. MITTAL,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as

given in that Chapter.

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value excedeing Rs. 25,000/- and bearing

Mun. No. 3/6/37 and 3/6/38 situated at Opp. Pioneer High

School, Anand (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar, Anand in April, 1976

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

#### THE SCHEDULE

Land and Building known as "Paritosh" bearing No. Mun. No. 3/6/37 and 3/6/38 situated Opp. Pioneer High School, Anand, Land admeasuring about 350 sq. mts. and building comprising of a two storeyed structure—area of each floor being about 150 sq. mts. as described in the Sale-deed registered under registration No. 647 in the month of April, 1976 by the Registering Officer, Anand.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 18-12-1976.

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOMETAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 10th December 1976

Ref. No. IZC/ACQ/BPL/76-77/766.—Whereas, I, V. K. SINHA.

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land Kh. No. 19/1, 20 and 27, Land 12.90 acres situated at Koh-I-Fiza, Tah-Huzur, Distt-Bhopal situated at Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 27-4-76,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as

aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid precently by the issue of this notice under subsection (1) o effort 269D of the said Act, to the following persons, name: 1-16—396GI/76

 Smt. Begum Ayasha Sultan W/o Nawab Mohd. Mansur Ali Khan Through her constituted attorney Shri Asadull Khan S/o Shri Suleman R/o Ahmedabad, Bhopal.

(Transferor)

1. Smt. Manorama Khattar W/o Shri Dindayal Khattar 2. Smt. Neelam Khattar W/o Shri Jugesh Khattar.
 3. Smt. Adarsh Khattar W/o Shri Madan Mohan Khattar All R/o Shamla Road, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land Kh. No. 19/1, 20 and 27, Land 12.90 acres situated at Koh-I-Fiza, Tah-Huzur, Distt-Bhopal.

V. K. SINHA,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bhopal.

Date: 10-12-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 14th December 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPI./76-77/778.—Whereas, I, V. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as in the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Nazul Plot No. 8/3, with the building standing thereon Block No. 6, Civil Station, Municipal Committee No. 157, Keoti Ward, Seoni situated at Seoni,

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Seoni on 1-4-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Dewendra Kumar, Shri Rajendrakumar Gupta and Smt. Radha Devi, All R/o Girjakund Ward, Seoni.

(Transferor)

(2) The Nagpur Roman Catholic Diocesan Corporation (Pvt) Ltd., P.T.R. No. D-2, Nagpur.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in ocupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as gvien in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Nazul Plot No. 8/3, with the building standing thereon Block No. 6, Civil Station, Municipal Committee No. 157, Keoti Ward, Seoni.

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 14-12-1976.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 30th November 1976

Ref. No. 30-V/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.

House property situated at Mauja Municipal Bhitar Patty Khasparja Parg Varamandal, Distt. Almora,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Almora on 7-4-76,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Janki Devi, Hira Lal, Subhash Lal, Vinod & Km. Kamla.

(Transferor)

- (2) Shri Vijay Kumar Kapoor, Nand Kishor Kapoor.
  (Transferees)
- (3) Self.

(Person in occupation of the propetry)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House & Agricultural land situated at Mauja Municipal Bhitar Patti Khas Parja Teh & Distt. Almora.

A. S. BISEN,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Lucknow.

Date: 30-11-1976.

(1) Shri Gora Chand Rath.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Bijan Kumar Samal.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, 9, FOREST PARK, BHUBANES-WAR-9.

Bhubaneswar-9, the 10th December 1976

Ref. No. 32|76-77|IAC(A/R)|BBSR|.—Whereas, 1, A. N. MISRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Plot No. 18 situated at Satyangar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhubaneswar on 5-5-1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

PAPIANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The land with building located at Plot No. 18, Satyanagar, Bhubaneswar under the jurisdiction of Sub-Registrar, Bhubaneswar and registered by Sale document No. 3694 dated 5-5-76,

> A. N. MISRA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhubaneswar.

Date: 10-12-76.

Scal:

(1) Shri Purna Ch. Mohapatra.

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 9, FOREST PARK, BHUBANES-WAR-9.

Bhubaneswar-9, the 18th December 1976

Ref. No. 34|76-77|IAC(A/R)|BBSR.—Whereas, I, A. N. MISRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. 213/4111, situated at Unit-1 (Bhubaneswar) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhubaneswar on 21-4-1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Smt. Basanta Kumari Das, W/o Bira Kishore Das.
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisiton of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are difined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The land with building located at Unit-I, Bhubaneswar under the jurisdiction of Sub-Registrar, Bhubaneswar and registered by sale document No. 3137 dated 21-4-76.

A. N. MISRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhubaneswar.

Date: 18-12-76.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 13th December 1976

Ref. No. 58/APR/76-77.—Whereas, I, G. RAMANA-THAN,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. —, situated at Muniappampalayam village Salem Dist. (and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Rasipuram (Doc. No. 465/76), on 26-4-1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market

value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Shrì Vembayee Padayachi, Muniappampalayam 2. Shri Ganesan (minor) by father & guardian Shri Vembayee Padayachi 3. Shrì Sundaram, 4. Shrì Ulaganathan, (minor) by father & guardian Shrì Sundaram, 5. Smt. Pappu, wife of Shri Kandasamy, 6. Smt. Ayee Muthal, W/o Shri Allimuthu Padayachi Seerapalli village, Rasipuram Tq.,

(Transferor)

(2) Shri R. Athiyappan, S/o Ramasamy Gounder, Veerangadu, Pattanam Muniappanpalayam village & Post, Rasipuram taluk.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 4.37 ncres in suvey No. 15/6 (with one well) in Muniappampalayam village, Rasipuram taluk, Salem district.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date: 13-12-1976.

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 14th December 1976

Ref. No. 40/APR/76-77.--Whereas, I, G. RAMANA-THAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R.S. 60/2 & 56/2, situated at Nagalur village, Yercand (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Yercaud (Doc. No. 73/1976), on April 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the sideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri M. S. P. Senthilkumar, Shri Mahesh S. Kumar (minor) by father and guardian Shri M. S. P. Senthilkumar, Virudunagar.

(Transferor)

(2) Shri M. S. P. Rajes, S/o late Shri M. S. P. Nadar, Cauvery Peak Post, Yercaud, Salem District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Undivided 4/10th share in land measuring 349.67 acres known as The Stanmore Estate with all buildings in R. S. No. 60/2 and 56/2, Nagalur village, Yercaud, Salem district (with 4/10 share in standing crops for the 1975-76 season) and amounts due from Coffee Board Bangalore in respect thereof.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date: 14-12-1976.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 14th December 1976

Ref. No. 41/APR/76-77.—Whereas, I, G. RAMANA-THAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

R.S. No. 60/2 & 56/2, situated at Nagalur village, Yercaud (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Yercaud (Doc. No. 85/76), on April, 1976

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Snit. R. Jagathambal, W/o Shii A. S. P. C. Ramasamy Nadar, Virudhunagar.

(Transferor)

(2) Shri M. S. P. Rajes, Cauvery Peak U.O. Yereaud, Salem District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Undivided 1/10th share in land measuring 349.67 acres known as The Stanmore Estate with all buildings in R.S. No. 60/2 & 56/2, Nagalur village, Yercaud, Salem district (with 1/10th undivided share in standing crops for the 1975-76 season), and amounts due from Coffee Board Bangalore in respect thereof.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date: 14-12-1976,

Scal;

(1) Smt. B. Susila, W/o Shri P. N. V. K. Bhagavath Singh, Yercaud, Salem district.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri M. S. P. Rujes, Cauvery Peak P.O. Yercaud, Salem district.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

may be

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

Madras-6, the 14th December 1976

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Ref. No. 42/APR/76-77.—Whereas, I, G. RAMANA-THAN,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

R.S. No. 60/2 & 56/2, situated at Nagalur village, Yercaud,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Yercaud (Doc. No. 75/1976) on April, 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

#### THE SCHEDULE

Undivided 1/10th share in land measuring 349.67 acres known as The Stanmore Estate with all buildings in R.S. No. 60/2 & 56/2, Nagalur village, Yercaud, Salem district (with 1/10th undivided share in standing crops for the 1975-76 season), and amounts due from Coffee Board Bangalore in respect thereof.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. RAMANATHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

17—396GI/76

Date: 14-12-1976.

Scal:

(1) Smt. V. Jayanathi W/o Shri Vivekanandan, Teni, Madurai district.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri M. S. P. Rajes, Cauvery Peak P.O. Yercaud, Salem district.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONFR
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 14th December 1976

Ref. No. 43/APR/76-77.—Whereas, I, G. RAMANA-THAN

being the Competent Authority under Section 269B of the 'Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

R.S. 60/2 & 56/2, situated at Nagalur village, Yercaud (and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Yercaud (Doc. No. 83/1976) on April, 1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisiton of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Undivided 1/10th share in land measuring 349.67 acres known as The Stanmore Estate with all buildings in R.S. No. 60/2 & 56/2, Nagalur village, Yercaud, Salem district (with 1/10th undivided share in standing crops for the 1975-76 season), and amounts due from Cosee Board, Bangalore in respect thereof.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date: 14-12-1976,

(1)) Smt. U. Victory, W/o Shri V. Uthayan, Coimbatore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri M. S. P. Rajes, Cauvery Peak P.O. Yercaud, Salem district.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Madras-6, the 14th December 1976

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 47.MAY/76-77.—Whereas, I, G. RAMANA-THAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

R.S. 60/2 & 56/2, situated at Nagalur village, Yercaud (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Yereaud (Doc. No. 99/1976), on May, 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Undivided 1/10th share in land measuring 349.67 acres known as The Stanmore Estates with all buildings in R.S. No. 60/2 & 56/2, Nagalur village, Yercaud, Salem district (with 1/10th undivided share in standing crops for the 1975-76 season), and amounts due from Coffee Board, Bangalore in respect thereof.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-12-1976.

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 14th December 1976

F. No. 44/APR/76-77.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value excedeing Rs. 25,000/- and bearing No. 3/2 & 3/8, situated at Pattipadi village, Yercaud (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Yercaud (Doc. No. 59/76) on April, 1976, for an aparpent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) 1. Smt| Saraswathi Ammal, W/o Shri P. Radhakrishna Chettiar,
  - Shri R. Chandrasekaran, S/o Shri P. Radbakrishna Chettiar,
  - 3. Shri B. Natarajan, S/o Shri K. Balakrishna Chettiar,
  - 4. Shri N. Shanmugasundaram, S/o
  - Shri Nataraja Chettiar, Shri K. B. Ranganathan, S/o Shri K. Balakrishna Chettiar,
  - Shri Balakrishan S/o Shri Ranganathan,
  - Shri R. Siyakumar (minor) S/o Shri R Shri L
  - 8. Shri 📞 Shu K B
  - Shri R. Kandasamy, S/o Shri P. Radhakrishna Chettiar, Kannankurichi, Salem district.

(Transferor)

- Shri S. N. Subramania Chettiar,
   Shri S. N. Murugappan,
   Ss/o Shri Nachiappa Chettiar,
   Smt. S. N. K. M. Saraswathi Achi, W/o Shri S. N. Kumarappan, Sembanur Village Karalkudi, Ramhad district.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 9 acres 40 cents in survey Nos. 3/8 (5.21 acres) and 3/2 (4.19 acres), Pattipadi village, Yercaud, Salem district (with value of coffee from plantations) of 75-76 season.

> G. RAMANATHAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Madras-6.

Date: 14-12-1976.

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-6

Madras-6, the 14th December 1976

Ref. No. 47/APR/76-77.—Whereas, I, G, RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to belive that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 3/2, 3/8, 3/5 and 3/6, situated at Patttipadi village, Yercaud

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Yercaud (Doc. No. 58/76) on April, 1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such aparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therfore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) 1. Smt. Saraswathi Ammal, W/o Shri P. Radhakrishna Chettiar, 2. Shri R. Kandasamy,

  - 3. Shri R. Chandrasekaran, Ss/o Shri P. Radhakrishna Chettiar,
  - 4. Shri B. Natarajan,

  - Shil B. Natarajan,
     Shri K. B. Ranganathan,
     Shri K. B. Parthasarathy,
     Ss/o Shri K. Balakrishnan Chettier,
     Shri N. Sanmugasundaram,
  - S/o Natarajan, Shri R. Balakrishnan, S/o K. B. Ranganathan,

  - 9. R. Sivakumar (minor)
  - S/o K. B. Ranganathan, Kannankurichi, Salem District.

(Transferor)

- Shri S. N. Subramania Chettiar,
   Shri S. N. Murugappan,
   Ss/o Shri Nachiappa Chettiar,
   Smt. S. N. K. M. Saraswathi Achi, W/o Shri S. N. Kumarappan,
   Sembanur Village Karaikudi,

Ramnad district.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisiton of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 9 acres 45 cents in survey Nos. 3/5 (0.44 acres), 3/6 (2.62 acres), 3/8 (2.18 acres) and 3/2 (4.21 acres), Pattipadi village, Yercaud, Salem district (with value of coffee from plantations) of 75-76 season.

> G. RAMANATHAN, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Madras-6,

Date: 14-12-1976.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 14th December 1976

Ref. No. 50/APR/76-77.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

3/5 & 3/2 situated at Pattipadi village, Yercaud (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Yercaud (Doc No. 57/76) on April, 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the tansferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisiton of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) 1. Smt. Saraswathi Ammal,
  - 2. Shri R. Kandasamy, Shri R. Chandrasekaran,
  - 4. Shri B. Natarajan,

  - 5. Shri K. B. Ranganathan, Shri K. B. Parthasarathy,
  - Shri N. Shanmugasundaram,
  - 8. Shri R. Balakrishnan, 9. Shri R. Sivakumar (mmor) by father & guardian

K. B. Ranganathan, Kannankurichi, Salem district.

(Transferor)

(2) 1. Shri S. N. Subramania Chettiar,

2. Shri S. N. Murugappan,
3. Smt. S. N. K. M. Saraswathi Achi, W/o Shri S. N. Kumarappan, Sembanur Village Karaikudi, Ramhad district.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the underseigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULB

Agricultural lands measuring 9 acres 40 cents in survey Nos. 3/5 (5.21 acres) and 3/2 (4.19 acres), Pattipndi village, Yercaud, Salem district (with value of coffee from plantations). of 75-76 season.

> G. RAMANATHAN. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Madras-6.

Date: 14-12-1976.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 14th December 1976

Ref. No. 53/APR/76 77.—Whereas, I. G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3/6 & 3/2 situated at Pattipadi village, Yercaud (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has

been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regisering Officer at

Yercaud (Doc. No. 56/76) on April, 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market vadue of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therfore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisiton of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) 1. Smt. Saraswathi Ammal,
  - Shri R. Kandasamy,
  - 3. Shri R. Chandrasekaran,
  - 4. Shri B. Natarajan,

  - 5. Shri K. B. Ranganathan,
    6. Shri K. B. Parthasarathy,
    7. Shri N. Shanmugasundaram,
    8. Shri R. Balakrishnan,

  - Shri R. Sivakumar (minor) by father & guardian K. B. Ranganathan, Kannankurichi, Salem dis-

(Transferor)

(2) 1. Shri S. N. Subramania Chettiar,

 Shri S. N. Murugappan,
 Smt. S. N. K. M. Saraswathi Achi, W/o Shri S. N. Kumarappan Sembanur Village Karaikudi, Ramhad district.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisiton of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from date of the publication of this notice in Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 9 acres and 41 cents in survey Nos. 3/6 (5.22 acres) and 3/2 (4.19 acres), Pattipadi village, Yercaud, Salem District (with value of coffee from plantations), of 75.76 season.

G. RAMANATHAN. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I, Madras-6.

Date: 14-12-1976.

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 15th December 1976

Ref. No. 27/APR/76-77.—Whereas, I. G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 367/9 & 368/3 situated at Pudupalayam, Salem district (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Komarapalayam (Doc. No. 474/76) on April 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-ta<sub>X</sub> Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therfeore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri P. Sukhraj,
 S/o. Palani Kavundar,
 Pudupalayam, Sankari taluk.

(Transferor)

(2) Shri Kolandana Kayundar, S/o Velappa Kayundar, Kurukkuparaiyur, Arasiramani, Sankari taluk,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 2.56 acres in survey Nos. 367/9 (0.46 acres) and 368/3 (2.10 acres), Pudupalayam village, Salem district.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I. Madras-6

Date: 15-12-1976.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 17th December 1976

Ref. No. 32/MAY/76-77.—Whereas, I, G, RAMANA-NATHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

S. No. 43/2 situated at Padaveedu village, Salem district. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sankaridrug (Doc. No. 391/76) on May 1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to the disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate precedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
18—396GI/76.

- Shri Nachimuthu Gavundar, S/o Muthu Gavundar, Pachanpalayam, Padayeedu village, Sankari taluk.
  - 2. Smt. Nallammal, W/o Kandasamy Gavundar &
  - 3. Shri K. Palanisamy S/o Kandasamy Gavundar.

(Transferors)

(2) Shri Palani Gavundar, S/o Perumal Gavundar, Kinathukadu, Padaveedu village, Sankari taluk,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Undivided half share (3.83 acres) in land measuring 7.66 acres in survey No. 43/2 with one well in Padavcedu village, Sankari taluk, Salem district.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, Madras-6,

Date: 17-12-1976,

Seal ;

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

#### OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 17th December 1976

Ref. No. 46/MAY/1976.77.—Whereas, I, G. RAMANA-THAN,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. 314/2A situated Sangagiri village, Salem district Ranchi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sankaridrug (Doc. No. 348/76) on May 1976 less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Kedayan (alias) Pacha Kavundar,
  - 2. Shri Muthu Kavundar,
  - 3. Shri Kannupayan,
  - 4. Shii Pachiahnan,
  - Shri Rajupayan (minor by father & guardian Shri Muthu Kavundar,
  - 6. Shri Murugan (minor) by father & guardian Shri Pachiannan,
  - 7. Shri Chinnanna Kavundar,
  - 8. Venkitachalam (minor) by father and guardian Shri Chinnanna Kavundar,
  - 9. Shri Pachan (alias) Chinna Muthu Kavundar,
  - Shri Pachiannan (minor) by father and guardian Shri Pachan,
  - 11. Shri Sembulinga Kavundar,
  - 12. Smt. Pachiammal, W/o Shri Vellayan,
  - 13. Kum. Muthai, (minor) by father & guardian Shri Semulinga Kavundar,
  - 14. Shri Arumugam

Salem district.

- Shri Palani Muthu (minor) by father & guardian Shri Arumugam,
   Iyankattuvalavu, Sangagiri village, Salem District.
   (Transferors)
- (2) Shri Palani Kavundar, S/o Mari Kavundar, Mottayankadu, Sangagiri village,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Undivided 2/3rd share in agricultural lands measuring 6.07 acres (with one well) in Survey No. 314/2A, Sangagiri village, Salem district.

G. RAMANATHAN.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date: 17-12-1976.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th December 1976

Ref. No. RAC No. 201/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

3-6-136/5 (Old 3-6-144/1) situated at Himayatnagar, Hydorabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 21-4-1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apaprent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957) (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice, under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Khadija Begum D/o Saleh Badaam, residing at 3-6-136/5 to 12 at Himayatnagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Razia Begum, W/o Rafiq Mohd. Khan, No. 154 of Nallagutta, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Portion of the land with temporary basement bearing M No. 3-6-136/5 to 12 (Old No. 3-6-144/1) admeasuring 417 Sq. Yards situated at Himyatnagar, Hyderabad, and sold under document No. 730/76 registered in the Office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad on 21-4-1976,

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 10-12-1976.

Scal:

(Transferce)

#### FORM ITNS --

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th December 1976

Ref. No. RAC No. 202/76-77.—Whereas, I, K. S. VEN-KATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

6-1-132 situated at Chinna Bazar, Kothagudem,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kothagudem, on April 1976,

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisiton of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Vandanapu Nagarathnamma, W/o Shri Veeraiah, Kothagudem Maddigudem, Tq. Raghahapuram, Khammam-Dist. (Transferor)
- (2) 1. Sri Tutari Rangaiah, S/o Ramaiah, Maddigudem, Tq. Maddigudem Khammam-Dist.
  2. Tutari Narayana, S/o Ramaiah, R/o Maddigueem, Maddegueem-Tq. Khammam-Dist,

(3) Sri Syed Kaleem & Bros.,
Vegetable merchant, at Kothagudem.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever, period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 6-1-132 situated at Chinna Bazar, Kothagudem, standing on an open plot of land admeasuring about 71 Sq. Mets. registered in the Office of the Sub-Registrar, Kothagudem, as Document No. 265/76 in the F.N. ended 30-4-1976.

K. S. VENKATARAMAN.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 10-12-1976.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th December 1976

Ref. No. RAC No. 203/76-77.—Whereas, I. K. S. VEN-KATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Part of 5-2.655 situated at Kanteshwar Road, Nizamabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Nizamabad on 26-4-1976,

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not

been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri M. Anandam S/o M. Venkatrangayya Garu and Sri I. S. Sharma. S/o Laxmana Garu, I. T. Practitioner, Nizamabad Through their constituted Attorney Sri M. Simhachalam, Nizamabad.

(Transperor)

(2) Sri Thakur Singh, S/o Sri Ramsingh, C/o M/s Ramsingh Mulsingh, Nizamabad,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter;

#### THE SCHEDULE

One room of Madras Terrace roof with open space within compound wall situated on an area of 622 Sq. Yds. part of premises bearing municipal No. 5-7-655 situated at Kanteshwar Road, Nizamabad sold under document No. 467/76, registered in the Office of the Joint Sub-Registrar Nizamabad on 26th April—1976.

Boundaries mentioned hereunder:

East: Kanteshwar Road.

West: Premises of the Vendors.

North: Poice Ground.

South: Building of the Vendors,

K. S. VENKATARAMAN.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 10-12-1976.

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## Sri M. Anandam S/o M. Venkat Rangayya, Sri I. S. Shrma S/o Laxman, both R/o Kanteshwar Road, Nizamabad.

(Transferor)

(2) Sri Gahgadhar Rao, S/o Anant Rao, R/o Magdi Villg. Armoor—Tq. Nizamabad Dist. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th December 1976

Ref. No. RAC No. 204/76-77.—Whereas, I, K. S. VEN-KATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

5-7-655 Part, situated at Kanteshwar Road, Nizamabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nizamabad on 28-4-1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

#### THE SCHEDULE

Madras Terras House, part of the premises bearing Municipal No. 5-7-655 situate dat Kanteshwar Road. Nizamabad admaesurin gabout 480 Sq. Yds Sold under document No. 532/76 registered in the Office of the joint Sub-Registrar of Nizamabad on 28-4-1976,

Boundaries are mentioned hereunder:

South By: Premises of the Vendors (Plot No. 12). North By: Premises of the Vendors (Plot No. 10).

East By: Premises of Vendors.

West By; Premises of the Vehdors (Plot No. 3).

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 10-12-1976.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th December 1976

Ref. No. RAC No. 205/76-77,—Whereas, I, K. S. VEN-KATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Part 5-7-655 situated at Kanteshwar Road, Nizamabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Nizamabad on 28-4-1976

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri Anandam, and Sri I. S. Sharma, I.T. Practitioner, R/o Nizamabad, Through their constituted attorney Sri M. Simhachalam, S/o M. Venkata Rangayya, Nizamabad.

(Transferor)

(2) Sri Chandravadan S/o Gangadhar Rao, R/o Magdi Villg. Armoor—Tq. Nizamabad, Dist. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Tin shed part of the premises bearing M. No. 5-7-655 situated at Kanteshwar Road. Nizamabad admensuring an area of 264.58 Sq. Mts. sold under document No. 533/76 registerd in the Office of the Joint Sub-Registrar of Nizamabad on 28th April 1976.

Boundaries mentioned hereunder;

South By: Road.

North By: Premises of Vendors (Plot No. 4)

East By: Premises of Vendors
West By: Police Head Quarters.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 10-12-1976.

 Sri M. Anandam, S/o M. Vehkat Rangayya, and Sri I. S. Sharma, S/o Laxman, R/o Kanteshwar Road, I.T. Practitioner, Nizamabad.

(Transferor)

(2) Sri Jayaram, S/o Anandam, R/o Marredpally, Secunderabad.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th December 1976

Ref. No. RAC No. 206/76-77,—Whereas, I, K. S. VEN-KATARAMAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

part of 5.7-655 situated at Kanteshwar Road, Nizamabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nizamabad on 28-4-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act,
  in respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purusance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Tin-Shed part of premises M. No. 5-7-655 situated at Kanteshwar Road, Nizamabad, covering an area of 305.65 Sq. Mts. sold under document No. \$34/76 registered in the Office of the Joint Sub-Registrar Nizamabad on 28th April 1976.

K. S. VENKATARAMAN.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 10-12-1976.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 4th December 1976

C. R. No. 62/5943/76-77/ACQ./B.—Whereas, I, M HARI-HARAN,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Premises bearing No. 566, situated at IInd Cross Road, Robertsonpet, KGF, Robert Hobli, Bangarpet Tq. Kilar Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of (1908), in the office of the Registering Officer at Bangarpet, Kolar Dist. Doc. No. 76/76-77 on 8-4-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri M. Rahamathulla Khan, S/o Hajee M. Khader Khan, No. 3, Benson Cross Road, Benson Town, Bangalore-46

(Transferor)

(2) Shrimati Sayadunnisa, W/o S. Hainced Khan, 566. II Cross Road, Robertsonpet, K.G.F. Robertsonpet Hobli, Bangarpet Taluk, Kolar Dist.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 76/76-77 Dated 8-4-1976] All that piece and parcel of building consisting and vacant space, RCC roofing with overhead tank standing on the portion of Khatha No. 523 and assessment No. 566, II Cross, Robertsonpet, K.G.F. on the area measuring East to West 86'8" including the compound in the front, towards West and half right the wall in the Wall which is on the Eastern side to the length of 61' and North to South by 61' on the Eastern side and 66' on the Western side the vacant space on the Western side in the compound measuring East to West by 28 and North to South by 66' and on the Southern Side East to West by 40'6" and North to South by 7' within the above measurement the remaining portion namely East to West 56 ft. and North to South 44 ft, being the building portion and the entire properties bounded on the East by the building of Shri V. Murugan, on the West by IInd Cross Road On the north by Krishnamurthy building and on the south by Lavelle Road with all waterways, drainage and casmentary rights attached thereto.

HARIHARAN, Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Date: 4-12-1976.

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 4th December 1976

C.R. No. 62/5953/76-77/Acg/B.—Whereas, I. M. HARIHARAN,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 79/8, situated at III Block, Jayalakshmipuram, Mysore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Head Quarters Sub-Registrar, Mysore Document No. 65/76-77 on 22-4-1976,

for an apparent consideration which is less fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) 1. Smt. B. R. Radhamani, W/o Sri B. R. Ramaswamy, 2. Sri B. R. Ramaswamy, S/o B. Ramanuja Iyengar, 3. Sri B. R. Nandakishore S/o No. 1 and (2) above, 4. Master B. R. Raghunandan 5, Master B. R. Udayakumar 6, Miss Mythili (Minors) Children of No. 1 & 2 above and represented by their father Shri B. R. Ramaswamy.

All residing at: No. 3622/5, Umarkhayam Road, Mandi Mohalla, Mysore.

(Transferors)

2) Shri S. N. Parthasarathy, S/o Late R. Srinivasa Narasimhachar, No. 212, Narayana Sastry Road, K. R. Mohalla, Mysore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 65/76-77 Dated: 22-4-1976)

property bearing No. 79/8, III Block, Maternity Road, Jayalakshmipuram, Vani Vilas Mohalla, Hospital Road, Jayalakshmipuram, Mysore-2.

Site Area : East to West = 74 ft. North to South = 51½ ft. 3811 Sq. ft.

Plinth: 10 squares as per form No. 37G

Boundries: East: Road, West: Vacant site, North: Road and

South: Private house bearing No. 78/7 belong-

ing to Sri Shivappa.

M. HARIHARAN, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Date: 4-12-1976

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 3rd December 1976

C.R. No. 62/5956/76-77/ACQ/B.—

Whereas, I, M. Hariharan,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Premises bearing No. 45, situated at 4th Cross Road, Gandhinagar, Bangalore-9,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under

the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Gandhinagar, Bangalore, Document No. 90/76-77 on 10-5-76, 10-5-1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Mysore Tin Works, Represented by its partner Shri Manordas Madhavji, No. 1564/3, Nagappa Block, Srirampuram, Bangalore-560 021.

(Transferor)

(2) Shri Jethmal Chordia, S/o Ganeshmal Chordia, 6th Cross, Gandhinagar, Bangalore-560 009.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 90/76-77 Dated 10-5-1976]

Premises bearing No. 45, situated at 4th Cross Road, Gandhinagar, Bangalore-9 being part and parcel of old municipal No. 66/1 and 66/2 (old No. 116 & 117).

Boundries: East = Road.

West = Premises No. 45/A owned by Mahaveerchand and Premchand Chordia (this day).

North = Road and

South = Private property now known as Moti Mahal.

M. HARIHARAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 3-12-1976

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 3rd December 1976

C.R. No. 62/5957/76-77/ACQ/B.—Whereas, I, M. HARIHARAN,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Premises bearing door No. 45/A situated at 4th Cross Road, Gandhinagar, Bangalore-9,

(and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gandhinagar, Bilore, Doc. No. 91/76-77 on 10-5-76,

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Mysore Tin Works, represented by its partner, Shri Manordas, Mudhavji, 1564/3, Nagappa Block, Srirampuram, B'lore-560021.

(Transferor)

 Mahaveer Chand 2. Premchand Chordia, Sons of Jethmal Chordia, 6th Cross, Gandhinagar, Bilore-560009.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 91/76-77 Dated 10-5-76)

Premises bearing Door No. 45/A (without the garage) situated at 4th Cross Road, Gandhinagar, B'lore-9 being part and parcel of old Municipal Door No. 66/1 and 66/2 (old Nos. 116 and 117).

Bounderies; E: Municipal Door No. 45, Owned by Jethmal Chordia (this day).

W: Municipal Door No. 46, Owned by Jyotsnaben Manordas Valia,

N: Road and

S: Private Property known as Moti Mahal.

M. HARIHARAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 3-12-76.

 M. S. Prasad, 807, Asia House, Curzon Road, New-Delhi. 2. M. S. Ramarao, London G.P.A. Holder Sri M. S. Prasad.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### **GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA.

Kakinada, the 14th December 1976

Ref. No. Acq.File. No. 371.—Whereas, I, B. V. SUBBARAO.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to an the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

46-17-36, situated at Main Road, Danavaipeta,

Rajahmundry,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on 1st April 1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Smt. Namuduri Seshamma, W/o Late Venkatarao, 46-17-36, Danavaipeta, Rajahmundry.

(Transferce)

(3) 1. M. V. K. L. N. Raju, Ashok Talkies, Rajahmundry, 2. D. Laxmi, Rajahmundry.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION;—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1316/76 registered before the sub-registrar, Kakinada during the fortnight ended on 30-4-1976.

B. V. SUBBARAO, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kakinada.

Date: 14-12-1976

(1) E. S. Ahdrades.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M/s Hindmata Cutpiece Merchants Asso. Coop. H.S.L.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE-I,
SMT. KGMP. AYURVEDICK HOSPITAL BLDG.
5TH FLOOR, NETAJI SUBHASH ROAD,
BOMBAY-400 002

Bombay-400 002, the 15th December 1976

Ref. No. AR-I/1641-5/Mr.76.—Whereas, I, V. R. AMIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter

referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

C.S. No. 8 of Dadar & Nigaum Division S.N. 1957, 1962, situated at Junction of Dr. B. Ambedkar Road and D. Phalke Road,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 23-4-76,

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may by made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of vacant land or ground situated at Dadar Road (known as Dr. Babasaheb Ambedkar Road, Parcl, in the City and Sub-Registration District of Bombay admeasuring 4683-13 square yards equal to 3915.70 square metres or thereabouts (being a portion of a larger land admeasuring formerly 13456 square yards equal to 11280.96 square metres or thereabouts) and being Laughton's Survey No. 1962 and Cadestral Survey No. 8 of Dadar Naigon Division and a portion of piece of land admeasuring 116563.63 square yards equal to 97462.36 square metres and bearing Laughton's Survey No. 1957 and Cadestral Survey No. 8 of Dadar Naigaum Division and bounded as follows; that is on or towards the East by the said Dr. Ambedkar Road on or towards the west by the land of the Tata Mills containing underground reservoir and pump 100m on or towards the North by the remaining portion of the larger piece of land admeasuring 13456 square yards and bearing Laughton's Survey No. 1962 and on the South by other land of Tata Mills containing a Road and main office building, Time Office, Stores, Oil Godowns, Garages and other structures and which piece of land is deineated on the plan thereof hereto anhexed and thereon shown shaded pink.

V. R. AMIN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 15-12-1976.

## SUBORDINATE SERVICES COMMISSION GRADE D STENOGRAPHERS' COMPETITIVE EXAMINATION, APRIL, 1977

New Delhi, the 1st January 1977

- No. 13/4/76-E.A.—Subordinate Services Commission, New Delhi will hold at Bombay, Calcutta, Delhi, Madras, Nagpur and at selected Indian Missions abroad a limited departmental competitive examination commencing on 16th April, 1977, for recruitment to temporary vacancies in Grade D of Central Secretariat Stenographers' Service, Grade D of Armed Forces Headquarters Stenographers' Service Grade III of Stenographers' Sub-Cadre of Indian Foreign Service (B), and for posts of Grade III Stenographers' in the Department of Parliamentary Affairs
- 2. Conditions of eligibility.—Must be regularly appointed officer of C.S.C.S./A.F.H.Q. Clerical Service/Grade VI or V of IFS (B/Lower/Upper Division Clerk in the Department of Farliamentary Affairs, satisfying following conditions:—
  - (a) Length of Service: Must have, on 1st January, 1977, rendered not less than two years' approved and continuous service in Lower/Upper Division Grade or equivalent Grade of the service concerned.

- (b) Age: Not more than 45 years on 1st January, 1977. Upper age limit telaxable for Scheduled Castes/ Scheduled Tribes and certain other specified categories.
- 3. Fee: Rs. 8/- (Rs. 2/- for SCs/STs).
- 4. Full particulars and application forms obtainable from Subordinate Services Commission, West Block I, R. K. Puram, New Delhi-110022 by remitting Re. 1/- (Rs. 2/- if despatch of application form is desired by Recorded Delivery System, by means of crossed (A/c Payee) Indian Postal Orders payable to Subordinate Services Commission at R. K. Puram (Delivery) Post Office, New Delhi or on cash payment at sale counter in Commission's Office,
- 5. Completed application forms must reach the Commission by 31st January, 1977 (14th February, 1977 for candidates residing abroad or in Andaman and Nicobar Islands or in Lakshdweep).

O. P. BANSAL Secy.

